सोमवार
08 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

रोहिणी बोलीं... नहीं चलेगा इस बार जुमला

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

नवादा में प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में सभा को किया संबोधित

जब तक देश के हर भाई-बहन की गरीबी दूर नहीं कर लूंगा, चैन से नहीं बैठूंगा: मोदी

- पीएम बोले- इंडी गठबंधन के पास न विजन है, न ही विश्वसनीयता
- बिहार में आपस में ही सिर फुटव्वल मची है, ये मजबूरी में साथ आए लोग हैं, इनकी मजबूरी का नाम है- सत्ता का स्वार्थ

एजेंसी/नवादा

बिहार के नवादा स्थित कुंतीनगर में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में तेजी से विकास हो रहा है। यहां एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। हमें बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। बिहार ने लंबे समय तक जंगलराज को झेला है। बिहार में एक समय वो भी था जब बहन-बेटियों को घर से निकलने में डर लगता था। जंगलराज से सब त्रस्त थे। नीतीश के प्रयास से बिहार जंगलराज से बाहर निकला। पीएम मोदी ने कहा कि जब नीयत सही होती है, हौसले बुलंद होते हैं तो नतीजे मिलते ही हैं।

उन्होंने कहा- 'इंडी गठबंधन यानी भ्रष्टाचारियों का ठिकाना है। इंडी गठबंधन यानी देशविरोधी नफरती ताकतों का ठिकाना है। पीएम ने कहा- कांग्रेस के मन में इतना जहर भरा है कि उनके पार्टी के कुछ लोग राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में आ गए, तो उनको पार्टी से 6 सालों के लिए निकाल दिया। रामनवमी आ रही है, ये पाप करने वालों को भूलना मत भाइयों-बहनों। पीएम मोदी ने कहा-'इंडी गठबंधन के पास न विजन है, न विश्वसनीयता है। दिल्ली में जो लोग एक साथ खड़े होते हैं, अलग-अलग राज्यों के, वही एक-दूसरे को गाली देते हैं। बिहार में तो आपस में ही सिर फुटव्वल मची है। ये मजबूरी में साथ आए लोग हैं और इनकी मजबूरी का एक ही नाम है- सत्ता का स्वार्थ।

मोदी की गारंटी इंडी गठबंधन को पसंद नहीं आ रही

पीएम ने कहा- 'मोदी की गारंटियां इंडी गठबंधन को पसंद नहीं आ रही हैं। इंडी गठबंधन के एक बहुत बड़े नेता ने कहा है कि मोदी जो आपको गारंटी देता है, उस पर बैन लगना चाहिए। ये लोग कहते हैं, मोदी का गारंटी देना ही गैर-कानूनी है। अरे, इतने डर गए हो क्या? मोदी की गारंटी से घबरा रहे हो क्या? पीएम मोदी ने कहा-मैं देश से गरीबी खत्म करने के मिशन में जुटा हूं। मैं भी आप ही की तरह गरीबी को जीकर यहां आया हूं। गरीब का बेटा मोदी, गरीब का सेवक है। मैं जब तक देश के हर भाई-बहन की गरीबी दूर नहीं कर लूंगा, चैन से नहीं बैठूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा- 'आपको याद होगा, लालकिले से मैंने कहा था, यही समय है, सही समय है। भारत के इतिहास में कई शताब्दियों के इंतजार के बाद यह समय आया है। यह वो समय है, जब हम मिलकर काम करें तो भारत विकसित हो सकता है, भारत अपनी गरीबी दूर कर सकता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं है इसीलिए 24 का यह चुनाव बहुत अहम हो चुका है। उन्होंने कहा- डिजिटल क्रांति ने सरकार की सेवाओं को आपके मोबाइल तक पहुंचा दिया है। आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है।

प्रधानमंत्री को मजबूती देने की जरूरत है: चिराग

इस अवसर पर लोजपा रामविलास अध्यक्ष चिराग पासवान ने सभा को संबोधित किया। चिराग पासवान ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए अहम दिन है। आने वाला चुनाव हमारे 5 साल का भविष्य तय करेगा। विपक्ष समाज को बांटने वाले मुद्दे उठाता रहा है। लेकिन आज देश के इंफ्रास्ट्रक्चर की बात होती है। बिहार युवा प्रदेश है, युवाओं को अपनी ताकत पहचानने की जरूरत है, प्रधानमंत्री ने कभी युवाओं में मतभेद नहीं की। सबके साथ, सबके विकास की बात की। प्रधानमंत्री को मजबूती देने की जरूरत है। रामविलास जी ने विकसित देश, विकसित बिहार का सपना देखा था, जिसे पीएम मोदी साकार कर रहे हैं।

लालू-राबड़ी ने केवल राज किया, काम कुछ नहीं: नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा में आयोजित पीएम मोदी की सभा से पहले संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ को याद कराया। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जुबान भी एक बार फिसली। उन्होंने कहा- आदरणीय प्रधानमंत्री जी का दसवां साल चल रहा है। फिर तो आगे रहबे करेंगे। पांच साल में कोई दिक्कत नहीं। हमको पूरी उम्मीद है कि चार... चार हजार से ज्यादा एमपी रहेंगे इनके पक्ष में। हम यही अनुरोध करने आएं हैं। पूरा दीजिए। देश में 543 संसदीय क्षेत्र हैं और इतने ही सांसद चुने जाते हैं। बिहार में चालीस सीटें हैं। पीएम मोदी ने इस बार 400 पार का लक्ष्य रखा है, लेकिन मुख्यमंत्री 400 की जगह चार हजार बोल गए।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आज बड़ी खुशी की बात है कि पीएम नरेंद्र मोदी यहां पधारे हैं। आप सब जानते हैं कि विवेक ठाकुर जरूर भारी मतों से जीतेंगे। आपको बता दूं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बिहार के लिए बहुत काम कर रही है। नीतीश कुमार ने कहा कि कम उम्र के लोग पुरानी बातों को भूल गए हैं। आप अपने बाल बच्चों को याद करवा दीजिए कि 2005 के पहले क्या हाल था? जरा उन्हें बताइए कि पहले शाम के बाद कोई घर से नहीं निकलता था। आने जाने का रास्ता तक नहीं था। इसको भूलिएगा मत। उनलोगों को 15 साल मिला था। क्या काम किए थे? पति-पत्नी मिलकर केवल राज करते रहे। एक भी काम नहीं किया। पहले की स्थिति के बारे में लोगों को बताइए कि कैसा हाल था। इसके बाद हमलोगों की सरकार ने काफी काम किया। विकास किया। पहले हिन्दू-मुस्लिम में भी खूब झगड़ा होता था। 2005 के बाद कोई झगड़ा नहीं हुए। मुस्लिम भाइयों से अपील है कि भूलियेगा मत। जो काम किया उसको वोट दिया। हमलोग रात-दिन काम कर रहे हैं। पहले स्वास्थ्य का क्या हाल था? एक महीना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 39 लोग आते थे। किसी का इलाज नहीं होता था।

तेजस्वी भी निशाने पर, बोले- सारा काम हम किए, वह घूमकर भ्रम फैला रहा: सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले बिजली और शौचालय की क्या स्थिति थी? इसके बाद हमलोग आए तो सब ठीक करवाए। लोगों को नौकरी नहीं मिलती थी। हमलोग आए तो कितना नौकरी दिए। 20 लाख रोजगार का वादा निभाने का काम कर रहे हैं। अभी तक पांच लाख लोगों को रोजगार मिल गया है। 10 लाख सरकारी नौकरी का भी वादा हमलोग निभाने जा रहे।

हताशा में बेबुनियाद बयान दे रहे प्रधानमंत्री मोदी: कांग्रेस

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से पहले सियासी दलों एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए हैं। इस बीच, कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री उनकी गारंटी से परेशान हैं और अपनी कुर्सी को बचाने के लिए हताशा में बेबुनियाद बयान दे रहे हैं। विपक्षी दल की ओर से यह प्रतिक्रिया तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है और उसके नेताओं के बयान राष्ट्रीय एकता और सनातन धर्म के प्रति शत्रुता दिखाते हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, भारत के लोग प्रधानमंत्री के झूठ से अब थक चुके हैं। चार जून के बाद उन्हें लंबी छुट्टी पर जाना होगा। यह भारत के लोगों की गारंटी है। लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना 4 जून को होनी है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस की पांच न्याय गारंटी दस साल के अन्याय के बाद भारत के लोगों में एक नई उम्मीद जगा रही है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट मं कहा कि कांग्रेस की गारंटी समय की मांग है और यह देश के पीड़ित लोगों की आवाज है। उन्होंने कहा, इस गारंटी कार्ड से परेशान प्रधानमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए हताशा में आधारहीन बातें कर रहे हैं।

केरल आज राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बन गया है: फडणवीस

एजेंसी/नई दिल्ली

केरल में लोकसभा चुनाव के प्रचार के बीच महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केरल को राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बताया है। फडणवीस ने कहा कि केरल को सबसे आगे रहना चाहिए था और देश की तकनीकी और आर्थिक क्रांति का नेतृत्व करना चाहिए था। लेकिन कुशासन के कारण राज्य पीछे की तरफ जा रहा है। फडणवीस ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगाते हुए कहा, केरल राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बन गया है। यहां की स्थानीय सरकारें केवल वोट बैंक के लिए राष्ट्र विरोधी ताकतों को बचा रही हैं। मुझे लगता है कि अब केरल को आगे की तरफ लाने का समय आ गया है। हाल में हुए कन्नूर बम विस्फोट के बारे में फडणवीस ने कहा, यहां राजनीति का अपराधीकरण हमेशा से रहा है। अब चुनाव आयोग सक्रिय है तो ऐसे सभी प्रयासों का पदार्फाश होगा। विवादों में घिरी फिल्म द केरल स्टोरी पर सवाल किए जाने पर फडणवीस ने कहा, जब फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा सार्वजनिक रूप से देखने की मंजूरी मिल गई है तो किसी भी मंच पर उसके प्रसारण पर कोई रोक नहीं होगी।

तीसरे प्रयास के बाद भी अग्निबाण रॉकेट का प्रक्षेपण रहा असफल

एजेंसी/चेन्नई

चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप अग्निकुल कॉसमॉस ने अग्निबाण रॉकेट के प्रक्षेपण को रद्द कर दिया। यह प्रक्षेपण उड़ान भरने से लगभग 92 सेकंड पहले रद्द किया गया। इसके पीछे अग्निकुल कॉसमॉस ने तकनीक खामियों का हवाला दिया है। अग्निबाण एक सेमी क्रायोजेनिक रॉकेट है और 22 मार्च से अब तक इसके परीक्षण का यह तीसरा प्रयास था। यह परीक्षण उड़ान श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में अग्निकुल लॉन्च पैड पर आयोजित होने वाला था। इससे पहले शनिवार सुबह 7.45 बजे भी प्रक्षेपण की कोशिश की गई थी। यह दूसरा प्रयास था और यह भी सफल नहीं हो पाया था। इसके बाद रविवार को सुबह 5.30 बजे पर्लान्चिंग का समय निर्धारित किया गया था लेकिन इसे भी सुबह 7.45 बजे के लिए टाल दिया गया। आईआईटी चेन्नई इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप का कहना है कि अग्निबाण के प्रक्षेपण को उड़ान के 92 सेकंड पर रद्द कर दिया गया। स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने नवंबर 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट को लॉन्च किया था।

साजिश के तहत आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए केजरीवाल को फंसाया गया है: संजय सिंह

एजेंसी/नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ रविवार को आम आदमी पार्टी ने सामूहिक उपवास किया। आप के उपवास कार्यक्रम में दिल्ली के जंतर मंतर और पंजाब में शहीद भगत सिंह के गांव खटखड़कलां में पार्टी के विधायक, मंत्री, सांसद, पार्षद और पदाधिकारी मौजूद है। उपवास कार्यक्रम में आप सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री के खिलाफ साजिश की गई। इसका जवाब चार गुनी ताकत के साथ देना है, 24 के चुनाव में बीजेपी को उखाड़ कर फेंकना है।

आम आदमी पार्टी ने देशभर में रखे गए उपवास की तस्वीरें जारी की हैं। आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से फोटो शेयर कर लिखा कि अरविंद केजरीवाल गिरफ़्तारी के खिलाफ देशभर के लोग आक्रोशित हैं। संजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि साजिश के तहत आम आदमी पार्टी को खत्म करने के उद्देश्य से उन्हें फंसाया गया है। शराब घोटाला तो भाजपा ने किया है, शरद रेड्डी से 55 करोड़ की रिश्वत उनके गिरफ़्तार होने के बाद ली गई। बिहार के सीएम नीतीश कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार समाजवादी आंदोलन से आते हैं, वे लोकनाथ जयप्रकाश नारायण के साथ वे रहे हैं, वे ऐसे बार-बार पलटी मारेंगे तो यह सही नहीं है। इंडिया गठबंधन पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

संजय सिंह ने कहा कि भले ही हमारे नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जेल में हैं। ये पीएमएलए कानून ऐसा ही है। इसमें जमानत मिलने में जरूर देरी होती है, लेकिन अभी तक आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं।

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दी सलाह

अपेक्षित परिणाम नहीं मिले तो राहुल को ब्रेक लेना चाहिए

केटी न्यूज/ पटना

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि अगर कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले तो राहुल गांधी को कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, अपनी पार्टी चला रहे हैं और पिछले 10 वर्षों में काम करने में असमर्थता के बावजूद वह न तो अलग हट सकते हैं और न ही किसी और को कांग्रेस का नेतृत्व करने दे सकते हैं। किशोर ने कहा, मेरे अनुसार यह भी अलोकतांत्रिक है।

उन्होंने कहा, जब आप पिछले 10 साल से एक ही काम कर रहे हैं और उसमें कोई सफलता नहीं मिली है, तो ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है। आपको इसे किसी और को पांच साल के लिए करने देना चाहिए। आपकी मां ने ऐसा किया था। राजीव गांधी की हत्या के बाद

राजनीति से दूर रहने और 1991 में पीवी नरसिम्हा राव को कार्यभार संभालने के सोनिया गांधी के फैसले को याद करते हुए प्रशांत किशोर ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, दुनिया भर में अच्छे नेताओं की एक प्रमुख विशेषता यह है कि वे जानते हैं कि उनके पास क्या कमी है और सक्रिय रूप से उन कमियों को भरने के लिए तत्पर रहते हैं।

किशोर ने कहा, लेकिन राहुल गांधी को ऐसा लगता है कि वह सब कुछ जानते हैं। अगर आप मदद की जरूरत को नहीं पहचानते तो कोई भी आपकी मदद नहीं कर सकता। उनका मानना है कि उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो उन्हें जो सही लगता है उसे क्रियान्वित कर सके। यह संभव नहीं है।

भाजपा के दावों को सही ठहराते हुए राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि पार्टी की दक्षिण और पूर्वी भारत में सीटों और वोट शेयर में बढ़ोतरी होगी। किशोर ने कहा कि 300 से ज्यादा सीटें बीजेपी जीतेगी। साथ ही किशोर ने यह भी कहा कि न तो बीजेपी पार्टी और न ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे हैं जिन्हें हाराया नहीं जा सकता हैं, उन्होंने बताया कि विपक्ष के पास भाजपा के रथ को रोकने की तीन संभावनाएं थीं, लेकिन विपक्ष ने बीजेपी को हराने के उन तीनों मौकों को गलत रणनीति के चलते गंवा दिया।

दक्षिण और पूर्वी भारत में कांग्रेस से ज्यादा बीजेपी ने की मेहनत

किशोर ने कहा कि भाजपा ने पिछले कुछ सालों में दक्षिण और पूर्वी भारत में वोट शेयर बढ़ाने के लिए लगातार कोशिश की है, मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसे बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने इन राज्यों का लगातार दौरा किया। दूसरी तरफ विपक्ष ने इन राज्यों में बहुत कम कोशिश की हैं। पिछले पांच सालों में प्रधानमंत्री के तमिलनाडु में राहुल गांधी या सोनिया गांधी या किसी अन्य विपक्षी नेता की तुलना में चुनाव के लिए राज्यों के दौरे की संख्या गिनें तो पीएम के दौरे ज्यादा हैं। किशोर ने राहुल गांधी पर तीखा तंज करते हुए कहा कि आपकी फाइट चुनाव मैदान में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में है लेकिन आप मणिपुर और मेघालय का दौरा कर रहे हैं तो आपको सफलता कैसे मिलेगी।

रोहणी बोलीं ...सारण में कोई टक्कर नहीं, जाकर जनता के बीच घूमें तो पता चल जाएगा

पीएम मोदी के नवादा दौरे पर रोहिणी ने कसा तंज, कहा... इस बार नहीं चलेगा जुमला

केटी न्यूज/पटना

पीएम मोदी के नवादा दौरे पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने हमला बोला है और उन्हें जनता से किए वादों की याद दिलाई है। चुनाव अभियान में रवाना होने से पहले रोहिणी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि वो आ रहे हैं तो आएं, इसमें हम क्या कर सकते हैं, उनके परिवार वाले जाएंगे। बेटा-बेटी दामाद जाएगा लोग, उनका इंतजार करेगा। देश के युवा दो करोड़ रोजगार का इंतजार कर रहे हैं, खाते में 15 लाख आने का जनता को बेसब्री से इंतजार है। जनता को उन्हें जवाब देना चाहिए जो वादा किया था उसका क्या हुआ। रोहिणी ने कहा कि पिछले चुनाव में जो वादे उन्होंने जनता से किए थे वे आजतक पूरे नहीं हुए। सारण की जनता से वादा किए थे कि चीनी मिल लगाएंगे और उसी चीनी मिल में

बनी चीनी से चाय पीने के लिए सारण आएंगे। सारण की जनता उनका बेसब्री से इंतजार कर रही है उनको इस बार बढ़िया से चाय पिलाएंगी। राजीव प्रताप रूडी के यह कहने पर कि सारण में कोई टक्कर नहीं है, इस पर रोहिणी ने कहा कि कोई टक्कर नहीं है तो जाकर जनता के बीच घूमें न पता चल जाएगा। जनता उनको बताएगी, उनका सब हवाई हवा में रह जाएगा। हर बार जुमला नहीं चलेगा। जनता यह जान चुकी है कि विकास के नाम में क्या हो रहा है। जनता को तरफ से लूटा जा रहा है। छोटे किसान कर्ज से दबे जा रहा है। जो बड़े व्यवसायी सरकार के साथ है उन्हें हर तरह की सुविधा मिल रही है। आखिर यह कब तक चलेगा। इसका अब अंत होगा। लालू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने के सवाल पर रोहिणी ने कहा इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है।

लालू ने गलत किया है तो होगा एक्शनः चिराग

पटना। चिराग पासवान ने लालू यादव पर तंज कसते हुए कहा कि यदि लालू यादव ने गलत किया है तभी तो एक्शन हो रहा है। चिराग पासवान ने कहा कि लालू यादव को यदि वारंट जारी हुआ है तो यह कानूनी प्रक्रिया है। लेकिन, कानून भी तभी कुछ करती है जब आपके पास कुछ हो या आपने कुछ किया ह, कुछ छुपा रहे हों। यदि हमने कुछ किया ही नहीं है तो डरने की जरूरत नहीं है, अब किया है तो एक्शन तो होगा ही। आप कहीं न कहीं आरोपी होंगे तभी आपके खिलाफ वारंट जारी होगा। इसके अलावा विशेष राज्य के दर्जे की मांग के सवाल पर चिराग ने कहा कि- यह बात उचित है, लेकिन मैं मानता हूं कि नीति आयोग के तरफ से कई तरह के ऐसे प्रावधान है जिसमें संशोधन किए जा चुके हैं और उन प्रावधानों के तहत यदि बिहार आएगा तो उसे विशेष राज्य का दर्जा जरूर मिलेगा। लेकिन आज के समय में जिस तरह से बिहार में डबल इंजन की सरकार है तो हम सब में जो विकास की उम्मीद की है विकास जरूर होगा। इसके अलावा चिराग ने कहा कि मोदी के गारंटी पर न सिर्फ देश को बल्कि बिहार और दुनिया को भी विश्वास होने लगा है। हमारे गठबंधन की मजबूती है जो विश्वास दिलाता है कि आने वाले समय में हम 40 की 40 सीट बिहार में जीतने वाले हैं। अपने भाई और भाजपा के राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर के लिए प्रचार करने जा रहा हूं मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही हमारे साथ सदन में बैठेंगे। नवादा में हमारे पीएम और सीएम भी मौजूद रहेंगे।

मणीपुर से भोजपुर लायी जा रही गांजे की खेप के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

पीरो अनुमंडल की पुलिस ने मणीपुर से गंजा तस्करी का खुलासा करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। मौके से 71 किलो गांजा भी जब्त की गयी है। गांजे की खेप पीरो स्थित गांधी चौक के पास एक यात्री बस से जब्त की गयी है। गांजा उड़ीसा के राउरकेला और झारखंड के जमशेदपुर के रास्ते आरा ले जायी जा रही थी। गिरफ्तार तस्करों में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दर्शन छपरा गांव निवासी अखिलेश सिंह के पुत्र चंदन कुमार, नगर थाना क्षेत्र के रघु टोला निवासी उमेश यादव के पुत्र टुन्ना कुमार और शंभू यादव के पुत्र श्रवण कुमार यादव शामिल हैं। एसडीपीओ राहुल कुमार सिंह की ओर से रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव को ले मजिस्ट्रेट लखेंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित उड़नदस्ता टीम द्वारा रविवार की सुबह पीरो के गांधी चौक के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी। उसी क्रम में जमशेदपुर के रास्ते यात्री बस से गांजे की खेप आरा की ओर ले जाने की सूचना मिली। उस आधार पर उड़नदस्ता टीम द्वारा सिंह ट्रेवल्स नामक एक यात्री बस की जांच की गयी। उस दौरान बस की स्लीपर से 71 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में तस्करों ने मणीपुर से गांजा की खेप लाये जाने की बात स्वीकार की। एसडीपीओ के अनुसार तस्करों की ओर से मणीपुर से ट्रेन से गांजे की खेप उड़ीसा के राउरकेला के रास्ते झारखंड के जमशेदपुर तक लायी गयी। उसके बाद जमशेदपुर से बस से आरा ले जायी जा रही थी। तभी सूचना मिल गयी और खेप के साथ तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। तस्करों से पूरे नेटवर्क की जानकारी ली जा रही है। टीम में पीरो थाने के दारोगा मनीष कुमार और इमादपुर थाने के दारोगा बदन पासवान सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

मंत्री अशोक चौधरी को झेलना पड़ा विरोध

पटना। नवादा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर के पक्ष में प्रचार करने शेखपुरा पहुंचे नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी को भारी विरोध का सामना करना पड़ गया। मुदार्बाद के नारे सुनकर उन्हें उलटे पांव वहां से लौटना पड़ा। छोटे मुद्दों पर पैरवी करना कई बार बड़े लोगों के लिए मुसीबत बन जाती है। चुनाव में ऐसी मुसीबत सामने आ जाती है। इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के साथ उनके इलाके में यही हो गया। वह पहुंचे थे नवादा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर के पक्ष में प्रचार करने, लेकिन एक गांव में प्रवेश के साथ उनका ऐसा संगठित विरोध हुआ कि मुदार्बाद के नारे सुनते ही उन्हें वापस लौटना पड़ गया। बिहार सरकार के मंत्री डॉ अशोक चौधरी को शनिवार को बरबीघा के सामस बुजुर्ग गांव में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। आक्रोशित लोगों ने मंत्री के विरोध में मुदार्बाद के नारे भी लगाये। ग्रामीणों ने बताया कि 6 दिन पहले गांव वालों ने बैठक करके सामस विष्णु धाम मंदिर के बगल में स्थित बड़े तालाब से रेलवे को मिट्टी देने के लिए सामाजिक स्तर पर निर्णय लिया था।

नाम वापस नहीं लेंगे, कांग्रेस भी मेरे साथ है : पप्पू यादव

पूर्णिया। हॉट सीट बना पूर्णिया लोकसभा से निर्दलीय प्रत्याशी और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने कहा कि नाम वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता है। पप्पू यादव ने एक बार फिर दावा किया कि कांग्रेस का उन्हें साथ है। साथ ही उन्होंने तेजस्वी यादव पर जमकर कटाक्ष किया। पप्पू यादव ने कहा कि ऐसा लगता है कि वे लोग बीजेपी से समझौता कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मधेपुरा सीट खाली है। क्यों नहीं आप उम्मीदवार दे रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि मुकेश सहनी को आप साथ लाए।

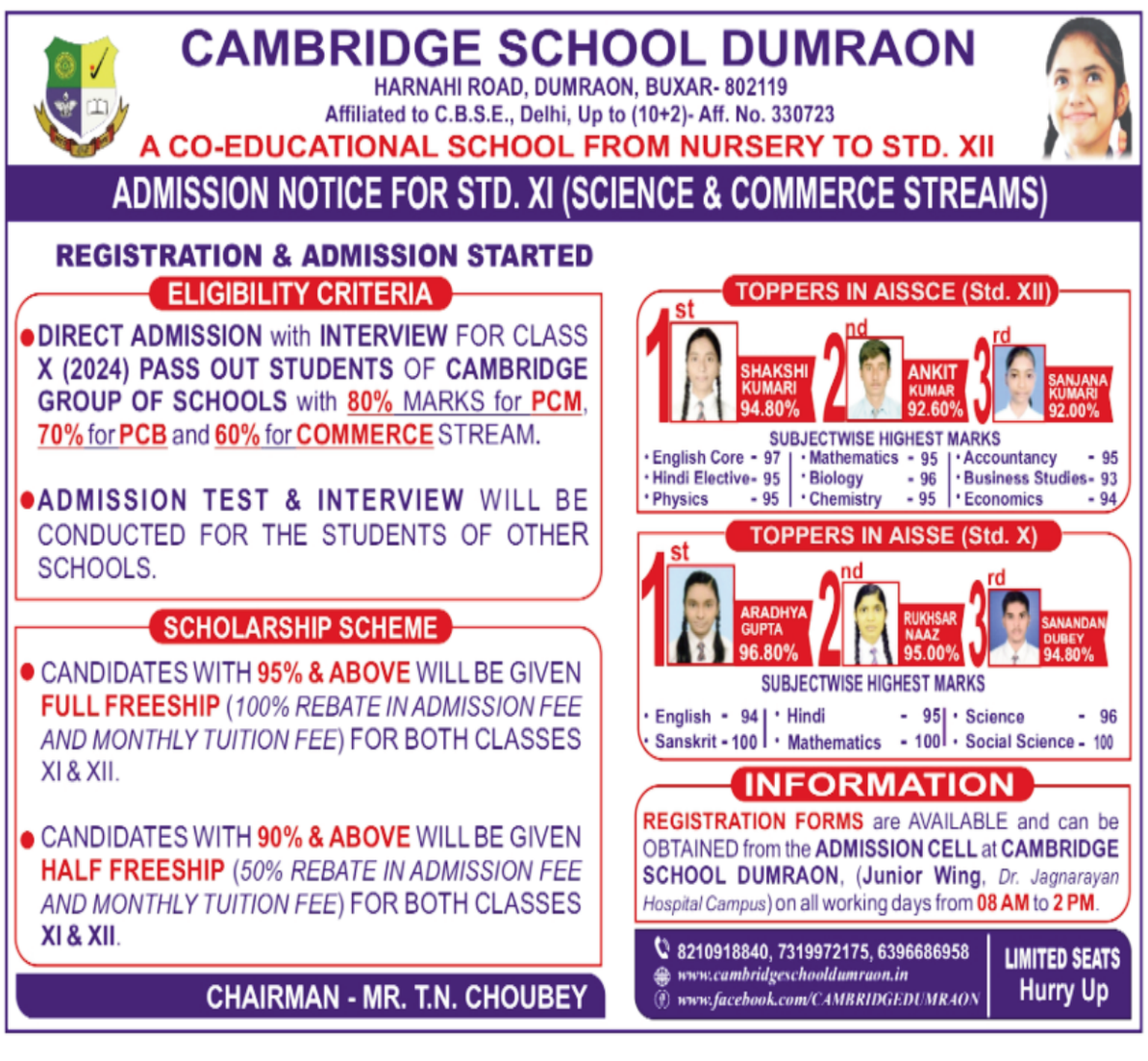

वार्ड के चुनाव में भी यादव प्रत्याशी को वोट नहीं देते राजपूतः ददन पहलवान

- लगाया आरोप- सामंती ताकतों से घिरे रहते हैं लालू प्रसाद यादव, पूर्व के सांसदों ने नहीं किया विकास
- बक्सर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं ददन पहलवान, तीन बार विधायक एक बार मंत्री रह चुके हैं ददन पहलवान

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में राजपूत समाज ने कभी यादवों को वोट नहीं दिया है। चाहे वह मुखिया, जिला परिषद, पंचायत समिति या फिर वार्ड का चुनाव ही क्यों न हो। कभी भी राजपूतों ने यादव जाति के प्रत्याशियों को अपना मत नहीं दिया है। उक्त बातें बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तथा आसन्न लोकसभा चुनाव में बक्सर संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोकने वाले ददन यादव उर्फ ददन पहलवान ने रविवार को केशव टाइम्स को दिए विशेष भेंट में कही है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव बिहार के यादवों के नेता रहे हैं, लेकिन वे कुछ सामंती ताकतों से घिर चुके हैं। उन्ही सामंती ताकतों के कारण ही वे बक्सर संसदीय क्षेत्र से चुनाव नहीं जीत सकें है, नहीं तो वे 2004 से ही बक्सर के संसद रहते तथा जिले को विकसित जिला बना दिए रहते हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि जिले के यादव समाज के युवा अब इस बात को समझ चुके है कि राजपूत समाज ने उन्हें कभी वोट नहीं दिया है। इस बार यादव समाज के साथ ही सभी वर्ग तथा धर्म के लोग हमारे साथ खड़े है। उन्होंने बक्सर के विकास में बाधक रहे पूर्व सांसद तथा राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह व अश्विनी चौबे को आड़े हाथों लिया और कहा कि मैने बक्सर संसदीय क्षेत्र के जितने भी गांवों का दौरा किया है कही भी पूर्व सांसद जगदानंद सिंह तथा अश्विनी चौबे के काम दिखाई नहीं पड़े हैं। दोनों ने अपने पैसे खर्च नहीं किए हैं।

ददन ने कहा कि चुकी दोनों बक्सर जिले से बाहर के है इस कारण उनका जिले से लगाव नहीं है। यही कारण है कि अबतक बक्सर का विकास बाधित रहा है। ददन की मानें तो इस बार भी जहां इडी गठबंधन ने जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह तो भाजपा ने गोपालगंज के मिथिलेश तिवारी को उम्मीद्वार बना जिले के लोगों के साथ नाइंसाफी की है। जिसे बक्सर की जनता मॉफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें अपार प्यार व दुलार मिल रहा है। जिस कारण उनकी जीत पक्की है। उन्होंने राजद प्रदेश अध्यक्ष पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि जगदानंद सिंह ने राजद व लालू यादव को बर्बाद कर दिया है। लालू प्रसाद यादव अंतर्राष्ट्रीय नेता है, लेकिन जगदानंद सिंह ने उनका अपमान किया है। वही उन्होंने अश्विनी चौबे को बड़ा ठग बताते हुए कहा कि यहां का पैसा लूट भागलपुर ले गए है। ददन ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो सिर्फ पांच सालों में ही बक्सर संसदीय क्षेत्र के जनता की समस्याओं का समाधान कर दिखा देंगे। बता दें कि ददन यादव पांच बार बक्सर लोकसभा सीट से अपना भाग्य अजमा चुके हैं। वहीं डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। प्रेस वार्ता के दौरान उनके पुत्र करतार सिंह यादव भी मौजूद थे।

एक नजर

बक्सर जिले के 17 थर्ड जेंडर भी लोकतंत्र का भविष्य गढ़ने में निभाएंगे अपनी महत्ती भूमिका

डुमरांव। लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर मतदाताओ के बीच उत्साह बना हुआ है। बक्सर लोकसभा का मतदान अंतिम चरण यानी एक जून को निर्धारित हैं। वोटर लोकतंत्र की भविष्य गढ़ने के लिए उत्साहित है जबकि जिले से 17 थर्ड जेंडर का भी नाम मतदाता सूची में दर्ज किया गया है। वें भी अपने दमखम के साथ लोकतंत्र के महापर्व में अपनी हिस्सेदारी निभायेंगे। बक्सर जिले के 1940 मतदान केंद्रों पर पुरुष मतदाताओं की संख्या 1002038 और महिला मतदाताओं की संख्या 914026 है। चुनाव आयोग ने इस बार मतदान शत प्रतिशत कराने के लिए वोटरों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर वोट में हिस्सेदारी बनने की अपील किया है। चुनाव में युवा मतदाता उत्साह के साथ मतदान करने के लिए उत्साहित है। बतादें कि बक्सर संसदीय सीट के लिए आगामी 7 मई की अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 15 मई जबकि नाम वापसी 17 मई को होगी। मतदान की तिथि एक जून व मतगणना चार जून को निर्धारित हैं। अभी से ही संभावित उम्मीदवार मतदाताओं के चौखट पर दस्तक देकर उनके हर सुख-दुख में साथ रहने की बात कह रहे हैं।

चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए गांव-गांव जाकर अलख जगा रही हैं जीविका दीदियां

नावानगर/चौसा। लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी विभागों के कर्मियों के अलावे जीविका दीदियों द्वारा बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई जा रही है। जीविका समूह से जुड़ी दीदियां गांव-गांव अलख जगा लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर रही है। इसी कड़ी में जिले के नावानगर व चौसा प्रखंड की जीविका दीदियों ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया है। नावानगर प्रतिनिधि के अनुसार जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए रंगोली प्रतियोगिता एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया। इसके बाद सभी कर्मी एवं जीविका दीदियों ने शपथ लिया। जीविका के बीपीएम ने बताया कि जीविका दीदी आगामी 1 जून 2024 को मतदान का महापर्व में बढ़ चढ़कर भाग लेगी और मत प्रतिशत को बढ़ाने में हर संभव प्रयास करेंगी। इसके लिए अपने पोषक क्षेत्र के मतदाताओं को हर समय, हर दिन जागरुक करने का कार्य करेंगी। इधर मतदाता जागरूकता रैली का नेतृत्व प्रखंड परियोजना प्रबंधक पप्पू कुमार एवं सीओ रानी कुमारी ने की। मौके पर प्रखण्ड के कर्मी, जीविका दीदी अखिलेश दीक्षित, धंजय भारती, मधु कुमारी, आयुष कुमार, विकास कुमार संकुल अध्यक्ष रीना देवी समेत अन्य जीविका दीदी उपस्थित थी। वही चौसा प्रतिनिधि के अनुसार प्रखंड के कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों पर प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें जीविका दीदियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रखंड के डिहरी में जीविका दीदी समूह द्वारा रंगोली बनाकर मेरा मतदान-मेरा अधिकार व मेंहदी कार्यक्रम के तहत मतदान के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया। अखौरीपुर गोला पर स्वीप कार्यक्रम के तहत समूह द्वारा शपथ कार्यक्रम किया गया तो वही, मुख्यालय पर सभी बीएलओ, सेक्टर पदाधिकारी, प्रखंड कर्मी व सभी विभागीय पदाधिकारियों द्वारा शपथ दिलवाया गया। जीविका दीदियों के इस प्रयास का ग्रामीणों पर काफी साकारात्मक असर देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने एक जून को मतदान के लिए अपना संकल्प दुहराया है।

डुमरांव थानाध्यक्ष ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, मचा हड़कंप

डुमरांव। डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा ने लोक सभा चुनाव में विधि व्यवस्था के मद्देनजर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह वाहन चेकिंग अभियान शहर के विष्णुमंदिर स्थित त्रिमुहानी पर चलाया गया था। इस दौरान दुपहिया तथा चार पहिया वाहनों की तलाशी ली गई तथा उनके कागजातों की जांच भी की गई। वही, वाहनों डिग्गी, सीट आदि की पड़ताल की गई कि कोई शराब, मॉदक पदार्थ या नोट के अलावे किसी अन्य तरह के गैरकानूनी सामान तो नहीं ले जा रहा है। पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया था। कई वाहन चालक तो पुलिस से बचने के लिए लालगंज कड़वी के रास्ते निकल रहे थे। थानाध्यक्ष अनिशा ने बताया कि यह रैंडम जांच था। उन्होंने कहा कि पुलिस हर दिन थाना क्षेत्र के अलग अलग जगहों पर रैंडम वाहन चेकिंग अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरे लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगा।

चौसा में फ्लैग मार्च निकाल पुलिस ने शांतिपूर्व माहौल में पर्व मनाने का दिया संदेश

चौसा। रविवार की दोपहर अचानक से नगर पंचायत के अलावा ग्रामीण इलाकों में भारी पुलिस बल पहुंच गई। अचानक से विशेष पुलिस के कदम ताल व बूटों को थाप से चौसा के क्षेत्र थर्रा गया। जहा गलत कार्य करने वाले अराजक तत्व के लोगों में हड़कम्प मच गई। हालांकि, ये पुलिस बल चुनाव में शांतिपूर्ण चुनाव की व्यवस्था को लेकर कदम ताल की गई। बता दें कि आगामी एक जून को बक्सर लोकसभा का चुनाव होना है। इसको लेकर प्रशासन शांतिपूर्ण व निर्भीक चुनाव को लेकर हर तरह की तैयारी की जा रही है। शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव कराये जाने को लेकर मुफस्सिल थाना के एस आई सोनू कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा थाने के नगर पंचायत क्षेत्रों फ्लैग मार्च निकाल कर लोगो को भयमुक्त माहौल में चुनाव में भाग लेने का संदेश दिया तो दूसरी तरफ शराब माफिया व तस्करी पर छापेमारी भी की। पुलिस बल सबसे पहले अखौरीपुर गोला, नारायणपुर, खिलाफतपुर, चौसा स्टेशन, नरबतपुर आदि गांवों के गली-गली में फ्लैग मार्च की गई। वही लोगो को निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में वोटिंग में भाग लेने की अपील की। इस फ्लैग मार्च से जहां लोग शान्ति वातावरण महशूस करने लगे तो दूसरी तरफ अराजक तत्वों में पुलिस का भय बन गया। इसी तरह शाम को चौसा बाजार, हादीपुर, मिश्रवलिया, कम्हरिया, कमरपुर आदि गांवों में भी फ्लैग मार्च निकली गई। पुलिस बल के फ्लैग मार्च से गलत धंधा करने वालों में भी भय बना हुआ है। इस फ्लैग मार्च के तहत शांति व्यवस्था भंग करने वाले व शराब माफियाओं की टोह भी ली गई।

खबरें फटाफट

कृष्णाब्रह्म में शराब के नशे में भोजपुर के चार युवक गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के रावल डेरा गांव के पास से शनिवार की रात्रि शराब के नशे धूत चार युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार किए गए सभी युवक आरा के रहने वाले है। उनकी पहचान रौशन कुमार सिंह पुरानी पुलिस लाइन आरा, रोहित कुमार सरना, अजित कुमार सिंह बखोरापुर तथा अनुराग कुमार सिंह अटपा के रूप में की गई है। सभी लोगों की जांच ब्रेथ एनेलाइजर मशीन से की गई जहां शराब पीने की पुष्टि होने के बाद चारों गिरफ्तार आरोपितों को पुलिस ने रविवार को कोर्ट भेज दिया। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सभी आरोपित रावल डेरा में एक पार्टी में शामिल होने आए थे। वही पुलिस को सूचना मिली कि उक्त पार्टी में कुछ युवक शराब के नशे में है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस टीम को ब्रेथ एनालाईजर मशीन के साथ भेजा गया। जहां चारों के शराब पीने की पुष्टि हुई। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस शराब तस्करों तथा नशेड़ियों पर नजर रख रही है।

बक्सर में गंगा में डूबने से शाहपुर के युवक की मौत

बक्सर। बक्सर के रामरेखा घाट पर गंगा में नहाने दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी सोनू कुमार के रूप में हुई है। गोताखोरों के माध्यम से शव को नदी से निकलवाने के बाद पुलिस पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दी है। वही उसके स्वजनों को भी इस मनहूस घटना की सूचना दी गई है। सूचना मिलते ही परिजन बक्सर पहुंच गए है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त युवक दोपहर में रामरेखा घाट पर पहुंचा तथा गंगा में स्नान करने लगा। लेकिन, नहाने के दौरान वह डूब गया। आस पास में मौजूद लोगों ने उसे डूबता देख हो हल्ला मचाते हुए स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के सहारे शव को गंगा से बाहर निकाला। लेकिन, तबतक उसकी मौत हो चुकी थी।

जनेश्वर मिश्र सेतू के पास डुमरांव व बलिया पुलिस ने की संयुक्त बैठक

दियारा क्षेत्र में तस्करी व अपराध रोकने को अभियान चलाएगी बिहार-यूपी पुलिस

- शराब, मादक पदार्थों, पशुओं की तस्करी रोकने सहित कई मुद्दों पर बनी रणनीति
- दोनों जगहों की पुलिस ने अपने अपने क्षेत्र के फरार अपराधियों की गिरफ्तारी में सहयोग करने पर जताई सहमति

केटी न्यूज/ डुमरांव

दियारा के रास्ते शराब व मॉदक पदार्थों के अलावे पशु तस्करी रोकने तथा बिहार व यूपी के फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अब डुमरांव अनुमंडल व बलिया पुलिस मिलकर अभियान चलाएगी। रविवार को शिवपुर दियर स्थित जनेश्वर मिश्र सेतु के पास डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी व बलिया के शहर कोतवाल गौरव कुमार के नेतृत्व में दियारा इलाके के थानाध्यक्षों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें तस्करी रोकने, फरार अपराधियों की पहचान व लोकेशन दे उन्हें गिरफ्तार करने तथा दोनों जगहों पर लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में एक दूसरे के सहयोग की रणनीति बनी है। दोनों जगहों की पुलिस ने इस बैठक में अपराध नियंत्रण व तस्करी रोकने की रणनीति बनाई है।

वहीं एक साथ दियारा इलाके के कई गांवों छापेमारी अभियान चला व फ्लैग मार्च कर लोगों को अपराधियों तथा तस्करों को सख्त संदेश दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि दियारे इलाके से बड़े पैमाने पर शराब व पशु तस्करी की सूचना मिलते रहती है। कई बार दियारा इलाके से शराब की खेप भी बरामद हुई है। तस्कर गंगा के रास्ते आसानी से शराब व मॉदक पदार्थों को इधर से उधर लाते और ले जाते हैं। वही पशु तस्करी भी धड़ल्ले से होती है। इसके अलावे चुनाव के दौरान नोटों की ढुलाई भी इस रास्ते हो सकती है। इसे रोकने के लिए जरूरी था कि सीमावर्ती बलिया पुलिस का भी सहयोग मिले। यही कारण है कि बलिया पुलिस के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि इस दौरान बलिया पुलिस से शराब तस्करी पर रोक लगाने की अपील की गई जबकि बलिया पुलिस ने भी पशु तस्करी रोकने में सहयोग मांगा। जबकि दोनों जगहों की पुलिस ने एक दूसरे से अपने अपने क्षेत्र के फरार अपराधियों की गिरफ्तारी में सहयोग करने, चुनाव के दौरान नोटों की ढुलाई रोकने पर सहमति बनाई। तय किया गया कि दोनों जगहों की पुलिस अपने-अपने फरार अपराधियों की सूची एक दूसरे को सौंपेगी। वही, उनका लोकेशन भी शेयर किया जाएगा, ताकी उन्हें आसानी से गिरफ्तार किया जा सके। बैठक में सिमरी थानाध्यक्ष संजय वर्मा, तिल राय के हाता ओपी थानाध्यक्ष लालबाबू सिंह, नैनीजोर ओपी अध्यक्ष मो. फिरोज आलम, रामदास राय के डेरा ओपी थानाध्यक्ष, भरियार थानाध्यक्ष के अलावे बलिया कोतवाली थानाध्यक्ष तथा दियारा क्षेत्र के आउट पोस्ट के प्रभारी मौजूद थे।

जनेश्वर सेतु से बड़े पैमाने पर होती है पशुओं की तस्करी

शिवपुर दियर में गंगा पर बनाए गए जनेश्वर मिश्र सेतु से हर दिन बड़े पैमाने में पशुओं की तस्करी की जाती है। इस पुल के रास्ते यूपी से पशुओं की तस्करी कर उसे जिले के मझवारी तथा चौसा पशु मेला में बेचा जाता है। जानकारों की मानें तो बुधवार, गुरूवार तथा शुक्रवार को पशुओं की तस्करी अधिक होती है। इन तीन दिनों में सैकड़ो पशुओं को बलिया के विभिन्न गांवों से तस्करी कर लाया जाता है। इस खेल में पशु तस्करों के अलावे कई सफेद पोश भी शामिल है। वही दियारा इलाके में सफेद बालू की तस्करी भी धड़ल्ले से की जाती है।

समाज की कुरीतियों को दूर करने व सामाजिक उत्थान के लिए बिहार प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा ने की बैठक

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के एक सभागार में रविवार को बिहार प्रदेश केसरवानी प्रबंध समिति की एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में पटना, सासाराम, भभुआ, रोहतास, बक्सर, गया, मसौढ़ी, नवादा सहित पूरे राज्य के सभी जिलों से अतिथियों का आगमन हुआ। समाज की कुरीतियों को दूर करने एवं सामाजिक उत्थान को लेकर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अश्वत्थामा केशरी ने की जबकि संचालन प्रदेश प्रवक्ता मनोज केशरी ने किया। इसके पूर्व प्रदेश प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ महिला सभा की अध्यक्ष रीता केशरी सहित अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अतिथियों ने समाज की कुरीतियों को दूर करने पर बल देते हुए कहा कि इसके उत्थान के लिए सामाजिक जागरूकता के साथ शिक्षा व संस्कार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बिहार में केसरवानी वैश्य सभा ने पारिवारिक जनगणना पर जोर दिया है, जिससे समाज मे नौकरी योग्य एवं शादी-विवाह के लिए लड़के एवं लड़कियों का ब्यौरा स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा समाज को अतिपिछड़े वर्ग में शामिल करने तथा समाज के लोगों का हरसंभव विकास करना लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान नगर सभा के अध्यक्ष राजेंद्र केशरी, तरुण सभा के अध्यक्ष अखिलेश केशरी, महेंद्र केशरी, संजय केशरी, रमेश केशरी आदि ने आगत अतिथियों को अंग वस्त्र व बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान रेणु केशरी, संजय केशरी, दिलीप केशरी, नप के पूर्व मुख्य पार्षद मीरा देवी, सरोज देवी, मोहन केशरी, बुली केशरी, अनिल केशरी, अमित केशरी सहित अन्य मौजूद रहे।

नावानगर में अगलगी से 12 बीघा में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय गांव के बधार में रविवार को गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। जिससे लगभग 12 बीघा गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई। गेहूं फसल में आग की उठती लपटे देखकर किसानों ने अग्निशामक कार्यालय में इसकी सूचना दिया। साथ ही आग पर काबू पाने में किसान जुट गए। इधर सूचना पर एक यूनिट दमकल वाहन अगलगी स्थल पर पहुंच गई।

दमकल के साथ ग्रामीण अग्निशमन दल के कर्मियों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। अन्यथा आग से उठती प्रचंड लपटें पूरे बधार को अपनी चपेट में ले सकती थी। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि कि किसानों को अनुमान है, कि किसी गंजेडी या सिगरेट पीने वाले असमाजिक तत्व द्वारा जलती तिल्ली खेत में फेंकने से आग लगी है। इस अगलगी में नावानगर गांव के विमलेश सिंह का पांच बीघा, रामबहादुर सिंह का तीन बीघा, जंगली यादव का दो बीघा, एकमा देवी तथा अमर यादव का एक -एक बीघा में खड़ी गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई है। सूचना पर पहुंचे राजस्व कर्मचारी ने घटना स्थल का मुआयना कर पीड़ित किसानों की सूची तथा क्षति का ब्योरा लिया। इधर फसल जल जाने से किसानों के आर्थिक एवं अनाज क्षति के साथ पशु चारा (भूषा) की समस्या उत्पन्न हो गई है।

लू के थपेड़ों के बीच भीषण गर्मी में लोकसभा चुनाव होने से बढ़ी प्रत्याशियों की मुश्किलें

मौसम की मार से बेजार होंगे प्रत्याशी, मतदाताओं के सवाल भी चुभेंगे

- बक्सर जिले में संसाधनों की कमी, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन जैसी कई समस्याएं है, जिनका समाधान दशकों से नहीं हो पाया है
- आम जनता में राजनेताओं के प्रति भी है गहरी नाराजगी

रजनी कांत दूबे/डुमरांव

आसन्न लोकसभा चुनाव में अपने भाग्य अजमाने वाले प्रत्याशियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। विकास की मुख्य धारा से वंचित बक्सर जिले में मूलभूत समस्याओं के मकड़जाल तथा संसाधनों की कमी के अलावे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन जैसी कई गंभीर समस्याएं हैं, जिनका समाधान दशकों से नहीं हो पाया है। यहां के प्रतिनिधियों ने जिले के बजाय खुद के विकास पर ध्यान दिया है। जिसका परिणाम है कि बक्सर जिला कभी बिहार के विकसित जिलों की श्रेणी में नहीं आ सका है। लिहाजा आम जनता में राजनेताओं के प्रति गहरी नाराजगी है।

नेताओं के झूठे आश्वासनों से नाराज लोकसभा क्षेत्र की जनता इस बार चुनाव लड़ने वाले नेताओं से तल्ख सवाल पूछेगी। जिससे प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ने वाली है। वही प्रत्याशियों को इसके अलावे मौसम की मार से भी बेजार होना पडेगा। बता दें कि बक्सर संसदीय सीट पर अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। इसके पहले प्रत्याशियों को अप्रैल व मई के महीने में चुनाव प्रचार अभियान में ताकत झोकनी पड़ेगी। जबकि अप्रैल व मई में सबसे अधिक गर्मी तथा भयंकर लू चलती है। लू के थपेड़ो का सामना करते हुए प्रत्याशियों को मतदाताओं के दरवाजे पर पहुंचना आसान नहीं होगा। बता दें कि जब लू चलती है तो अधिकतर लोग पूरे दिन घरों में दुबकने को मजबूर होते है। सिर्फ सुबह व शाम में ही सड़कों तथा बाजार में चहलकदमी देखने को मिलती है। इस दौरान चुनावी सभाओं में भी भीड़ जुटाना प्रत्याशियों के लिए चुनौतीभरा होगा। भयंकर गर्मी में चुनाव होने से मतदाताओं को मतदान के दिन भी बूथों तक जाने में परेशानी होगी। जिसका असर मतदान प्रतिशत पर पड़ सकता है। हालांकि, जिला प्रशासन द्वारा इस बार युद्ध स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकी मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सकें। इस बार जिला प्रशासन जीविका समूहों तथा अन्य स्वयंसेवी समूहों के माध्यम से भी गांव-गांव तक मतदाता जागरूकता अभियान चलवा रही है। देखना है कि इस अभियान का कितना असर मतदान के दिन पड़ रहा है।

खेती के काम में उलझे किसानों से मुलाकात नहीं होगी आसान

बता दें कि बक्सर संसदीय क्षेत्र कृषि बहुल इलाका है, जहां के अधिकांश मतदाता किसान या खेतिहर मजदूर है। इन दिनों किसान रबी फसलों की कटाई, थ्रेसिंग तथा अनाज को खलिहान से उठा सुरक्षित भंडारण में लगे रहते है। अहले सुबह से ही मजदूर खेतों की कटाई व थ्रेसिंग में जुट जाते है। दोपहर में कुछ देर के आराम के बार फिर शाम व देर रात तक किसानों की यही दिनचर्या रहती है। ऐसे में चुनाव प्रचार अभियान में निकलने वाले प्रत्याशियों तथा उनके समर्थकों के लिए किसानों तथा खेतिहर मजदूर मतदाताओं से मुलाकात के लिए खलिहानों व खेतों की पगडंडियों की खाक छाननी पडेगी, जो उनके लिए आसान नहीं होने वाला है।

वारदात को अंजाम देने जा रहे दो बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

- नगर थाना क्षेत्र के पुरानी पुलिस लाइन के समीप शनिवार की शाम पकड़े गए दोनों अपराध कर्मी
- गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देसी पिस्टल और दो बाइक बरामद

केटी न्यूज/आरा

नगर थाने की पुलिस ने किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने जा रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों को शनिवार की शाम पुरानी पुलिस लाइन नाला मोड़ के समीप पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देसी पिस्टल और दो बाइक बरामद की गयी है। गिरफ्तार अपराध कर्मियों में उसी थाना क्षेत्र के नाला मोड़ निवासी बबलू सिंह के पुत्र गोल्डी सिंह और चित्रटोली रोड निवासी आलोक कुमार के पुत्र अभिनव कुमार शामिल हैं। एएसपी परिचय कुमार की ओर से रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शनिवार की शाम करीब साढ़े सात बजे सूचना मिली कि नगर थाना क्षेत्र में बाइक सवार कुछ अपराधकर्मी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने पुरानी पुलिस लाईन की ओर जा रहे हैं। उसके बाद सूचना के सत्यापन, हथियार की बरामदगी और अपराधकर्मी की गिरफ्तारी के लिए थानाध्यक्ष देवराज राय के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। थानाध्यक्ष टीम में शामिल दारोगा सुमंत कुमार और कॉस मोबाइल के जवानों के साथ तत्काल पुरानी पुलिस लाइन के नाला मोड़ के पास पहुंचे। तब पुलिस टीम को देख कर अपराधकर्मी भागने लगे। हालांकि पुलिस ने खदेड़ कर दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देशी पिस्टल बरामद किया गया। दोनों की दो बाइक भी जब्त कर ली गयी। एएसपी ने बताया की दोनों के अपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। इस संबंध में आरा नगर थाना में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है।

खबरें फटाफट

वाहन चालकों से पुलिस ने 10 हजार का काटा चालान

काराकाट (रोहतास)। कछवां पुलिस लगातार वरीय अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर लोकसभा चुनाव को लेकर अपने थाना क्षेत्रों के अलावे सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन रूप से वाहन जांच अभियान निरंतर चला रही है । उक्त क्रम में ही कछवां पुलिस ने रोहतास-भोजपुर सीमा पर कंचनटोला के समीप वाहन जांच की । उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग के दौरान एचएचडी मशीन से वाहन चालकों से कुल 10 हजार रुपये का ऑनलाइन चालान काटकर वाहन को मुक्त कर दिया गया ।

पुलिस ने एक हजार लीटर महुआ पास शराब को किया विनष्ट

काराकाट (रोहतास)। कछवां पुलिस ने लगातार थाना क्षेत्रों में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर ध्यान में रखते हुए शराब माफियाओं पर नकेल कसते हुए इस वक्त काफी नजर आ रही है । उसी क्रम में कछवां थाना अंतर्गत सोन नदी क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी किया गया । साथ ही साथ करीब 1हजार लीटर महुआ पास शराब को बरामद कर उक्त स्थल पर ही विनष्ट किया गया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्रों में अशांति फैलाने वाले वैसे आसामाजिक तत्वों को किसी भी सूरत पर नही बख्शा जायेगा।

एनडीए घटक दल के कार्यकर्ताओं ने की बैठक

काराकाट (रोहतास)। काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी के जदयू प्रखंड कार्यालय पर एनडीए गठबंधन के सभी अध्यक्ष और प्रमुख साथियों की बैठक आयोजित की गई । जिसमें काराकाट लोकसभा के एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के गांवों में दौरा के लिए कार्यक्रम बनाया गया। जिसकी तिथि में घोषणा किया जायेगा। बैठक में प्रदेश महासचिव बिरेंद्र तिवारी, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अजीत शेखर, बिरेंद्र सिंह कुशवाहा आदि शामिल थे।

बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर गांव की रविवार अहले सुबह की घटना

भोजपुर में बड़े उद्योगपति सह भाजपा नेता के भाई की गोली लगने से मौत

- बरामदे में खून से लथपथ मिला शव, बगल में ही पड़ा मिला डीडीबीएल बंदूक
- परिजनों की ओर से जताई जा रही हत्या की आशंका
- छानबीन में जुटी पुलिस, खुदकुशी और हत्या के एंगल से कर रही जांच

केटी न्यूज/आरा

मृतक

बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर गांव में रविवार तड़के भाजपा नेता अजय सिंह के बड़े भाई की गोली लगने से मौत हो गई। सुबह करीब पांच बजे उनका शव बरामदे के बाहर खून से लथपथ मिला। घटनास्थल से एक दोनाली बंदूक भी बरामद की गयी है। गोली उनके सीने के बीच में लगी है। मृतक बखोरापुर गांव निवासी स्व. रामाधार सिंह के 58 वर्षीय पुत्र शैलेश सिंह थे। पेशे से किसान शैलेश सिंह के छोटे भाई अजय सिंह बड़े उद्योगपति और समाजसेवी हैं। परिजनों की ओर से हत्या की आशंका जताई जा रही है। वैसे इलाके में खुदकुशी की चर्चा भी चल रही है। इधर, अहले सुबह गोली लगने से मौत की खबर से गांव और आसपास के इलाके में सनसनी मच गई। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष संजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर से छानबीन की। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस ने जांच के लिए घटनास्थल से बरामद बंदूक को जब्त कर लिया है। चचेरे भाई वीर बहादुर सिंह ने बताया कि शैलेश सिंह रोज रात में बरामदे में सोते थे। रविवार अहले सुबह करीब पांच बजे उनकी पत्नी उर्मिला देवी जगी, तो देखा कि वह बरामदे में खून से लथपथ मृत हालत में जमीन पर पड़े है। उनके शोर मचाने पर घर के अन्य सदस्य पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गयी।वीर बहादुर सिंह के अनुसार उनके चचेरे भाई शैलेश सिंह का पूरे गांव में किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी। उन्होंने गोली मारकर हत्या करने की आशंका जताई है। हालांकि उन्होंने किसी पर आरोप या आशंका भी नहीं जताया है। बहरहाल पुलिस खुदकुशी और हत्या दोनों एंगल से छानबीन कर रही है। हालांकि इस मामले में किसी भी पुलिस अधिकारी का अधिकृत बयान नहीं आया है।

शुगर की बीमारी होने से परेशान रहने की चल रही चर्चा

इधर, जानकारी के अनुसार शैलेश सिंह शुगर की बीमारी से पीड़ित थे। उस कारण वह काफी परेशान रहते थे। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि वह हमेशा कहते थे कि बहुत दिक्कत होगी, तो खुद को समाप्त कर लेंगे। ऐसे में उनके द्वारा अपने ही लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर खुदकुशी करने की भी चर्चा चल रही है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जा है कि शैलेश सिंह अपने चार भाइयों में बड़े थे। उनके मझले भाई अजय सिंह एक बड़े उद्योगपति है। परिवार में पत्नी उर्मिला देवी, पुत्री प्रियंका, पूजा,प्रीति, पुत्र धीरज और नीरज हैं। पत्नी परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में बाइक सवार इंटर के छात्र की मौत

आरा। बिहिया थाना क्षेत्र के मझौली गांव स्थित ब्रह्म बाबा के समीप रविवार को सड़क हादसे में इंटर के एक छात्र की मौत हो गई। दुकान के लिए सामान खरीदने जा रहे बाइक सवार छात्र को किसी अज्ञात वाहन ने रौंद डाला। उसमें छात्र की घटनास्थल पर मौत हो गई। मृत छात्र बिहिया थाना क्षेत्र के चकवथ गांव निवासी टुनटुन साव का 17 वर्षीय पुत्र विनीत कुमार था। वह पढ़ाई के साथ दुकान भी चलाता था।टुनटुन साव ने बताया कि उनकी गांव में पान, खैनी और किराने की छोटी सी गुमटीनुमा दुकान है। वह शादी विवाह में मिठाई और खाना आदि भी बनाते हैं। रविवार की सुबह वह कराही पर चले गए थे। ऐसे में उनका पुत्र दुकान का सामान खरीदने बाइक से बिहिया जा रहा था। उसी दौरान मझौली स्थित ब्रह्म बाबा के समीप किसी वाहन ने उससे रौंद दिया। उससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा परिजनों और पुलिस को हादसे की सूचना दी गयी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

एक नजर

पुलिस ने अवैध बालू लदे ट्रक को किया जब्त, लोगों के बीच अवैध वसूली की चर्चा

कोचस (रोहतास)। कोचस पुलिस द्वारा बालू लदे ट्रकों से अवैध वसूली का धंधा परवाना चढ़ रहा है। उक्त मामला तब प्रकाश में आया। जब चौक से शुक्रवार को बगैर चालान के एक बालू लदे ट्रक को पुलिस द्वारा जप्त कर लिया गया। यह मामला न पं क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है ।जबकि प्रतिदिन सैकड़ो बालू लदे ट्रक उक्त थाना क्षेत्र से होकर प्रतिदिन गुजरते हैं, उस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा आखिर कार कब तक करवाई की जाएगी ऐसे लोगों के जहन मे चल रही है। खबर में नाम नहीं छापे जाने के शर्त पर स्थानीय ग्रामीण व्यवसाई तथा सामाजिक कार्यकताओं ने बताया कि थाना क्षेत्र से गुजरने वाली हर अवैध बालू लदे ट्रकों से पुलिस प्रत्येक माह के एंट्री फीस छः हजार रुपए बंधी है, जिसमें वाहन मालिकों को प्रत्येक महीने के एक तारीख से दस तारीख तक जमा करना होता है। जबकि निर्धारित समय से थाने में पैसे नहीं जमा होने पर पुलिस की बक्र निगाहें उस ट्रक पर होती है और उस ट्रक को जप्त कर लिया जाता है। यहां तक की थाने पर पैसा जमा करने के लिए निर्धारित समय पर वाहन मालिकों की लाइन लग जाती है जिसमें पुलिस को ना फोन घूमने की जरूरत होती है ना ही रिस्क लेने की होती है। हालांकि ट्रक मालिक एक थाना क्षेत्र से दूसरे थाना क्षेत्र को ट्रक भेजने में एंट्री फीस दे अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। जिसमें करोड़ो रुपए सरकार का नुकसान होता है। इस संदर्भ में जब कोचस थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा से टेलीफोन के माध्यम से बात करने की कोशिश की गई तो उनके द्वारा फोन रिसीव कर खबर की पुष्टि करने से इनकार कर फोन काट दिया गया हालांकि दोबारा भी उनसे संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठा पाया। जिसमें कि कहीं ना कही थाना क्षेत्र से हो रही अवैध रुपए की उगाही की बात स्पष्ट हो रही है।

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा कार्यकर्ता मतदाता से डोर टू डोर साध रहे संपर्क

नोखा (रोहतास) । लोकसभा चुनाव की जैसे जैसे कलेंडर तारीख बदल रही वैसेवे-वैसे विभिन्न दलों के प्रत्याशियों की बैचेनी बढ़ती नजर आ रही है। जिसको लेकर काराकाट लोकसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकताओं ने अपने एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को ऐतिहासिक जीत के लोगों से जनसंपर्क करना शुरू कर दिया। भाजपा कार्यकर्ता ने संझौली प्रखंड के चांदी इंग्लिश गांव में भाजपा अतिपिछड़ा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश चौहान ने नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया। जहां उन्होंने एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में मतदान के दिन लोगों से उनके चुनाव चिन्ह पर वोट डालने की अपील की। साथ ही इस बार 400 पार नारा लगाया। अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश चौहान ने बताया कि सबका साथ सबका विकास के साथ एक बार पुनः नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री का बनाने का देश की जनता ने अपना फैसला कर लिया है। मौके पर जितेंद्र चौधरी,भोला चौहान, ध्रुप चंद्रवंशी, चंदेश्वर चौहान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अंग्रेजी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

जहानाबाद। टेहटा थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टेहटा बाजार में छापेमारी कर 18 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया है। साथ ही कारोबारी को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया की पुलिस को गुप्त सूचना मिली के बाजार निवासी शिबू भदानी अंग्रेजी शराब का कारोबार करता है। जिसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर में छापेमारी कर पुलिस ने 18 लीटर शराब बरामद किया, साथ ही कारोबारी शिबू भागने को भी गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति को जेल भेज दिया गया हैं।

रामनवमी व ईद पर्व को लेकर प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

- शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने व निष्पक्ष लोकसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर की अपील

केटी न्यूज/काराकाट

रामनवमी पर्व और ईद पर्व को लेकर क्षेत्रों में विधि व्यवस्था को चुस्त रखने के लिए स्थानीय प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च। साथ ही लोकसभा चुनाव के मदेनजर आदर्श आचार संहिता का पालन को लेकर रविवार को प्रखंड क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान क्षेत्र के अलग-अलग चौक चौराहे पर रुक-रूककर थाना के पुलिस ने मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रति जागरूक भी किया। साथ ही थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी व विधि व्यवस्था प्रभारी राज कुमार सिंह के नेतृत्व में निकली फ्लैग मार्च क्षेत्र के गोड़ारी बाजार से शुरू होकर जमुआ, करूप, जयश्री, काराकाट बाजार सहित आधा दर्जन गांव में स्थित चौक चौराहे से गुजरी तथा जगह-जगह पर फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने व निष्पक्ष लोकसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर लोगों से अपील की गयी। आमजनों से मतदान में बढ-चढ़कर हिस्सा लेने व शांतिपूर्वक मतदान के लिए प्रेरित किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान स्थानीय पुलिस ने वैसे तत्वों को सांकेतिक चेतावनी दी। विधि व्यवस्था प्रभारी राजकुमार सिंह ने कहा की जो पर्व त्योहार सहित चुनाव को लेकर लागू आदर्श आचार संहिता के पालन में किसी भी तरह की गड़बड़ी की मंशा पाले रखते है ऐसे असमाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर प्रखंड क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू है जिसका सभी को पालन करना होगा। थानाध्यक्ष ने फ्लैग मार्च के दौरान पर्व एवं चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की व उत्पाद मचाने वालों पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इस फ्लैग मार्च में थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, विधि व्यवस्था प्रभारी राज कुमार सिंह, पीएसआई रोहित कुमार,112 टीम के एसआई अनिता कुमारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

फ्लैग मार्च निकाल पुलिस ने व्यापारियों और आमजन को सुरक्षा व शांति का दिया भरोसा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च निकालकर सुरक्षा का संदेश दिया। फ्लैग मार्च तहसील से चलकर कस्बा का भ्रमण किया। व्यापारियों और आम जनता को सुरक्षा व शांति का भरोसा दिया। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने कहा कि भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने को लेकर पुलिस बल तत्पर है। श्री कुमार ने कहा कि स्थानीय थाना के एसआई अविनाश कुमार , एएसआई बिपिन कुमार के नेतृत्व में सीआरपीएफ के जवान थाना क्षेत्र के शिवपुर , बरुना व तुरती सहित अन्य गांवों में फ्लैग मार्च किया ।बताया कि पुलिस और सीआरपीएफ के जवान रूट मार्च निकालकर लोगों को सुरक्षा शांति व दायित्व का भरोसा दिला रहे हैं । चुनाव में खलल डालने वाले असामाजिक तत्वों की निगरानी की जा रही है। ऐसे लोगों को प्रतिबंधित कर के भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने कहा कोई मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी हो तो इसकी सूचना तत्काल निर्धारित सरकारी संपर्क नंबरों पर या पुलिस को दें। मौके पर एसआई अविनाश कुमार, एएसआई बिपिन कुमार सहित पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

चैता गायन कार्यक्रम में देर रात तक झूमे श्रोता

केटी न्यूज/ काराकाट

थाना क्षेत्र के चिकसिल पंचायत अंतर्गत कुरूर ग्राम में चैत का आयोजन किया गया। गायक कलाकारों ने ढोलक, तबला, हरमोनियम झाल पर बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोष सिंह, सुनील सिंह, मुन्ना सिंह, मंजेश सिंह, श्रीकांत सिंह, शिकारी सिंह, रामकुमार सिंह,अभय सिंह ,संजय कुमार सिंह, व्यास जयप्रकाश शर्मा, व्यास हरि गोविंद यादव, चर्चित नाल वादक हरेंद्र सिंह ने अपनी कला से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ व्यास ने सुमिरन कंठे सुरवा होख ना सहयिया हो रामा.....से किया। इसके बाद एक से बढ़कर एक चैता गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विनयएकादमी के विनय सिंह शिक्षक डॉ के के सिंह, रोहतास जिला मुखिया संघ अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, पूर्व मुखिया शारदा सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता मन्नू सिंह,भोजपुरी गायक बाबा मुन्ना पांडेय सहित कई लोग उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

अगलगी में घर का सारा सामान जलकर राख

चितबड़ागांव। नगर पंचायत के वार्ड नंबर 4 मालवीय नगर निवासी मुन्ना पांडेय पुत्र स्वर्गीय जयराम पांडेय के मकान में शनिवार की रात शार्टसर्किट से लगी आग में 55 हजार नकदी समेत सोने- चांदी के गहने, खाद्यान्न एवं गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंच पाई। आसपास के लोगों के अथक प्रयास से किसी प्रकार आग पर काबू पाया गया। मुन्ना पांडेय के अनुसार वह गाय बेचकर 55 हजार रूपए घर पर ही रखा था जो जल गया। साथ ही सोने–चांदी के गहने, चारपाई, बिस्तर, कपड़े सब कुछ जलकर राख हो गया।

अज्ञात कारणों से कार में लगी आग

चंदौली। नगर पंचायत स्थित वार्ड नंबर 13 राजीव नगर में शनिवार की रात अज्ञात कारणों से एक कार में आग लग गई। घटना में कार का कुछ हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना को देख आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी वाहन स्वामी को दी। आनन फानन में मौके पर पहुंच कर स्वामी ने किसी तरह पानी डालकर आग कर काबू पाया। साथ ही रविवार को इसकी लिखित तहरीर सदर कोतवाली में देकर न्याय की गुहार लगाई।
वार्ड नंबर 13 राजीव नगर निवासी अशोक केशरी ने कार अपनी पत्नी सरिता केशरी के नाम लिया था। वह अपने घर के बाहर प्रतिदिन कार खड़ी करते थे और उसकी कवर से ढक देते था। शनिवार की देर रात अज्ञात कारणों से उनके कार से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग लग गई। कार से धुआं निकलता देख आस पास के लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी वाहन स्वामी को दी। जानकारी के बाद मौके पर पहुचे वाहन स्वामी ने लोगों की सहायता से आग पर काबू पाया। इसके बाद कोतवाली में लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। इस बाबत सदर कोतवाल गगन राज सिंह ने बताया कि कार में आग की लिखित तहरीर मिली है। आग के कारण की जांच की जा रही है।

संदिग्धों को एनआईए की टीम ने गोमती नगर थाने में किया तलब

- दो दिन की छापेमारी से जिले में मचा हड़कंप
- नक्सल से जुड़े मुखौटा गैंग की तलाश में जुटी राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी
- पांच नक्सली 2023 में हुए थे गिरफ्तार

केटी न्यूज/बलिया

नक्सल से जुड़े मुखौटा गैंग की तलाश में राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) लखनऊ की टीम द्वारा जनपद के विभिन्न गांवों में छापेमारी के बाद पूरे जनपद में हड़कंप की स्थिति है। जिन गांवों में टीम पहुंची वहां के ग्रामीणों ने बताया कि चार-पांच लोग आए थे। उन्होंने पूछताछ कर संबंधित लोगों को नोटिस देकर लखनऊ स्थित गोमती नगर थाने में बुलाया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जिले के मनियर, रसड़ा, पकड़ी व खेजुरी थाना क्षेत्र के संभावित ठिकानों पर एनआईए छापेमारी कर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। साथ ही नोटिस जारी किया। जानकारी के मुताबिक टीम दो दिन शुक्रवार से जिले में मौजूद रही। पूर्वांचल के वाराणसी, प्रयागराज, देवरिया, चंदौली, आजमगढ़ और बलिया समेत कई जिलों में नक्सली नेटवर्क फैला हुआ है। यूपी एटीएस ने बलिया में 16 अगस्त 2023 को हथियारों के साथ गोपनीय बैठक कर रहे पांच नक्सलियों तारा देवी, लल्लू राम, सत्य प्रकाश, राममूरत और विनोद साहनी को गिरफ्तार किया था। जांच में यह सभी हार्ड कोर के नक्सली निकले। एटीएस की जांच में सामने आया था कि सीपीआई नक्सली संगठन की केंद्रीय कमेटी के प्रमोद मिश्रा उर्फ बुढ़ऊ उर्फ बन बिहारी उर्फ डॉक्टर साहब ने पूर्वांचल में एडहॉक कमेटी बनाई थी। संगठन के सचिव बलिया निवासी संतोष वर्मा उर्फ मंतोष के जरिये लगातार पूर्वांचल के कई जिलों में महिलाओं और पुरुषों की भर्ती की जा रही थी। सरकार विरोधी आंदोलन को चुनकर उसको सशस्त्र आंदोलन में बदलने की साजिश रची जा रही थी। एनआईए ने उक्त मुकदमें को टेकओवर कर अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू कर दी। इस बाबत पुलिस विभाग के आला अधिकारी कुछ भी बताने से कतरा रहे हैं। वहीं, जिन गांवों में टीम पहुंची वहां के ग्रामीणों ने बताया कि चार-पांच लोग आए थे। उन्होंने पूछताछ कर नोटिस देकर लखनऊ स्थित गोमती नगर थाने में बुलाया है।

मुख्तार अंसारी के परिजनों से मिले सपा मुखिया अखिलेश यादव

सुप्रीम कोर्ट करे मुख्तार अंसारी मौत मामले की जांच : अखिलेश

- स्वयं मुख्तार अंसारी एवं उनके परिवार के लोग लगातार अपनी जान की सुरक्षा की गुहार लगाते रहे, पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया

केटी न्यूज/ गाजीपुर

बांदा जेल में बंद पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनके पैतृक निवास स्थान मुहम्मदाबाद पहुंचे। जहां पहुंचने के बाद वह उनके परिजनों से मिलकर अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि दी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी एवं उनके परिजनों से मिलने के बाद शहीद इंटर कॉलेज मुहम्मदाबाद के मैदान में मीडिया से बातचीत में कहा कि स्वयं मुख्तार अंसारी एवं उनके परिवार के लोग लगातार अपनी जान की सुरक्षा की गुहार लगाते रहे, लेकिन सरकार ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था की तरफ तनिक भी ध्यान नहीं दिया।

अखिलेश यादव अपने निर्धारित समय पर अपने निजी उड़न खटोले से इंटर कॉलेज मुहम्मदाबाद के मैदान पर उतरे। जहां से वह चार पहिया वाहन के काफिले के साथ मुख्तार अंसारी के पैतृक निवास फाटक में पहुंचकर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी बड़े भाई सांसद अफजाल अंसारी, भतीजे सोहेब उर्फ मन्नू अंसारी सहित अन्य परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की। मुलाकात के दौरान अंसारी परिवार के आवास पर मीडिया कर्मियों एवं सामान्य जनता के लिए पूरी तरह से रोक लगा दी गई थी। अखिलेश यादव की सुरक्षा व्यवस्था में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात की गई थी। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी के सफाई का मन बना चुकी है। मुख्तार अंसारी प्रकरण में उनहोंने ने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को ऐसा कार्य करना चाहिए कि डेमोक्रेसी अर्थात लोकतंत्र बचा रहे। लेकिन यह सरकार उसके विपरीत काम कर रही है। मुख्तार अंसारी की मौत के प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग के सवाल पर कहा कि हमारी मांग सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज द्वारा जांच किए जाने की है। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। मुख्तार अंसारी की फरार पत्नी अफसा अंसारी के हाजिर न होने के सवाल पर अखिलेश यादव चुप्पी साध गए। अंसारी परिवार का दोबारा सपा में लिए जाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति हमेशा वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर की जाती है। इस मौके पर पूर्व मंत्री व विधायक ओमप्रकाश सिंह, नारद राय, घोसी लोकसभा प्रत्याशी राजीव राय , सनातन पांडेय, सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव, मन्नू अंसारी के साथ भारी मात्रा में सपा के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारी फोर्स की तैनाती में मीडिया कर्मियों को भी बैरिकेटिंग से रखा गया दूरः मुहम्मदाबाद में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के पहुंचने पर युसूफपुर बाजार में सांसद आवास फाटक की तरफ जाने वाले सभी रास्ते व गलियों में बैरेकेटिंग करके भारी मात्रा में फोर्स तैनात कर दी गई थी। जिससे कोई भी व्यक्ति सांसद आवास की तरफ नहीं जा सका। आवास के अन्दर जाने वालों की सूची पहले से तैयार थी, उसी व्यक्ति को आधार कार्ड देखकर सुरक्षा कर्मी अंदर जाने दे रहे थे। मीडिया कर्मियों को भी बैरेकेटिंग से बाहर रखा गया। जिससे उन्हें समाचार कवरेज में काफी दिक्कतें आई। कई महत्वपूर्ण सपा नेताओं को भी आवास में जाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पूर्व मंत्री नारद राय को भी पुलिस वालों ने नहीं जाने दिया, तो वे वापस आकर मछली बाजार की गली से फाटक तिराहे तक पैदल गए और अफजाल अंसारी से मोबाइल पर बात की। तब उन्हें अंदर जाने दिया गया। शेख टोला में जिनका घर था, वे अपने घरों में भी नहीं जा सके। पुलिस वालों ने कहा कि अखिलेश यादव के जाने के बाद ही आप अपने घरों में जा सकेंगे। पावर हाउस रोड, फल मंडी व फाटक के इर्द- गिर्द की दुकानें बंद करा दी गई थी। पूरे क्षेत्र को सील कर पैरामिलिट्री व पुलिस के जवान तैनात कर दिए गए थे।

भतीजे को बुआ से हुआ प्यार, परिजनों ने थाने में करा दी शादी

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली में परिवार की रजामंदी के बाद प्रेमी युगल ने थाना परिसर में स्थित मंदिर में ईश्वर को साक्षी मानकर सात फेरे लिए। बैंड बाजा तो नहीं बजा, लेकिन घर वालों व पुलिस की मौजूदगी में शादी की रस्में पूरी करने के बाद दोनों एक साथ चले गए। शिवाला चौकी क्षेत्र के भिसौड़ी गांव के सुरेश पटेल का पुत्र राहुल पटेल मजदूरी का काम करता है। वह अपने घर से दो सौ मीटर दूर रहने वाले अपने ही गांव के ही रिश्ते मे दादा लगने वाले मोती पटेल की बेटी सोनी पटेल एक वर्ष से प्यार करने लगा।जब इसकी जानकारी परिजनों को मिली तो अपने अपने बच्चों पर दबाव बनाने लगें। निरंतर दबाव मिलने पर दोनों प्रेमियों का प्यार परवान चढ़ा और दोनों एकदूजे का बनने के लिए एक सप्ताह पूर्व घर से निकल कर भाग गए। लेकिन लड़का अपने घर पर ही दिखाई देता था। इसपर लड़की की मां ने पुलिस को लिखित नामजद तहरीर दिया।पुलिस लड़के को उसके घर से पकड़ कर थाने ले आई और पूछताछ करने लगी।पूछताछ में लड़के ने ही मुगलसराय थाना क्षेत्र के एक गांव से लड़की को बरामद कराया। थाने में ही पुलिस के सामने करीब दो घंटे तक दोनों पक्षों को क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा समझाया गया। काफी मान मनौव्वल के बाद दोनों के घर वाले राहुल व सोनी की शादी कराने के लिए राजी हुए। इसके बाद थाने में स्थित मंदिर में पुलिस व परिजनों की मौजूदगी में शादी की रस्में कराई गईं। प्रभारी निरीक्षक विजय बहादुर सिंह ने बताया कि लड़की के बरामदगी पर दोनों पक्ष थाने आए थे।

एक नजर

महिला प्रभारी ने चुनाव में जीत के दिए टिप्स

गाजीपुर। भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्य समिति व मंडल अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक जिलाध्यक्ष साधना राय की अध्यक्षता में जिला कार्यालय छावनी लाइन के कांफ्रेंस हॉल में हुई। जिसमें मुख्य अतिथि महिला मोर्चा (लोकसभा प्रभारी) तथा राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य आयुषी श्री माली ने महिला मोर्चा की कार्यकताओं को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विजय लक्ष्य हासिल करने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि आज पुरा विश्व नरेन्द्र मोदी सरकार की सराहना कर रहा है।और विपक्षी अपना अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के विगत दस वर्षों के काम का मूल्यांकन विगत 50-60 वर्षो की अन्य सरकारों पर बहुत भारी है।आज महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से समृद्ध हुई है। बैठक का संचालन महामंत्री माया सिंह ने किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष साधना राय, साक्षी श्रीवास्तव, किरन सिंह, रंभा राय, नीलिमा गांधी, दीपमाला श्रीवास्तव सुनीता सिंह करुणा श्रीवास्तव, निर्मला गुप्ता, रीना सिंह ,सुनीता देवी, सरस्वती पाठक ,रीमा देवी, बबिता, डॉक्टर बृजबाला सोनी, मीनू मौर्या, कंचन गिरि ,गुड्डी पांडेय ,कल्पना सिंह, कुसुम बिन्द ,नीलम तिवारी, गीता यादव, रोली शर्मा, सीता देवी, शकुंतला सिंह, मृदुला पांडेय, मीनू उपाध्याय, आशा प्रजापति व आदि उपस्थित रही।

कुशवाहा समाज के नवनिर्वाचितों ने ली शपथ

बलिया। कुशवाहा छात्रावास परिखरा के प्रांगण में रविवार को कुशवाहा समाज के उत्थान के लिए कुशवाहा सभा का वार्षिकोत्सव व नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह उल्लास के साथ संपन्न हुआ। निर्वाचित पदाधिकारियों व सदस्यों को आयोजित समारोह में पूर्व जिला जज अशोक कुमार सिंह कुशवाहा ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसके साथ ही सभी अतिथियों व नवनिर्वाचित पदाधिकारियों तथा सदस्यों को अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सभी ने कुशवाहा समाज के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के हित के लिये संगठित होकर कार्य करने से ही समाज का विकास संभव है। क्योंकि विभिन्न राजनीति दल ने कुशवाहा समाज को बांट कर अपना हित साध कर कार्य करते हैं। इसलिए कुशवाहा अपनी ताकत को समझ कर एकजुट हो। समाज को लेकर चलेंगे, तभी समाज के मान-सम्मान की रक्षा होगी। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान बुद्ध व सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में कुशवाहा सभा बलिया के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष पूर्व ब्लाक प्रमुख बड़ेलाल मौर्य, उपाध्यक्ष परमिश कुशवाहा,मंत्री राजकुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष अखिलेश वर्मा, आय व्यय निरीक्षक विनोद वर्मा सहित सभी को पद व गोपनीयता कि शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर दीनानाथ वर्मा, साहित्यकार शिवकुमार सिंह कौशिकेय, अधिशासी अभियंता पीयूष मौर्य, प्रधान रामप्रवेश वर्मा, श्रीभगवान वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष विनायक मौर्य, शिवबचन वर्मा, हीरालाल वर्मा, सुनील मौर्य, परमात्मा कुशवाहा, प्रमोद वर्मा,बंटी वर्मा, अनिल वर्मा, रामजी वर्मा, गणेश वर्मा, महेश वर्मा, प्रभात मौर्य इत्यादि मौजूद रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बड़ेलाल मौर्य व संचालन परशुराम वर्मा ने किया। सभी अतिथियों का स्वागत पूर्व जिला अध्यक्ष विनायक मौर्य ने किया।

गेहूं की खड़ी फसल में लगी आग

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के हरदासपुर कला और रामपुर पतारी गांव के पास नजदीक से गुजर रही हाईटेंशन बिजली के तार की चिंगारी से गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लग गई। आग इतना विकराल थी कि लोग आग बुझाने से डर रहे थे। काफी मशक्कत के बाद बिजली की आपूर्ति बंद करने के बाद बाल्टी के पानी की मदद से अन्य फसल को जलने से बचाने में लोग कामयाब रहे। इस आग से लगभग आठ बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। रिंकू सिंह की साढ़े तीन बीघा, रामजन्म राम, हृदय सिंह, बाबू नंदन राम, अजय प्रताप सिंह, बबलू सिंह का लगभग साढ़े पांच बीघा खड़े गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर जबतक काबू पाते आधे दर्जन किसानों की आठ बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। रिंकू सिंह ने कहा कि हाइटेंशन तार हटाने के लिए कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को आवेदन दिया गया लेकिन आज तक बिजली के तार को ना तो हटाया गया ना ही केबलिंग किया गया और आज आग से इतनी बड़ी हादसा हो गई किसानों की सबसे बड़ा नुकसान हो गया। सूचना मिलने पर लेखपाल सौरभ सिंह, कानूनगो, ग्राम प्रधान ने पहुंचकर किसानों के नुकसान की रिपोर्ट तैयार की और मुआवजे का आश्वासन दिया। वहीं प्रशासन की ओर से लगातार आग्रह किया जा रहा है कि हाई टेंशन के आसपास के इलाके में गेंहू की फसलों की कटाई कर ली जाए। ताकि बड़े नुकसान से बचाया जा सके।

सड़क दुर्घटना में दूध कारोबारी बनारसी की मौत

केटी न्यूज/चंदौली

सदर कोतवाली क्षेत्र के बर्थरा गांव निवासी बनारसी यादव 40 वर्ष की दुर्घटना में मौत से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट गया। बतातें है कि बनारसी दूध का कारोबार कर के बच्चों का पालन पोषण करते थे, लेकिन शनिवार की रात की अलीनगर में महेवा गांव के पास सड़क दुर्घटना में मौत की जानकारी हुई तो परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं घटना के बाद बच्चे अनाथ हो गए और पत्नी बेसहार हो गई। जब रविवार को मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस से शव का पोस्टमार्टम होने के बाद शव जब घर पहुंचा तो लोगों की भारी भीड़ लग गई, लेकिन वहीं लोगों का कहना था कि भगवान के आगे किसी की नहीं चलती है।वहीं असमय मौत से परिवार के साथ गांव वाले भी सहम गए। बतातें है कि बनारसी यादव दूध का कारोबार करके किसी प्रकार बच्चों का पालन पोषण करते थे, लेकिन मुगलसराय से घर लौटते समय शनिवार की रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम को भेज कर कार्रवाई में जुट गई। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव को दाहसंस्कार के लिए रविवार को सौंप दिया। जैसे ही शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पुत्र शिवम 12 वर्ष व आर्यन 10 वर्ष व पुत्री अंजली आठ वर्ष के साथ पत्नी सुशीला देवी के करूण रूदन से वहां उपस्थित लोगों की आंखे नम हो गई और लोगों का कहना था कि अब परिवार कौन सहारा बनेंगा। परिवार एकलौता कमाने वाले बनारसी के शव को देख आस पास के साथ रिश्तेदारों का कहना था कि बच्चों और पत्नी का अब कौन सहारा बनेगा।

साढ़े आठ लाख की शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भेजा जेल

केटी न्यूज/ चंदौली

सदर कोतवाली पुलिस स्वाट सर्विलांस टीम ने रविवार को चेकिंग के दौरान मुख्यालय स्थित विकास भवन के समीप नेशनल हाईवे पर हरियाणा से बिहार जा रही पिकअप के साथ शराब तस्करों को धर दबोचा। पुलिस की तलाशी में पिकअप से 92 पेटी अवैध विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद किया। इसकी बाजार में कीमत 8.50 लाख बताई जा रही है। उक्त मामले का खुलासा सदर कोतवाली में सीओ सदर राजेश राय ने किया। इस दौरान सीओ राजेश राय ने बताया कि आगामी चुनाव के मद्देनजर पुलिस टीम विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कोतवाली प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि एक पिकअप मुगलसराय की तरफ से बिहार की तरफ जा रहा है। विकास भवन के पास पुलिस ने घेराबंदी कर दिया और जैसी ही पिकअप आई तो रूकने का इशारा किया तो भागने लगा और पुलिस कुछ दूर पर उसे पकड़ लिया। जिसमें भारी मात्रा में शराब भरा हुआ था। पूछताछ करने पर चालक ने बताया कि पिकअप मे फल लदा है। जब पुलिस ने तलाशी लिया तो उसके अंदर से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब पाया गया। जिसमे दो पेटी इम्पीयर ब्लू की कुल 24 बोतल, 10 पेटी में रॉयल चैलेंज कुल 120 बोतल बैरल सेलेक्ट 80 पेटी 960 बोतल इस प्रकार कुल 92 पेटी से 828 लीटर अवैध शराब बरामद हुआ।

जिला मुख्यालय पर बनेंगे एक-एक युवा बूथ और दिव्यांग बूथ

जिले के सातों विधानसभा में बनाए जाएंगे एक-एक पिंक बूथ

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिले की सात विधानसभाओं में एक-एक पिंक बूथ बनाए जाएंगे। सभी पिंक बूथ पर सजावट होगी और रंगोली बनाई जाएगी। महिला वोटर का फूलों से स्वागत किया जाएगा। इसके अलावा जिला मुख्यालय पर एक-एक मॉडल युवा बूथ और एक-एक दिव्यांग बूथ बनाए जाएंगे। लोकसभा चुनाव में सात विधान सभा क्षेत्रों में एक-एक पिंक बूथ बनाए जाएंगे। इन बूथों पर सिर्फ महिला कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। एक बूथ पर चार महिलाएं मौजूद रहेंगी। जिसमें पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय और तृतीय की तैनाती की जाएगी। पिंक बूथ के माध्यम से महिलाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। बूथ को अच्छे ढंग से सजाया जाएगा। इसके अलावा पिंक बूथ में सभी जरूरी सुविधाएं रहेंगी।

जिले में तीन लोकसभा बलिया, सलेमपुर और घोसी (आंशिक) और सात विधानसभा हैं। यहां मतदान के लिए 1396 मतदान केंद्र और 2606 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। प्रत्येक विधानसभा में बनने वाले पिंक बूथ पर चुनाव कराने का जिम्मा महिलाओं के पास होगा। पिंक मतदेय स्थल पर मतदान कार्मिक से लेकर सुरक्षा कर्मी तक महिलाएं ही होंगी। पोलिंग बूथ पर महिलाएं किसी भी रंग के कपड़े पहन सकती हैं। बूथ पर किसी विवादित रंग का प्रयोग नहीं किया जाएगा। पिंक बूथ पर बच्चों के खेलने के लिए भी जगह बनाई जाएगी। बूथ में सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था होगी। इसके अलावा महिला मतदाता अपने बच्चों को दुग्धपान करा सकें, इसके लिए आंचल केंद्र बनेगा। जिला प्रशासन स्वीप कार्यक्रम के तहत तहसील मुख्यालयों पर बड़ी स्क्रीन की एलईडी लगवाई जाएगी। स्वीप के नोडल व डीआईओएस रमेश सिंह नबताया कि एलईडी स्क्रीन पर लघु फिल्म प्रसारित होगी। इसमें देश की नामचीन हस्तियां, कलाकार व खिलाड़ी आदि लोगों को उनके वोट का महत्व बताएंगे। बीच- बीच में कार्टून फिल्म के माध्यम से कभी मोटू-पतलू तो कभी चाचा चौधरी वोट डालने के फायदे व न डालने के नुकसान बताते हुए सभी मतदाताओं से एक जून को मतदान करने की अपील करेंगे।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप कार्यकर्ताओं ने रखा उपवास

- शरत चंद्र रेड्डी के बयान के आधार पर संजय सिंह को आरोपित बनाया गया जबकि रेड्डी 55 करोड़ चंदा देते है भाजपा को

केटी न्यूज/जौनपुर

आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कि गिरफ्तारी के खिलाफ एक दिवसीय उपवास के लिए 7 अप्रेल को देशव्यापी आह्वान किया गया। जिसके पश्चात पार्टी द्वारा मिले दिशा निर्देश के अनुसार आम आदमी पार्टी जौनपुर के कार्यकर्ता द्वारा जिलाध्यक्ष के अध्यक्षता में जौनपुर के तमाम कार्यकर्ता वाराणसी के शास्त्री घाट पर पहुंच कर मंडलीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

उक्त उपवास कार्यक्रम में आप पार्टी जौनपुर से प्रमुख रूप से शामिल हुए जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्न, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव, काशी प्रांत वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष डॉ दिवाकर मौर्य, जिला सचिव शैलेंद्र यादव, जिला सोशल मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह, जिला कार्यकारी सदस्य के पी गुप्ता, श्यामलाल पटेल, पंचायत प्रकोष्ठ के

जिलाध्यक्ष मनीष सिंह, यूथ विंग प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष मौर्या, नगर अध्यक्ष दक्षिणी विशाल यादव शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम कि सूचना पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दिया। उक्त उपवास कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह ने कहा कि मोदी जी आम आदमी पार्टी के बढ़ते हुए कद से दहशत में हैं , उनको पता हैं कि यहीं पार्टी हैं जो हमारे कुशासन की कलई खोलने का काम करेंगी, जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि शराब घोटाले के आरोपी मंगुट्टा रेड्डी और उनके लड़के राघव रेड्डी के बयान के आधार पर गिरफ्तारी की गयी जबकि रेड्डी के अन्य कई बयान को ईडी ने दबा दिया। इसी प्रकार शरत चंद्र रेड्डी के बयान के आधार पर संजय सिंह जी को आरोपित बनाया गया जबकि शरत चंद्र ने 55 करोड़ का चंदा भाजपा को देता हैं। इसका मतलब शराब घोटाला भाजपा ने किया होगा।काशी प्रांत वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा ने कहा कि आज भाजपा की तानाशाही रवैये से देश मे लोकतांत्रिक व्यवस्था कटघरे में खड़ी हैं, जिसके विरोध में यूपी के प्रभारी व राज्यसभा सांसद सजंय सिंह जी ने निरंतर आवाज बुलंद किया हैं और उसके परिणाम में फर्जी तरीके से शराब घोटाले में फंसाने का कार्य किया । जिला उपाध्यक्ष अमर नाथ यादव ने कहा कि जबतक अरविंद केजरीवाल जी जेल से बाइज्जत बरी नहीं हो जातें तबतक हम आंदोलनरत रहतें हुए भाजपा की कलई खोलने का कार्य करतें रहेंगें। जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम में वह व्यक्तिगत किसी जरूरी कार्य से वाराणसी में आयोजित मंडली कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए लेकिन वह स्वयं जनपद में रहकर ही दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नाम पर उनके समर्थन के लिए एक दिवसीय उपवास रखे ।

एक नजर

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, करीब 25 बीघा गेहूं की खड़ी फसल हुई जलकर खाक

मऊ। जनपद के कोपागंज विकास खण्ड के रईसा-कसारा गांव के सिवान में रविवार को अचानक बिजली के तार की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे रईसा-कसारा गांव के लगभग 20-25 किसानों की 25 बीघे गेहूं की तैयार फसल जलकर राख हो गई। आग की देखते ही ग्रामीण दौड़ कर आग बुझाने में लग गए।ग्रामीणों की मदद से घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने के बाद भी रास्ता न होने की वजह से मौके पर नही पहुंच सकी । बताया जाता है कि कोपागंज विकास खंड के रईसा कसारा गेहूं की फसल में रविवार की सुबह में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिससे किसानों की करीब 25 बीघा गेंहू की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने जानकारी देने के घंटों बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी रास्ते न होने पर किसानों के खेतों तक नही पहुंच सकी। ग्रामीणों ने घंटों बाद बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया तब तक किसानों के लगभग 25 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। आग से कसारा व रईसा के किसान जंगबहादुर यादव, चंद्रभान यादव, कृष्ण मुरारी राय, जगदीश राय, आनंद यादव, मुखराम राजभर,हंसनाथ यादव, कैलाश यादव, अवधेष यादव, हरिकिसुन यादव, प्रभुनाथ यादव रामभवन यादव सहित 2 दर्जन किसानों की लगभग 25 बीघे गेंहू की फसल जलकर राख हो गई। सूचना के बाद पहुंचे राजस्व कर्मियों ने क्षति का रिपोर्ट में जुट गई है।

नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मऊ। नेहरू युवा केंद्र मऊ के तत्वाधान में रविवारको 42 कोचिंग क्लासेस पर मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण जिला युवा आधिकारी राशि मिश्रा ने किया। उन्होंने उपस्थित छात्राओं से कहा कि हर नागरिक का परम कर्तव्य होता है की अपने मताधिकार का प्रयोग कर-के लोकतंत्र को मजबूत करें। इसी क्रम में सोनी थापा बालिका इंटर कॉलेज की सहायक अध्यापिका रिचा त्रिपाठी ने अपने उदबोधन में कहा कि राष्ट्र की गरिमा को बनाए रखने के लिए कर्मठ एवं इमानदार प्रतिनिधि का चुनाव करके राष्ट्र के गौरव को बढ़ाएं। एक व्यक्ति का मत राष्ट्र को मजबूत करने में बहुत बड़ा ही सहयोग हो सकता है। मतदाता भाषण प्रतियोगिता में अंजलि कश्यप, राजनी त्रिपाठी, खुशी वर्मा, खुशी मददेशिया, आकाश कुमार, सर्वजीत सिंह, ओंमकार सिंह ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए भाषण के माध्यम से जागरूक किया। युवा कल्याण विभाग के रंजन यादव सर्वेश और नेहरू युवा केंद्र के नरेंद्र तिवारी, अभिषेक, योगेश, वंदना, सोनम मौर्य, प्रियंका, श्यामसुंदर, रजनीश आदि ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अर्जुन प्रजापति ने किया।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के इटकोहिया में पेड़ से टकराई कार, एक की मौत, दो घायल

आजमगढ़। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के इटकोहिया मोड़ पर बीती रात कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई तो वहीं कार में सवार दो अन्य घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजवा दिया। निजामाबाद थाना क्षेत्र के खुटहना गांव निवासी संतोष यादव (34) अपने भाई विशाल (23) व भांजा आकाश (06) के साथ अपनी कार से रायबरेली गए थे। कार संतोष यादव चला रहे थे। बीती रात संतोष, भाई व भांजे के साथ वापस लौट रहा था। रात लगभग 10 बजे कार फूलपुर कोतवाली के इटकोहिया मोड़ के पास ही पहुंची थी कि अचानक से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार संतोष, विशाल व आकाश घायल हो गए। सूचना पर पहुंची फूलपुर कोतवाली पुलिस ने सभी घायलों को कार से बाहर निकाल कर इलाज के लिए जिला अस्पताल के लिए रवाना किया। रास्ते में ही संतोष ने दम तोड़ दिया। विशाल व आकाश को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खबरें फटाफट

ग्राहक बनकर व्यापारी को लगाई ढाई लाख की चपत

आजमगढ़। साप्ताहिक बंदी के दिन दुकान खोल कर व्यापार करना निजामाबाद कस्बा निवासी सराफा व्यापारी को मंहगा पड़ गया। दुकान पर ग्राहक बनकर आए ठग ने जेवर पसंद करने के बहाने लगभग ढाई लाख कीमत के आभूषणों पर हाथ साफ कर फरार हो गया। शनिवार को दिन में हुई यह घटना कस्बे में चर्चा का विषय बनी हुई है। दूसरे दिन शिकायत मिलने के बाद पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है। निजामाबाद कस्बे में स्थित देवकी सेठ चौराहे पर संजय सेठ की अपने ही मकान के भूतल पर सराफा की दुकान है। शनिवार बाजार बंदी का दिन है फिर भी दुकान खुली हुई थी। उनकी दुकान पर दिन में लगभग डेढ़ बजे एक व्यक्ति ग्राहक बनकर आया और व्यापारी से जेवर दिखाने को कहा। दुकानदार ग्राहक को जेवर दिखा रहे थे लेकिन वह अपने मनपसंद जेवर न होने का बहाना बना रहा था। ग्राहक की बोलचाल भी स्थानीय नहीं लग रही थी फिर भी दुकानदार समझ नहीं पाया। देखते-देखते लगभग ढाई लाख का जेवर लेकर वह फरार हो गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की छानबीन करते हुए दुकान एवं आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

अपने ही बेटे को जंजीरों में जकड़ने को मजबूर हुआ पिता

आजमगढ़। जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मिजार्पुर विकास खंड के मुड़ियार गांव के एक व्यक्ति को उसके ही परिवार के लोगों द्वारा जंजीरों से बांधकर घर में रखा गया था। इसकी जानकारी होने पर एसडीएम निजामाबाद मौके पर पहुंचे और उक्त युवक को जंजीरों से आजाद कराया। शनिवार को एसडीएम निजामाबाद संत रंजन क्षेत्र भ्रमण पर निकले थे। तभी किसी ने सूचना दी कि मुड़ियार गांव के एक व्यक्ति को उसके ही परिवार के लोगों ने ही जंजीरों में जकड़ कर रखा है। इस सूचना पर एसडीएम उक्त व्यक्ति के घर धमक पड़े। जहां उन्होंने आलम नामक व्यक्ति को जंजीरों में जकड़ा हुआ पाया। मौके पर मौजूद उसके पिता बदरुद्दीन ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार है, जिसके कारण उसे जंजीरों में बांधकर रखना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान में किया चुनाव प्रचार, विपक्ष दल पर बरसे

गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी कांग्रेस: सीएम योगी

- सीएम योगी ने भरतपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के लिए कमल खिलाने का किया आह्वान
- कांग्रेस के पास न नीति, न नेता और न साफ नीयत: योगी

केटी न्यूज/भरतपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान की चुनावी सभा में पहुंचे। उनकी पहली जनसभा भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में हुई। यहां से पूर्व सांसद व भाजपा उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के लिए वोट की अपील करते हुए कहा कि 'अबकी बार 400 पार' के लिए रामस्वरूप कोली को भी विजयी बनाना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की मोदी व राज्य की भजनलाल सरकार के कार्यों के बलबूते भाजपा के पक्ष में मतदान का आग्रह किया तो वहीं कांग्रेस को निशाने पर रखा। साथ ही राजस्थान विधानसभा चुनाव में कमल खिलाने के लिए राजस्थान वासियों के प्रति आभार जताया।

किसी की हिम्मत नहीं कि वह भारत के खिलाफ बोलने की ताकत जुटा सके: सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया की ताकत बन रहा है। दो-तीन दिन पहले इंग्लैंड के प्रतिष्ठित समाचार 'द गार्डियन' की रिपोर्ट ने बताया कि पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत अपराधी मारे गए हैं। हो सकता है कि यह भारत ने मारे हो, लेकिन कल तक आतंकवादियों को प्रश्रय देने वालों में से किसी की भी हिम्मत नहीं कि वे भारत के खिलाफ बोलने की ताकत कर सकें। नया भारत अपने नागरिकों व सीमाओं की सुरक्षा करना जानता है। राजस्थान के लोग सिर्फ राम-राम सा ही नहीं करते, बल्कि सीमा की सुरक्षा में सेंध लगाने आतंकियों का राम नाम सत्य भी कर देते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के नागरिकों का दुनिया में सम्मान बढ़ा है। नक्सलवाद, उग्रवाद व आतंकवाद समाप्त हुआ है। 1952 में देश को धारा-370 का दंश देने वाली कांग्रेस के इस फैसले को पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने सदैव के लिए समाप्त कर दिया।

कांग्रेस के लोग बेदम रहते थे और घुटने टेकते थे

कांग्रेस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि एक तरफ 'द गार्डियन' की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान के अंदर चुन-चुन कर आतंकवादी मारे जा रहे हैं। दुनिया आतंकवाद को बोझ मान रही है। समाज के बोझ यह आतंकवादी मारे ही जाने चाहिए। यह सबकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं, लेकिन कांग्रेस अपनी सरकार के समय गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी। वहीं मोदी जी चार साल से 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन की सुविधा दे रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं को ध्यान में रखकर अपनी योजनाओं को बनाते हुए कार्य कर रही है।

उत्तर प्रदेश में अब कर्फ्यू और दंगा नहीं होता

सीएम ने कहा कि यूपी में अब कर्फ्यू व दंगा नहीं होता पर धूम-धड़ाके से कांवड़ यात्रा निकलती है। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि वह अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन कर रही है। आपके एक-एक वोट ने देश की तकदीर व तस्वीर को बदला है। आपने वोट का सही इस्तेमाल नहीं किया होता तो न सुरक्षा मिलती, न विकास होता और न ही अयोध्या में राम मंदिर बन पाता। कांग्रेस खुद में समस्या है। आपका एक वोट अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी करता है तो देश की सीमाओं की भी सुरक्षा करता है। कोरोना में जब कांग्रेस व अन्य दलों के लोग गायब थे तो मोदी जी अपनी परवाह किए बिना एक-एक राज्यों में जाकर कार्य कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस की नीयत साफ नहीं थी। इनके समय नीति, नेता और निर्णय नहीं हो पाते थे पर मोदी सरकार में बनी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। सीएम ने केंद्र सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाते हुए कहा कि भाजपा शासन में सुरक्षा, समृद्धि और विकास हो रहा है। कांग्रेस के लोग अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं करा पाते। वे कहते थे कि राम हुए ही नहीं। भरतपुर के बगल में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन है, फिर भी कांग्रेस के लोग कहते हैं कि कृष्ण हुए ही नहीं। कांग्रेसी हमारे इतिहास व विरासत पर प्रश्न खड़ा करते हैं। सीएम ने आह्वान किया कि विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान चाहिए। विकसित राजस्थान के लिए विकसित भरतपुर और विकसित भरतपुर के लिए रामस्वरूप कोली चाहिए। राजस्थान की ओर से 25 मनकों की जो माला जानी है, उसमें भरतपुर की भी एक माला होनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा राजस्थान की प्रभारी विजया रहाटकर, भरतपुर की सांसद रंजीता कोली, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, संभाग प्रभारी हेमराज मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज भारद्वाज, विधायक श्रीबहादुर सिंह, महंत बलवीर दास आदि मौजूद रहे।

मदद व गिरफ्तारी को लेकर शव का अंतिम संस्कार से इंकार

- भूमि विवाद में हमले में जख्मी वृद्ध की उपचार के दौरान लखनऊ में हुई थी मौत
- एसडीएम व सीओ के हस्तक्षेप से मामला निपटा

केटी न्यूज/आजमगढ़

भूमि विवाद को लेकर पट्टीदारों द्वारा किए गए जानलेवा हमले में घायल बुजुर्ग की मौत के बाद शव को घर पर लाए परिजनों ने मृतक के परिवार वालों की मदद एवं आरोपितों की गिरफ्तारी समेत अन्य मांगों को लेकर मृतक का अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया। मामले की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे एसडीएम व सीओ सगड़ी के समझाने पर किसी तरह परिवार के लोग शव का दाह संस्कार करने को राजी हुए। बिलरियागंज थाना क्षेत्र के बरौली दिवाकरपट्टी गांव में बीते 26 मार्च को विवादित भूमि पर कब्जा करने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल 65 वर्षीय श्रीकांत शुक्ल की लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिवार के लोग शव को लेकर घर पहुंचे और सुबह शव का अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया।

मृतक पक्ष आरोपितों की गिरफ्तारी व मृतक आश्रितों को सरकारी मदद के साथ अन्य मांगों को पूरा करने की जिद पर अड़ गए। इसकी जानकारी होने पर एसडीएम सगड़ी नरेंद्र कुमार गंगवार व सीओ शुभम मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। गांव के लोगों के साथ ही मृतक के परिजन मुआवजा, विवादित भूमि का अविलंब निस्तारण कराए जाने, क्रास केस खत्म करने के साथ ही आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। खबर पाकर एसडीएम सगड़ी नरेंद्र कुमार गंगवार व सीओ सगड़ी शुभम पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। एसडीएम व सीओ से समझाने के आश्वासन पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। तनाव को देखते हुए गांव में रौनापार व बिलरियागंज थाने की पुलिस तैनात कर दी गई है।

मृतक के पुत्र की तहरीर पर दर्ज की गई रिपोर्ट

बिलरियागंज थानाध्यक्ष ने बताया कि मृत श्रीकांत के पुत्र सूर्यकांत की तहरीर पर हमलावर पक्ष के सत्यनरायन पांडेय, विजय नरायन पांडेय, संतोष पांडेय, दीपक पांडेय, शिवनारायन पांडेय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपित विजय नारायन पांडेय को शुक्रवार की सुबह भीमवर नहर पुलिया के समीप से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस की छापेमारी जारी है।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में नेट मीटर लगाने में लापरवाही

मुफ्त बिजली योजना, लापरवाही से दूर हो रहे उपभोक्ता

- सोलर पैनल लगने के छह माह बाद तक सक्रिय नहीं नेट मीटर

केटी न्यूज/प्रयागराज

सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कनेक्शनधारियों को विशेष छूट दे रही है तो दूसरी ओर बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से सरकारी योजना पर पानी फिर रहा है। कनेक्शनधारी अफसरों की अनदेखी की वजह से जहां परेशान हैं वहीं अब वह इस वह हर घर मुफ्त बिजली योजना से दूरी बना रहे हैं। अल्लापुर की रहने वाली राजरानी द्विवेदी ने मई 2023 में

अपने घर में पांच किलोवॉट का सौर ऊर्जा पैनल लगवाया था। इसके लिए उन्होंने तीन लाख 25 हजार खर्च किए थे। उन्होंने विभाग में नेट मीटरिंग के लिए आवेदन किया। जिसपर उनके घर में नेट मीटर लगाया गया लेकिन इसको सक्रिय नहीं किया गया। जिसकी वजह से कनेक्शनधारी के यहां हर रोज बनने वाला औसतन 15-20 यूनिट का बिजली बिजली विभाग के ग्रिड में पहुंचता रहा। करीब छह महीना गुजरने के बाद जब कनेक्शनधारी ने अपने सौर ऊर्जा पैनल से विभाग को दिए गए बिजली का हिसाब मांगा तो अफसरों ने हाथ उठा लिया। राजरानी को बताया गया कि नेट मीटर सक्रिय नहीं होने की वजह से उनके द्वारा बिजली विभाग के ग्रिड को दी गई बिजली की गणना नहीं हो पाई। अब कनेक्शनधारी महिला खुद के साथ न्याय के लिए दर-दर भटक रही है। वह विभागीय लापरवाही की शिकायत अभी तक प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के साथ बिजली विभाग के लखनऊ शक्ति भवन, पूर्वांचल डिस्कॉम और स्थानीय अधिकारियों के यहां फरियाद कर ली लेकिन उन्हें उनके बिजली के एवज में किसी प्रकार की राहत नहीं दी गई। इस संबंध में अधीक्षण अभियंता भरत सिंह ने बताया कि नेट मीटरिंग का पूरा काम एक्सईएन और एसडीओ देख रहे हैं। मामले की जांच होगी। विभाग उचित कार्रवाई करेगा।

19 हजार फाइल, नहीं हो रहा समय से मुकदमों का निपटारा

प्रयागराज। बिजली विभाग की ओर से दर्ज विद्युत चोरी के मामलों में करीब 19 हजार फाइलें निस्तारण के अभाव में धूल फांक रही हैं। इन मामलों में न तो चार्जशीट दाखिल किया जा रहा है और न ही उनका निपटारा हो पा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी करने वाले लोगों के इंतजार में समय से मुकदमों में चार्जशीट दाखिल नहीं किया जा रहा है। जिसकी वजह से इनका समय से निपटारा नहीं हो पा रहा है।

सुभाषितम्

भय ही पतन और पाप का मुख्य कारण है।

- स्वामी विवेकानंद

रामनवमी और राम के भरोसे भाजपा का चुनाव प्रचार

भारतीय जनता पार्टी चुनाव के पहले सुनयोजित रणनीति बनाकर काम करती है। 9 अप्रैल से रामनवमी के व्रत शुरू होने जा रहे हैं। हिंदू आस्था का यह सबसे बड़ा त्यौहार है। 17-18 अप्रैल को रामनवमी के साथ इस व्रत की समाप्ति होगी। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुष्कर मेले की सभा में इस आशय के संकेत दे दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रामनवमी आ रही है। लोग जमकर रामनवमी का त्यौहार मनाएंगे। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और नेता रामनवमी के इस धार्मिक त्योहार का धार्मिक ध्रुवीकरण करने के पूरे प्रयास करेंगे। रामनवमी के पर्व पर 9 दिन भाजपा के नेता और कार्यकर्ता बड़े-बड़े आयोजन में सहभागिता करेंगे। राम के नाम पर पूरा चुनाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रचार के जरिए होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को एक तरह से चुनौती देते हुए कहा, कि वह जितना विरोध कर सकते हैं, कर लें। विपक्षी दल यदि रामनवमी और राम का विरोध करेंगे, तो धार्मिक धुव्रीकरण में भाजपा की लोकसभा चुनाव में लॉटरी खुलना तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान के बाद स्पष्ट हो गया है कि भाजपा चुनाव के समय जो धार्मिक ध्रुवीकरण का वातावरण बनाती है, वैसे ही इस लोकसभा चुनाव में रामनवमी के त्योहार और भगवान राम के नाम पर चुनाव लड़ने की तैयारी भाजपा ने कर ली है। चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी दल इसका विरोध भी नहीं कर पाएंगे। जो भी राम के नाम पर भाजपा का विरोध करेगा, वह हिंदुत्व का विरोध करने वाला समझा जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह भी कह दिया, कांग्रेस के उन नेताओं ने जिन्होंने भगवान राम का नाम लिया। उन्हें 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। इससे भाजपा की रणनीति का स्पष्ट रूप से खुलासा हो गया है। लोकसभा का चुनाव धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर ही लड़ा जाएगा। रामनवमी का त्योहार पूरे देश में आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। रामनवमी के प्रति आस्था, 9 दिन तक व्रत शक्ति की उपासना के लिए हिन्दू, धार्मिक विधि विधान से पूजा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने भगवान राम और रामनवमी के त्यौहार को ध्यान में रखकर चुनाव प्रचार रणनीति तैयार की गई है। धार्मिक ध्रुवीकरण का सबसे ज्यादा फायदा भाजपा को ही मिलता है। धार्मिक आस्थाओं के सहारे भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने में सफल होती है। 80-20 का खेल भी धार्मिक धुर्वीकरण के कारण संभव होता है। केंद्रीय चुनाव आयोग की जिस तरह की भूमिका वर्तमान में है। उसमें बीजेपी के लिए कोई चुनौती नहीं है। चुनौती सही मायने में विपक्षी दलों के लिए है। लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं। आदर्श आचार संहिता लागू है। इसी दौरान झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में बंद हैं। ईडी और सीबीआई के अधिकारी अभी भी विपक्षी दलों के नेताओं और लोकसभा के जो उम्मीदवार हैं, उनके ऊपर छापे डाल रहे हैं। उन्हें ईड़ी और सीबीआई के दफ्तर में बुलाया जा रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी दलों ने मिलकर चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए मांग की थी, जब तक लोकसभा के चुनाव नहीं हो जाते हैं तब तक आयकर, सीबीआई और ईडी की कार्रवाई रोकी जाये। चुनाव आयोग ने शिकायत पर अभी तक चुप्पी साध रखी है। शिकायत के बाद छापे जरूर तेज हो गए हैं। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से भाजपा द्वारा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की जो भी शिकायतें कीं। उस पर चुनाव आयोग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से स्पष्ट है, इस बार का लोकसभा चुनाव राम के नाम पर ही लड़ा जाने वाला है। महंगाई बेरोजगारी एवं अन्य मुद्दे नेपथ्य में चले जाएंगे। इस लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का भी कोई मतलब नहीं होगा। केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर वर्तमान में विपक्षी दलों द्वारा सबसे ज्यादा निशाना साधा जा रहा है।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

परिवारवाद की जकड़न में फंसता लोकतंत्र

-सुरेश हिंदुस्तानी

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोवेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय

परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं। लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गयी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी, लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गयी इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्य प्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आप पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैरङ्ख यहां परिवारवाद की बात हो रही है। आप नेता संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं। यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इसके बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने तो परिवारवाद की सीमाएं लांघ दी। उन्होंने बिना किसी राजनीतिक योग्यता के एक अनपढ़ पत्नी को राज्य की कमान सौंप दी। अब अपने पुत्रों को गद्दी सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। इसी प्रकार दो बार लोकसभा के चुनावों में पराजय की स्थिति में पहुंचाने वाले विरासती पृष्ठभूमि के नेता राहुल गांधी भी परिवारवाद के ही परिचायक हैं। आज भले ही कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बदल दिया हो, लेकिन वे भी राहुल गांधी को किनारे करने का साहस नहीं दिखा सकते। कांग्रेस के बारे में यही कहा जा सकता है कि वह आज भी परिवारवाद के चंगुल से बाहर नहीं निकल सकी है। कुछ ऐसा ही नहीं, बल्कि इससे ज्यादा परिवारवाद समाजवादी पार्टी में दीखता है। मुलायम सिंह के परिवार के लगभग सभी सदस्य या तो विधायक और सांसद हैं या रह चुके हैं। बसपा नेता मायावती ने भी अपनी विरासत अपने परिवार को ही सौंपी है। ऐसे उदाहरण से क्षेत्रीय दल भी अछूते नहीं हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट पर परिवार कायम है तो नेशनल कान्फ्रेंस पर शेख अब्दुल्लाह का परिवार ही कमान संभाल रहा है। खास बात यह है कि यह सभी परिवार पार्टी के मुखिया ने ही स्थापित किए हैं। लोकतंत्र में ऐसी राजनीति नहीं होना चाहिए। भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरुरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। इसलिए अब इस बात की बहुत आवश्यकता है कि भारत में लोकतंत्र को कायम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नहीं तो जनता के शासन के स्थान पर परिवारवाद के सहारे तानाशाही का राजनीति कायम हो जाएगा। एफआई आर की कॉपी मिली इतिहासरकार के अनुसार, एक सिख निहंत थे बाबा फकीर सिंह जी जो अपने साथियों के साथ राम मंदिर चले आते हैं और दीवारों पर राम-राम लिख देते हैं. इसके अलावा, एक प्लेटफॉर्म बना देते हैं जिसके ऊपर भगवान राम की मूर्ति वहां रख दी जाती है. इस बात की पुष्टि होती है 28 नवंबर 1958 में जब वहां के थानेदार को निहंत सिखों ने एफआईआर कराई थी अतः आजादी दिलाने में भगवान श्री राम के आदर्शो का बड़ा महत्व है तभी तो भारत माता के वीर सपूतो ने हॅसते हॅसते भारत माता की रक्षा हेतु फांसी पर चढ़ गए या शहीद हो गए..।

भगवान राम के आदर्शों से मिली आजादी

-संजय गोस्वामी

राम केवल एक नाम भर नहीं, बल्कि वे जन-जन के कंठहार हैं, मन-प्राण हैं, जीवन-आधार हैं उनसे भारत अर्थ पाता है वे भारत के प्रतिरूप हैं और भारत उनको उनमें कोटि-कोटि जन जीवन की सार्थकता पाता है भारत का कोटि-कोटि जन उनकी आँखों से जग-जीवन को देखता है उनके दृष्टिकोण से जीवन के संदर्भो-परिप्रेक्ष्यों-स्थितियों-परिस्थितियों-घटनाओं-प्रतिघटनाओं का मूल्यांकन-विश्लेषण करता है भारत से राम और राम से भारत को विलग करने के भले कितने कुचक्र-कलंक रचे जाएँ, भले कितनी *वामी-विदेशी* चालें चली जायँ, यह संभव होता नहीं दिखतो क्योंकि राम भारत की आत्मा हैं राम भारत के पर्याय हैं राम निर्विकल्प हैं, उनका कोई विकल्प नहींजिस प्रकार आत्मा को शरीर से और शरीर को आत्मा से कोई विलग नहीं कर सकता, उसी प्रकार राम को भारत से विलग नहीं किया जा सकतो राम के सुख में भारत के जन-जन का सुख आश्रय पाता है, उनके दुःख में भारत का कोटि-कोटि जन आँसुओं के सागर में डूबने लगता है और वे अश्रु-धार भी ऐसे परम-पुनीत हैं कि तन-मन को निर्मल बना जाते हैं। अश्रुओं की उस निर्मल-अविरल धारा में न कोई ईर्ष्या शेष रहती है, न कोई अहंकार, न कोई लोभ, न कोई मोह, न कोई अपना, न कोई परायो कैसा अद्भुत है यह चरित-काव्य, जिसे बार-बार सुनकर भी और सुनने की चाह बची रहती है और रसपान की प्यास बनी की बनी रह जाती है! कैसा अद्भुत है यह नाम जिसके स्मरण मात्र से नयन-चकोर उस मुख-चंद्र की ओर टकटकी लगाए एकटक निहारते रह जाते हैं! उस चरित्र को अभिनीत

करने वाले, उस चरित्र को जीने वाले, लिखने वाले हमारी आत्यंतिक श्रद्धा के सर्वोच्च केंद्रबिंदु बन जाते हैं उसके सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान में हमें अपना सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान प्रतीत होने लगता है उसकी प्रसन्नता में सारा जग हँसता प्रतीत होता है और उसके विषाद में सारा जग रोतो लाख प्रयासों के पश्चात भी जिसे परिजनों की दृष्टि से ओझल न रख पाया जाय, भावनाओं के उस तीव्रतम वेग का अनुमान आप सहज ही लगा सकते हैं और कई बार मेरा मन यह भी पूछता है कि जिन करोड़ों लोगों के मन-प्राण जिस एक चरित्र में प्रतिपल लीन हों, भाव-विभोर हों, आखिर किन षड्यंत्रों के अंतर्गत उसे काल्पनिक बताने का घनघोर अपराध किया जाता रहा है ?जब किसी धर्म में उड़ने वाला घोड़ा कब्र से निकलकर इशू जिन्दा आ सकते हैं तो भगवान राम क्यों नहीं आखिर हमारा भारत क्यों पीछे रहा इसका एक मात्र कारण है भगवान श्री राम को काल्पनिक समझना भगवान श्री राम नहीं आप काल्पनिक हो क्योंकि आपका संसार से विदाई तय है और जो भी प्राप्त कर रहे हैं उसका नष्ट होना तय है सही मायने में भगवान श्री राम ने ही आजादी दिलाई अगर ऐसा नहीं तो श्री गुरु गोविन्द सिंह जी भगवान राम के रूप में क्यों दर्शन दिए ऐ आपको पाठ्यक्रम में पढ़ाई नहीं गई लेकिन गुरु ग्रन्थ साहिब में इसका उल्लेख है तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी पटना से कुछ सौ मीटर से अधिक दूरी पर गुरुद्वारा गोबिंद घाट नहीं है। गुरुद्वारा उस स्थान को चिह्नित करता है जहां भगवान राम के भक्त पंडित शिव दत्त को गोबिंद राय के रूप में भगवान के दिव्य दर्शन मिले, जब पंडित शिव दत्त हर रोज कंगन घाट में नित्य गंगा किनारे भगवान श्री राम का पूजन करता था और भगवान श्री राम पर चढ़ाया हुआ प्रसाद गायब हो जाता था जिसे 5साल के गुरु गोविन्द पंडित जी के ध्यान लगाते ही सब लेकर सभी को बाँट देते थे लेकिन एक दिन पंडित शिवदत्त ने देख लिया और पूछा बेटा क्यों ऐसा करते हो तब श्री गुरु गोविन्द राय ने उत्तर दिया आप तो चढ़ाते हो मैं उसे दीन दुःखी को बाँट देता हुँ फिर उन्हें आँखे बन्द करने को कहा और पुनः खोलने को कहा तो बालक को पंडित शिवदत्त ने भगवान श्री राम के रूप में देखा और तब से पंडित शिवदत्त उनका भक्त बन गए गुरूजी ने मुगल शासक औरंगजेब को धुल चटाई उसमें उनका पूरा परिवार ही शहीद हो गया लेकिन वो बिलकुल नहीं घबराये और मुगलों को उखाड़ फेंका औरंगजेब को पत्र भी भिजवाया की तुम्हारे क्रूरता का अंत हो गया जिसे जफरनामा के नाम से जाना जाता है इस तरह उनके आदशों से प्रेरणा लेकर कई वीर जवानों ने अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकी इससे गांधीजी गुरूजी पर नाराज हो गए और भड़ी सभा में भाषण दिया कि गुरूजी शांति की बात करते करते तलवार उठा लिए तब गंगा राम ने उन्हें समझाया कि गीता में भी युद्ध हुआ और फिर गांधी जी ने माफी मांगी गुरु गोबिंद सिंह ने बाल्य अवस्था से ही बड़े आदर्शवादी थे जिन्होंने अपने पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी को औरंगजेब को सबक सिखाने के लिए आगे आने को प्रेरित किया और शहीद हो गए जिसे हिन्दू की रक्षा हेतु हिन्द की चादर भी कहा जाता है जब औरंगजेब का क्रूरता इतना बढ़ गया कि कश्मीरी पंडितो को जबरदस्ती धर्म परिवर्तन को कहा तब गुरुतेग बहादुर ने औरंगजेब को ललकारा और औरंगजेब ने धर्म परिवर्तन को कहा नहीं किया उसने सर धर से अलग कर दिया जो दिल्ली में शीश गंज गुरूद्वारे के नाम से प्रशिद्ध है बड़े होकर सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह बने। इसे उस घटना की याद में कंगन घाट के रूप में भी जाना जाता है जिसमें गोबिंद राय ने एक संदेश के रूप में नदी में एक सोने की चूड़ी फेंकी थी कि व्यक्ति को भौतिक चीजों से दूर रहना चाहिए। हो सकता है तो भगवान श्री राम क्यों नहीं पीढ़ी-दर-पीढ़ी जिस चरित्र को हम एक गौरवशाली थाती के रूप में सहेजते-संभालते आए हों, उसके प्रति शंका के बीज वर्तमान पीढ़ी के हृदय में किसने और क्यों बोए? जो एक चरित्र करोड़ों-करोड़ों लोगों के जीवन का आधार हो, जिनमें करोड़ों-करोड़ों लोगों की साँसें बसी हों, जिनसे कोटि-कोटि जन प्रेरणा पाते हों, जिन्होंने हर काल और हर युग के लोगों को संघर्ष और सहनशीलता की प्रेरणा दी हो, जिनके जीवन-संघर्षों के सामने कोटि-कोटि जन को.इसलिए महात्मा गांधी ने भी अंत समय में भगवान राम का नाम लिया था और श्री राम जन्म भूमि की अदालती लड़ाई में सबूत के तौर पर निहंग सिखों द्वारा राम मंदिर पर चढाई जो बाबरी मस्जिद के रूप में जबरन मस्जिद बना दी गई थी।

इस्लामोफोबिया से मुकाबिल संयुक्त राष्ट्र संघः एक प्रशंसनीय पहल

-राम पुनियानी

कुछ सालों पहले संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर पाकिस्तान ने यह मांग की थी कि वर्ष के किसी एक दिन को ह्यह्यइस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवसह्नह्न घोषित किया जाए। उस समय कई देशों, जिनमें भारत भी शमिल था, ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि फोबिया अर्थात उनके प्रति डर के भाव से कई अन्य धर्म भी पीड़ित हैं। प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों की संख्या कम थी और संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंततः 15 मार्च को इस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित कर दिया। दुर्भाग्यवश, पिछले महीने इस दिवस पर कोई चर्चा नहीं हुई। इस साल संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए इस मांग को स्वीकार कर लिया है कि इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए विशिष्ट कार्यवाहियाँ करने हेतु विशेष दूत की नियुक्ति की जाए। यह मांग भी पाकिस्तान की ओर से आई थी और इसका भी भारत सहित कई देशों ने विरोध किया था। प्रस्ताव पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी.एस. तिरूमूर्ति ने कहा कि पूरी दुनिया में धर्मों और पंथों पर लक्षित हिंसा में बढ़ोत्तरी हो रही है। कुछ लोग यहूदियों के विरूद्ध हैं, कुछ ईसाईयों के और कुछ हिन्दुओं के। बौद्धों और सिक्खों के विरूद्ध हिंसा की घटनाएँ भी होती रहती हैं। उनके अनुसार दुनिया में बहुत से फोबिया हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम सब जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 16 नवम्बर को सहिष्णुता दिवस घोषित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि बहुवाद इन सभी फोबिया से निपटने के लिए पर्याप्त है और इस्लामोफोबिया के लिए अलग से कुछ किये जाने की जरूरत नहीं है। सच क्या है? क्या अन्य धर्मों के खिलाफ फोबिया और इस्लामोफोबिया में कोई फर्क है? यह सही है कि दुनिया में अलग-अलग धर्मों के लोगों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फोबिया का सामना पड़ा है। अगर हम दक्षिण एशिया की बात करें तो श्रीलंका में तमिल हिन्दुओं और पाकिस्तान में सभी हिन्दुओं को प्रताड़ित किया गया। इसी तरह श्रीलंका, पाकिस्तान और भारत में भी ईसाई प्रताड़ित किये गये हैं। वर्तमान में तालिबान-शासित अफगानिस्तान में रह रहे सिक्ख हर तरह से परेशान हैं। तो फिर इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ा? यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे। वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया की आमद से बहुत पहले से भारत में मुसलमान अलग-अलग तरह से डराये-धमकाये जाते थे और उनके प्रति नफरत का भाव भी था। इसके कारण उनके खिलाफ हिंसा भी होती थी। तो ऐसे में इस्लामोफोबिया अलग क्यों है और वह अन्य धार्मिक फोबिया से अधिक डरावना क्यों है? केवल धर्म के आधार पर किसी को प्रताड़ित करने या किसी से नफरत करने का पागलपन बहुत पुराना है। इस मामले में इस्लामोफोबिया एक नई परिघटना है। इस्लामोफोबिया का उदय सन 1970 के दशक में हुआ जब अमरीका के पिट्ठू रजा शाह पहलवी को अपदस्थ कर अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान में सत्ता संभाली। उस समय अमरीका ने यह कहा कि इस्लाम दुनिया के लिए नया खतरा है।

आज का राशिफल

- **मेष** दिन परेशानियों वाला हो सकता है। आज आपको कुछ ऐसे काम न चाहते हुए भी करने पड़ सकते हैं।
- **तुला** आर्थिक मामलों में लाभ होगा और किसी परीक्षा प्रतियोगिता के लिए आज का दिन शुभ है।
- **वृषभ** कुछ नुकसान हो सकता है और किसी बीमारी पर आपका फालतू धन खर्च हो सकता है।
- **वृश्चिक** आज कोई काम आपके मन के विपरीत होने से आपके मन में निराशा का भाव होगा।
- **मिथुन** आज आपको आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा।
- **धनु** परेशानी और समस्या वाला हो सकता है। किसी छोटे मोटे काम के बिगड़ जाने से आश्चर्यचकित हैं।
- **कर्क** आपको कोई आज किसी भी मामले में जरूरी फैसला लेने से बचने की जरूरत है।
- **मकर** दिन के आरंभ में ही काम की जानकारी मिलेगी। अच्छे गणमान्यजनों से मेल मुलाकात होगी।
- **सिंह** इन दिनों आपका सबकुछ ठीक चल रहा है। कारोबार की स्थिति में भी सुधार होगा।
- **कुंभ** कार्य सफलता का दिन है। इस समय आपको अपने कार्यक्षेत्र में हर मामले में सफलता प्राप्त होगी।
- **कन्या** करियर के मामले में शानदार होगा। आसपास के लोगों के साथ आपका वक्त अच्छा बीतेगा।
- **मीन** आज का दिन समस्याओं से भरा होगा। आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं चलेगा।

विशेष

जीएसटी ने बनाया नया रिकॉर्ड

जीएसटी को कांग्रेस के नेता गब्बर सिंह टैक्स कहते हैं। साल दर साल जीएसटी से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का राजस्व बढ़ता जा रहा है। इसमें सबसे ज्यादा फायदा केंद्र सरकार को हो रहा है। राज्यों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्ष 2023-24 के मार्च माह में जीएसटी से सरकार को 1.78 लाख करोड रुपए की कमाई हुई है। बाहर से जो सामान आयात होता है। उसका जीएसटी और सेज के जरिए जो टैक्स की वसूली होती है। उसका फायदा केवल केंद्र सरकार को होता है। जैसे-जैसे महंगाई बढ़ रही है। जनता की जेब से टैक्स के रूप में एक बड़ी राशि जाने लगी है। इस गब्बर सिंह टैक्स का सबसे बड़ा खामियाजा गरीबों को भुगतना पड़ रहा है। गरीबों की आबादी देश मे सबसे ज्यादा है। आबादी के हिसाब से वही सबसे ज्यादा खर्च भी करते हैं। टैक्स भी गरीब सबसे ज्यादा दे रहे हैं।

बदलना होगा संविधान

भारतीय जनता पार्टी ने इस बार 400 पार का नारा दिया है। भाजपा के एक सांसद,एक वकील साहब और कई नेताओं ने बार-बार कहा है। संसद में राज्यसभा और लोकसभा में भाजपा को इस बार दो तिहाई बहुमत की शक्ति चाहिए है। ताकि संविधान में संशोधन किया जा सके। बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की जगह हिंदू राष्ट्र का संविधान तैयार करने के लिए, संविधान में संशोधन करना है। उसके लिए दो तिहाई बहुमत जरूरी है। यह चुनावी मुद्दा बन गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1774: माधवराव द्वितीय का जन्म हुआ. उन्हें दस दिन की उम्र में ही गद्दी पर बैठा दिया गया. 1834: समाज सुधारक राममोहन ाय इंग्लैंड पहुंचे. 1857: आजादी की लड़ाई की पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडे को फासी दी गई. 1894: प्रसिद्ध उपन्यासकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का निधन. 1939 :इतावली सेना के हमले के बाद अल्बानिया नरेश जोग देश छोड़कर भाग गये. 1958: परमाणु परीक्षण प्रतिबंध के लिए अमरोका ने आपसी निरीक्षण का प्रस्ताव किया. 1964: अल्जोरियायी विद्रोहियों के साथ शांतिपूर्ण समझौते का फ्रांसीसी जनमत सग्रह ने समर्थन किया. 1986: लेबनान के राष्ट्रपति अमीन गमाएल की पार्टी के कार्यालय के पास कार बम विस्फोट में दस व्यक्ति मरे और 110 घायल हुए. 1996: माधवराव सिंधिया, जी. के. मूपनार नटवर व चिदंबरम सहित अनेक नेता कांग्रेस पार्टी से निष्कासित.

दैनिक पंचांग

08 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.06 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.46 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.44 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	11.58 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	14.14 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.26 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.37 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.51 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.07 बजे से
राहुकाल		मकर	01.13 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	02.59 बजे से
		मीन	04.32 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 99 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अमावस्या 23.51 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 10.13 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 18.14 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 13.36 बजे तदनन्तर नाग 23.51 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871943 **जूलियन दिन** 2460408.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** रमजान **तारीख** 28 **विशेष** चैत्र अमावस्या, सोमवती अमावस, सूर्य ग्रहण, विश्व बंजारा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सीएम योगी के गुरु से लेकर सुचेता कृपलानी तक....

6 दिग्गज जिनका पूर्वांचल की राजनीति में रहा दबदबा

इनमें से कुछ लोग पूर्वांचल की माटी से थे तो कुछ बाहरी। इसके बावजूद इन सबकी खूबियां लगभग एक समान रहीं। अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गज रहे इन लोगों की कभी पूर्वांचल की राजनीति में धाक रही, लेकिन इन्हें भी हार-जीत का खट्टा-मीठा स्वाद मिलता रहा। अब भी चुनावों के समय उन्हें याद किया जाता है। यहां जानते हैं इन शख्सियतों के बारे में...

(विवेक मिश्रा)

दिल्ली की सत्ता के लिए यूपी की राजनीति काफी मायने रखती है। अगर बात यूपी की राजनीति में पूर्वांचल की न की जाए तो बात अधूरी है। पूर्वांचल में कई दिग्गज अपनी किस्मत अजमा चुके हैं। कइयों ने तो कई दशक तक राज किया। वहीं, कई को हार का मुंह भी देखना पड़ा। पूर्वांचल से चुनावी भाग्य आजमाने वालों में ऐसे भी राजनेता रहे, जिनका कद उनकी पार्टी या दल से नहीं, बल्कि व्यक्तित्व से रहा। इनमें से कुछ लोग पूर्वांचल की माटी से थे तो कुछ बाहरी। इसके बावजूद इन सबकी खूबियां लगभग एक समान रहीं। अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गज रहे इन लोगों की कभी पूर्वांचल की राजनीति में धाक रही, लेकिन इन्हें भी हार-जीत का खट्टा-मीठा स्वाद मिलता रहा। अब भी चुनावों के समय उन्हें याद किया जाता है। यहां जानते हैं इन शख्सियतों के बारे में...

सुचेता कृपलानी

देश के किसी सूबे की पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी 1952 में गोरखपुर मध्य से संसदीय चुनाव लड़ी थीं, उन्हें जीत का स्वाद नहीं मिला। उन्होंने वर्ष 1962 में मेहदावल से विधानसभा चुनाव में भाग्य आजमाया और सफलता हासिल की। उन्होंने संघ के चंद्रशेखर सिंह को शिकस्त दी। 2 अक्टूबर 1963 से 13 मार्च 1967 तक वह सूबे की सीएम भी रहीं। अंबाला के एक बंगाली परिवार में 25 जून 1908 में पैदा हुई सुचेता मजूमदार सर्वश्रेष्ठ संस्थान इंद्रप्रस्थ और स्टीफेंस से पढ़ी-लिखीं। बीएचयू में अध्यापन कर चुकी सुचेता प्रसिद्ध समाजशास्त्री आचार्य जेबी कृपालानी से शादी करने के बाद स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हुईं। भारत छोड़ो आंदोलन में अरुणा आसफ अली और ऊषा मेहता जैसी भूमिका निभाने वाली सुचेता देश के विभाजन के बाद नोआखाली के दंगों में गांधीजी के साथ रहीं। वह संविधान सभा की सदस्य भी रहीं।

मोहसिना किदवई

14 साल (1960-1974) तक एमएलए एवं दो बार सांसद रह चुकीं मोहसिना किदवई का नाम कभी कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार होता था। केंद्र और प्रदेश में वह कई मंत्रालयों का प्रभार संभाल चुकी हैं। राष्ट्रपति चुनाव में अपनी किस्मत आजमा चुकी किदवई पर पूर्वांचल के लोगों ने भरोसा नहीं किया। मूलतः बाराबंकी की रहने वाली मोहसिना किदवई ने वर्ष 1991 और 1996 में डुमरियागंज संसदीय सीट से बतौर कांग्रेस उम्मीदवार भाग्य आजमाया, लेकिन उन्हें 1991 में दूसरे नंबर पर संतोष करना पड़ा। वर्ष 1996 में तो आलम यह रहा कि उनकी जमानत तक नहीं बच सकी।

बाबू गेंदा सिंह

अविभाजित देवरिया जिले में गन्ना किसानों के संघर्ष के प्रतीक रहे बाबू गेंदा सिंह के नाम पर स्थापित वर्तमान कुशीनगर जिले के सेवरही गन्ना शोध संस्थान उनके सम्मान का प्रतीक है। वह एक अच्छे राजनेता के रूप में ख्यातिलब्ध रहे। वर्ष 1957 और 1962 में उन्होंने पडरौना पूर्व, वर्ष 1967 और 1969 में सेवरही विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। कांग्रेस के टिकट पर वे 1971 में पडरौना से सांसद चुने गए, लेकिन 1977 के चुनावों में जनता पार्टी की आंधी में धड़ाम हो गए।

महंत दिग्विजयनाथ

महंत दिग्विजयनाथ 1894 में राजस्थान के (उदयपुर) के कंकरवा ठिकाना (मेवाड़) में एक वीरमदेवोत राणावत राजपूत परिवार में हुआ था। 5 साल की अल्पायु में गोरखपुर आए और यहीं के होकर रह गए। वे जिस गांधीजी से प्रभावित होकर अपनी पढ़ाई छोड़कर 1920 में असहयोग आंदोलन में शामिल हुए थे, वे ही उनकी हत्या में आरोपी हुए थे। यह बात अलग है कि सबूतों के अभाव में बरी हो गए। नाम तो उनका चौरीचौरा कांड में भी आया, लेकिन इस कांड में भी उनकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी। वर्ष 1931 में कांग्रेस तुष्टीकरण की नीति पर चलते हुए कम्यूनल अवॉर्ड से सहमत हो गई, तब उनका कांग्रेस से मोहभंग हो गया और वे हिंदू महासभा में शामिल हो गए। वर्ष 1962, 1967, 1969 में उन्होंने विधानसभा क्षेत्र मानीराम का प्रतिनिधित्व किया। 1967 में गोरखपुर संसदीय सीट से सांसद बने। वैशाख पूर्णिमा 1894 में पैदा हुए दिग्विजयनाथ ने 28 सितंबर 1969 में चिरसमाधि ली। हिंदुत्व के मुखर पैरोकार होने के साथ वे बहुसंख्यक समाज में व्याप्त जाति-पाति के कट्टर विरोधी थे।

प्रो. शिब्बनलाल सक्सेना

आजादी के बाद जब कांग्रेस की पूरे देश में आंधी चल रही थी, तब प्रो. शिब्बन लाल सक्सेना ने 1952, 1955 और 1957 के चुनावों में न केवल समाजवाद का परचम लहराया, बल्कि जीत की हैट्रिक भी बनाई। हालांकि, 1962 और 1964 के चुनाव में वह कांग्रेस के महादेव प्रसाद से हार गए। 1971 में समाजवाद का चोला उतारकर कांग्रेसी बने और संसद में पहुंचे, लेकिन इमरजेंसी के कारण उनका कांग्रेस से मतभेद हुआ और 1977 के चुनाव में उन्होंने जनता पार्टी का दामन थाम कर जीत हासिल की।

महंत अवैद्यनाथ

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ ने 1969, 1989, 1991 और 1996 में गोरखपुर सदर संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपने जीवन काल के अंतिम लोकसभा चुनाव को छोड़कर शेष सभी चुनाव हिंदू महासभा के टिकट पर लड़ा। उन्होंने 1962, 1967, 1969, 1974 और 1977 में मानीराम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 1984 में शुरू हुई रामजन्म भूमि मुक्ति यज्ञ समिति के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ समिति के अध्यक्ष एवं रामजन्म भूमि न्यास समिति के सदस्य रहे महंत अवेद्यनाथ योग और दर्शन के मर्मज्ञ थे।गोरखपुर की राजनीति को दशकों तक कवर करने वाले गिरीश पांडेय बताते हैं कि बहुसंख्यक समाज को जोड़ने के लिए सहभोजों के क्रम में उन्होंने बनारस में संतों के साथ डोमराजा के घर भोजन किया। 1998 में अपने उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ को अपनी राजनीतिक विरासत सौंपने के बाद एक तरह से उन्होंने राजनीति से संन्यास ही ले लिया।

पहले बदायूं, मुरादाबाद, नोएडा के बाद अब मेरठ में सपा ने प्रत्याशी बदल दिया है। सपा ने मेरठ से घोषित कैंडिडेट भानु प्रताप सिंह का टिकट काट कर विधायक अतुल प्रधान को टिकट थमा दिया है। इस घटनाक्रम को लेकर बीजेपी ने तंज कसा दिया है। उधर, राजनीतिक जानकार भी इस तरह से उम्मीदवार बदलने की राजनीति को खराब बता रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार नवल कांत सिन्हा ने बताया कि इस तरह प्रत्याशी बदलने से मैसेज खराब जाता है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसको लेकर अखिलेश यादव ने एक नई रणनीति बनाई है। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव पहले प्रत्याशी की घोषणा करते हैं और उसके बाद उस प्रत्याशी के फायदे और नुकसान देखने के बाद प्रत्याशी बदल देते हैं।

रणनीति यां कन्फ्यूजन

अखिलेश बार-बार क्यों बदल रहे प्रत्याशी?

(अभय सिंह राठौड़)

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी पार्टियां उम्मीदवारों की घोषणा कर रही हैं। इसी बीच,इंडिया गठबंधन की सहयोगी समाजवादी पार्टी में टिकटों को लेकर घमासान मचा हुआ है। सपा अभी तक सभी सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पाई है, लेकिन उससे पहले ही प्रत्याशी बदलने से सपा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पहले बदायूं, मुरादाबाद, नोएडा के बाद अब मेरठ में सपा ने प्रत्याशी बदल दिया है। सपा ने मेरठ से घोषित कैंडिडेट भानु प्रताप सिंह का टिकट काट कर विधायक अतुल प्रधान को टिकट थमा दिया है। इस घटनाक्रम को लेकर बीजेपी ने तंज कसा दिया है। उधर, राजनीतिक जानकार भी इस तरह से उम्मीदवार बदलने की राजनीति को खराब बता रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार नवल कांत सिन्हा ने बताया कि इस तरह प्रत्याशी बदलने से मैसेज खराब जाता है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसको लेकर अखिलेश यादव ने एक नई रणनीति बनाई है। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव पहले प्रत्याशी की घोषणा करते हैं और उसके बाद उस प्रत्याशी के फायदे और नुकसान देखने के बाद प्रत्याशी बदल देते हैं। नवल कांत सिन्हा ने बताया कि अखिलेश यादव अपनी इस रणनीति के तहत बीजेपी को कन्फ्यूजन में रखना चाहते हैं, ताकि भाजपा अपनी रणनीति में कंफ्यूज रहे और चुनाव अखिलेश यादव की रणनीति के हिसाब से हो।

अखिलेश की इस रणनीति का कोई फायदा नहीं

वरिष्ठ पत्रकार ने आगे कहा कि अखिलेश की इस रणनीति से कोई फायदा नजर नहीं आ रहा है, क्योंकि असमंजस की स्थिति कभी भी फायदेमंद नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आपस में मिलकर चुनाव लड़ने की एक तैयारी होती है, लेकिन इस रणनीति से आपस के ही लोगों को भिड़ाने का काम हो रहा है, जोकि नुकसानदेह हो सकता है। इससे चुनाव लड़ने वाले में उम्मीदवार में भी असमंजस बना रहता है कि हम चुनाव लड़ेंगे या नहीं।

नेताजी से कमजोर लीडर हैं अखिलेश यादव

नवल कांत सिन्हा ने कहा कि हर पार्टी में एक सीट पर कई दावेदार होते हैं, उन दावेदारों को पार्टी के बड़े लीडर समझाने का काम करते हैं, लेकिन टिकट मिलने के बाद टिकट कट जाने से नाराजगी बढ़ जाती है। इससे विरोध होने से पार्टी का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि इससे साफ कहा जा सकता है कि अखिलेश यादव उस लेवल पर मैनेज नहीं कर पा रहे हैं, जिस लेवल पर नेताजी मुलायम सिंह यादव करते थे। नेताजी को मालूम था कि किसको कैसे मनाना है। इस रणनीति में अखिलेश यादव नेताजी से कमजोर हैं।

यह सपा की हताशा दिखाती है: भाजपा प्रवक्ता

उधर, बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि समाजवादी पार्टी में इस समय टिकटों की अदला-बदली को लेकर एक अलग ही खेल चल रहा है। अखिलेश यादव जिसका टिकट घोषित करते हैं, दो दिन बाद उस सीट पर प्रत्याशी बदल देते हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि यह बदलाव अखिलेश यादव की हताशा है, घबराहट है या इसके पीछे कोई सोची समझी नई रणनीति है। ये अखिलेश यादव बेहतर जान सकते हैं, क्योंकि सपा उनके बाप यानी पिता (मुलायम सिंह यादव) की जो ठहरी है, इसीलिए किसी से पूछना भी नहीं है। न ही परामर्श करना है, बस जो मन में आए वो निर्णय ले लेना है, लेकिन ये निर्णय समाजवादी पार्टी को संसोधित पार्टी बना रही है और समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाकर रखेंगे। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र भी कमजोर होगा और समाजवादी पार्टी भी कमजोर होगी।

म.प्र.सियासी चक्रव्यूह में उलझे रिश्ते !

परिवार के सदस्य हों या फिर कार्यकर्ता सभी अपने-अपने नेता को जिताने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन एमपी में कुछ ऐसे भी उम्मीदवार हैं जिनके सामने धर्मसंकट है।

म.प्र.अशोकनगर- लोकसभा चुनाव के लिए सभी पार्टी के उम्मीदवार जमकर प्रचार कर रहे हैं। परिवार के सदस्य हों या फिर कार्यकर्ता सभी अपने-अपने नेता को जिताने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन एमपी में कुछ ऐसे भी उम्मीदवार हैं जिनके सामने धर्मसंकट है। गुना लोकसभा सीट से बीजेपी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को टिकट दिया है वहीं, कांग्रेस ने यादव कार्ड खेलते हुए राव यादवेन्द्र सिंह को मैदान में उतारा है। राव यादवेन्द्र सिंह बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। हालांकि राव यादवेन्द्र सिंह छोटे भाई और मां ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए प्रचार कर रहे हैं।

बड़ा बेटा कांग्रेस से उम्मीदवार, छोटे बेटे के साथ मां कर रही बीजेपी का प्रचार

गुना-शिवपुरी लोकसभा सीट की राजनीति इन दिनों रिश्तों में उलझी हुई है। कांग्रेस प्रत्याशी राव यादवेंद्र सिंह अभी जिला पंचायत के सदस्य हैं। वहीं, उनके छोटे भाई जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। मां भी बीजेपी की सक्रिय कार्यकर्ता हैं। राव यादवेन्द्र सिंह के उम्मीदवार बनने के बाद अब इस परिवार के समाने धर्म संकट खड़ा हो गया है।

कुछ दिन पहले बीजेपी में शामिल हुए हैं छोटे भाई- मध्य प्रदेश के गुना लोकसभा सीट हॉट सीटों में से एक है। राव यादवेन्द्र सिंह बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। उनके साथ उनकी मां और छोटे भाई ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली थी लेकिन वो कांग्रेस की विचारधारा से साथ आगे नहीं बढ़ सके और हाल ही में यादवेन्द्र सिंह के छोटे भाई अजय प्रताप सिंह और उनकी मां पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बाई साहब यादव बीजेपी में शामिल हो गईं। अब यह दोनों ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए प्रचार कर रही हैं। अजय प्रताप सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। दोनों भाई मां के साथ एक ही घर में रहते हैं लेकिन राजनीतिक पार्टियां अलग होने के कारण एक दूसरे का समर्थन नहीं कर रहे हैं।

अजय बोले विचारधारा अलग-अलग है- अजय प्रताप सिंह के बड़े भाई यादवेन्द्र सिंह भले ही कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में है लेकिन अजय बीजेपी के लिए वोट मांग रहे हैं। ईसागढ़ में आयोजित यादव समाज के सम्मेलन में उन्होंने मंच से बीजेपी के पक्ष में वोट देने की अपील की है।

संगठन की भी नजर- पारिवारिक स्थिति को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के संगठन ने निगरानी शुरू कर दी है। बीजेपी लोकसभा चुनाव में भीतरघात की आशंका को देखते हुए अलर्ट मोड पर आ गई है।

भिण्डी में समेकित नाषीजीन प्रबन्धन

बाजार मूल्य काफी कम हो जाता है।

प्रमुख नाषीजीन

पूर्ण फुदका– इसके अर्भक हल्के हरे रंग के पंख रहित एवं अनोखे ढ़ंग से तिरछा चलते है। इनके प्रकोप से प्रभावित पत्तियां पीली होकर अन्दर की ओर मुड़ जाती है। अत्याधिक प्रकोप की अवस्था में पत्तियां ईट के रंग की तरह लाल होकर सिकुड़ जाती है।

प्ररोह एवं फल बेधक

इस कीट की सुंडीयां कलियों, फुलों एवं पौधों की कोमल टहनियों को हानि पहुँचाती है। फसल की प्रारंभिक अवस्था के दौरान ये पौधों के प्ररोह में छेद कर के उनमें प्रवेष कर जाती है। परिणाम स्वरूप पौधों के प्ररोह मुरझाा कर लटक जाते है। पौधों से फल आने पर ये फलों के अंदर प्रवेष कर आन्तरिक ऊतकों को खा जाते है। जिसके कारण फल दूषित एवं खाने अयोग्य हो जाते है एवं उनका

लाल मकड़ी घुन

इसके अर्भरक काफी छोटे एंव गुलाबी रंग के होते है। जबकि वयस्क अण्डाकार एवं लाल भूरे रंग के होते है। ये पत्तियों की निचली सतह पर लाला बनाकर कोषिकाओं का रस चूसते है जिससे पत्तियां धीरे - धीरे पीली पड़ जाती है तथा अंततः सूख जाती है।

पीला षिरा रोग

पौधों की नई पत्तियों की षिराएं इस रोग के प्राकेप से पीली पड़ जाती है। आरंभ में यह पत्तियों की मुख्य षिराओं को प्रभावित करता है तथा धीरे - धीरे यह संपूर्ण पत्ती में फैल जाता है। फलस्वरूप फल, छोंटे, कम, व पीले बनते है। यह रोग भिण्डी में सफेद मक्खी के द्वारा फैलता है।

मूल ग्रंथि सूत्रकृमि

इनका प्रकोप पौधों की जड़ों पर होता है। जिसके कारण जड़े फुल कर गांठ जैसी बन जाती है। प्रभावित पौधे कमजोर हो जाते है तथा पत्तियां पीली पड़ने लगती है।

समेकित नाषीजीन प्रबन्धन (आई. पी. एम) प्रणाली

- खरीफ में पीला षिरा प्रतिरोधी संकर प्रजातियों का बीज ही बोना चाहिए। जैसे - मखमली, तुलसी, अनुपमा-1 तथा सन-40 प्ररोह एवं फल बेधक कीट के वयस्कों को रोकने हेतु खेत के चारो ओर मक्का एवं ज्वार की फसल लगाएं।
- सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु डेल्टा/पीला चिपकने वाले प्रपन्च लगाएं।
- पक्षियों के बैठने हेतु खेत में 10 स्टेण्ड/एकड़ के अनुसार लगाएं।
- पर्ण फुदका, सफेद मक्खी, घुन एवं चेपा के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोरपिड 17.8 एस.एल कीटनाषी क प्रयोग /150 मि.ली प्रति हेक्टेयर करें। जो कि अन्य रस सूचने वाले किटों के नियंत्रण में भी प्रभावकारी रहता है।
- कीट की निगरानी हेतु फसल में गन्धकपाष 2/एकड़ के अनुसार लगाएं तथा उसमें लगने वाले ल्योर को 15 - 20 दिन के अन्तराल पर बदलते रहे।
- प्ररोह एवं फल बेधक के नियंत्रण हेतु फसल की बुआई के 30 - 35 दिन के पष्चात अण्डा परजीवी ट्राइकोग्रामा चिलोनिस / 1 - 1.5 लाख/है. को खेत में छोड़ें।
- प्ररोह एवं फल बेधक कीट का प्रकोप यदि ई.टी.एल. (5.3? प्रकोप) से अधिक हो जाता है तो सायपरमेथ्रिन 25 ई.सी. का छिड़काव 200 ग्राम ए.आई/है. के अनुसार करें।
- समय -समय पर खेत से पीला षिरा रोग प्रभावित पौधों को उखाड़ कर नष्ट करते रहना चाहिए।
- फल बेधक कीट से प्रभावित फलों को समयानुसार तुड़ाई कर नष्ट करते रहना चाहिए।
- आवश्यक होने पर ही कीटनाषी रसायनों जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एल.एस. / 150 मि.ली./है. सायपरमेथ्रिन 25 ईसी. / 0.05 प्रतिषत अथवा प्रोपेरगाइट 57 ई.सी. / 0.1प्रतिषत इत्यादि का प्रयोग पर्ण फुदका चेपा सफेद मक्खी तथा फल बेधक आदि कीटों के नियंत्रण हेतु करना चाहिए।

प्याज का उत्तम भंडारण

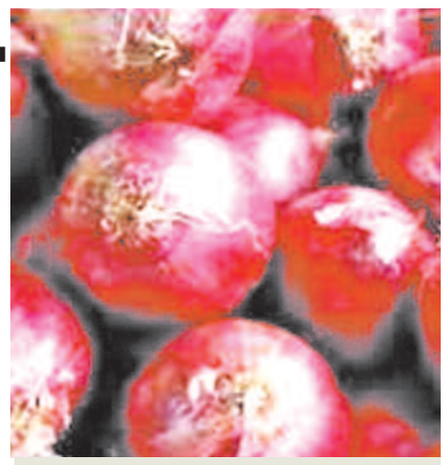

प्याज रबी व खरीफ की महत्वपूर्ण फसल है, प्याज महाराष्ट्र ,कर्नाटक, राजस्थान, गुजरात म.प्र., एवं उ.प्र राज्यों मे मुख्य रूप से उगाई जाती है प्याज मुख्य रूप से म.प्र. मे खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, इंदोर, मंदसोर, नीमच, सिहोर बैतुल आदि जिलो में उगाया जाता है। प्याज मौसम के आधार पर ही पैदा की जाती है किन्तु उपयोग किसी न किसी रूप में पूरे वर्ष तक किया जाता है, अतः इनका भंडारण अति आवष्यक होता है। खुदाई के उपरांत प्याज की गुणवत्ता में वृद्धि नही की जा सकती है। केवल उचित सस्योत्तर प्रबंधन तकनीकी को अपनाकर उसको सुरक्षित रखा जा सकता है।

खुदाई के पष्चात होने वाली हानियों को उचित खुदाई पूर्व प्रक्रियाओं और खुदाई उपरान्त प्रक्रियाओं के द्वारा काफी सीमा तक कम किया जा सकता है।

प्याज के भंडारण बीजोत्पादन के लिए भी आवष्यक है। जिस पर की भावी फसल निर्भर होती है।

भंडारण– प्याज का भंडारण विषेष रूप से निर्मित किए गये भंडारगृह में किया जाता है जिसमें चारों ओर हवा के आवागमन की उचित और पर्याप्त व्यवस्था होती है। भंडारण करने से पूर्व भंडारगृह का निर्जतुकरण करना आवष्यक होता है जिससे कि रोग और कीटो से सुरक्षा की जा सके।

प्याज का भंडारण विभिन्न प्रकार के भंडारगृहों में किया जाता है। भारत के विभिन्न भागों में उपलब्ध प्याज भंडारगृह लगभग एक समान ही होते है। अंतर केवल फर्ष और छत का होता है जो कि स्थानीय स्त्रोतों और परिस्थितियों पर आधारित होता है।

अच्छे भंडारगृह की मुख्य विषेषतायें/सावधानियां

1. भण्डारगृह को ऊंची उठी हुई जगह पर बनाये जिससे भंडारगृह का परिसर शुष्क रहे।
2. भंडारगृह के बीच की ऊंचाई और छत के अधिक ढलान से हवा का आवागमन पूंयाप्त होता है, जिससे भंडारण मे वातावरण शुष्क रहता है।
3. सूर्य के प्रकाष का पर्याप्त मात्रा मे मिलना, जिससे गांठो का रंग कम न होना और सड़न भी कम हो।
4. जहां ठंडी और नम हवा रहती है वहां एक कूपे की चौडाई 75-90 सेमी और शुष्क वातावरण के लिये 90-120 सेमी चौडाई रखते है।
5. छोटे छोटे कूपो मे प्याज का भंडारण लंबी कतारो मे भंडारण करने की अपेक्षा अच्छा रहता है।
6. एक वर्ग मीटर मे लगभग 750 किग्रा. प्याज भंडारित करना चाहिये।
7. यदि स्थान पर्याप्त न हो तो द्विस्तरीय भंडारगृहो का निर्माण करना लाभदायक है।

भंडारण हानि कम करने के लिये- क्या करें, क्या न करे?

1. भंडारण योग्य प्याज की प्रजाति का चयन करें।
2. खाद और उर्वरक संतुलित मात्रा मे प्रयोग करें, अधिक नाइट्रोजन न दें।
3. सिंचन व्यवस्था उचित करे, सूक्ष्म सिंचन प्रणाली को प्राथमिकता दे, खुदाई के 10-15 दिन सिंचाई बंद कर दें।
4. संस्तुति किये गये कीटनाषको का प्रयोग खडी फसल खुदाई से पूर्व ही करें।
5. फसल की खुदाई पूर्ण परिपक्वता पर करें।
6. सुखाना और पकाना प्रक्रियाएं उचित रूप से करें।
7. गर्दन को गांठ के ऊपर 2.5 सेमी छोडकर काटे।
8. उपलब्धता होने पर गामा किरणों द्वारा उपचार करें।
9. छटाई और श्रेणीकरण सावधानीपूर्वक करे।
10. पुलिंदा बनाने, चढाने उतारने और यातायात मे चोट से बचाये।
11. गाठो को उचाई से कठोर धरातल पर न फेके/गिराये।
12. भंडारित प्याज को सूर्य के सीधे प्रकाष तथा बरसात से सुरक्षा दें।
13. वर्षाऋतु मे भंडारित प्याज मे नम वायु न जाने दे, जुट के बोरो का पर्दा लगाकर शुष्क वायु को भंडारगृह मे प्रवेष दे।
14. भंडारगृह का समय-समय पर निरिक्षण करते रहे, यदि कोई हानि दिखाई दे, अविलम्ब छटाई की व्यवस्था करे।
15. प्याज की बोरियो को मानव ऊंचाई तक न उठाये अन्यथा गिर जाने पर प्याज को चोट द्वारा हानि हो सकती है।

इस प्रकार से प्याज फसलों मे उचित सस्योत्तर तकनीक द्वारा भंडारण करके भरपूर लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

जैविक खेती : आज की जरूरत

छत्तीसगढ़ की मृदाओं के गिरते हुए उर्वरता स्तर एवं रसायनिक खादों की बढ़ती हुई कीमतों को ध्यान में रखते हुए अब आवश्यक हो गया है कि प्रकृति प्रदत्त लाभदायी सूक्ष्मजीवों को जो जैविक उर्वरकों अर्थात कल्चर या बायोफर्टिलाइजर्स के नाम से जाने जाते है उपयोग करने की किसानों को सलाह दी जाए। साथ ही साथ किसानों को खेतों में इन सूक्ष्मजीवों की क्रियाशीलता एवं जमीन की चिरस्थाई उपजाउपन को बनायें रखने के लिये गोबर खाद/कम्पोस्ट आदि सेन्द्रिय पदार्थ एवं हरी खादों के उपयोग के लिए हर स्तर पर प्रोत्साहन दिया जाये। अतः विश्व का ध्यान प्राकृतिक सन्तुलन को बनाये रखने के लिए, जैविक खेती पद्धति को अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

जैविक खेती का मूल मंत्र

खेती में रसायनों के प्रभाव को रोकनाः हरित क्रांति के बाद खेती में विभिन्न रसायनों का भरपूर प्रयोग, रसायनिक युक्त कम्पोस्ट, सीवेज के पानी व अवशिष्ट पदार्थो में भारी तत्व कीटनाशी, कृषि रसायनों आदि का उपयोग ज्यादा से ज्यादा होने लगा। इससे उपज में स्थिरता या बहुत कम बढोतरी, कीट-व्याधि का बढता प्रकोप, फसलों के उत्पाद में कीटनाशक के अवशेष, मृदा का स्वास्थ्य का खराब (असंतुलन की स्थिति) होना जैसी समस्या सामने आने लगी। इन समस्याओं को रोकना ही जैविक खेती का मूल-मंत्र है।

जैविक खेती यानि आत्मनिर्भर खेतीः जैविक खेती की परिकल्पना में मुख्यतः उन बातों का समावेश है, जिसमें खेती के सभी आदान जैसे- खाद, पानी, कीटनाशक आदि खेत में ही होता है, जिसे हम व्द.थंतउ पदचनजे प्रबंधन भी कहते है। बाहरी आदानों पर कम से कम खर्च किया जाता है और खेती के सभी साधनों को एवं चक्र के रूप में उपयोग किया जाता है। किसान खेती के लिए बाहरी साधनों की अपेक्षा अपने साधनों पर अधिक निर्भर होता है।

जैव उर्वरक

जैविक खेती में साधारणतः सभी पोषक तत्वों का प्रबंधन प्रक्षेत्र की फसल, जानवरों के मल-मूत्र, घास-फूस से किया जाता है, लेकिन जैव उर्वरक को बाजार से खरीदने की जरूरत होती है। कुछ जैव-उर्वरक जैसे- नील हरित काई प्रक्षेत्र में बनाई जा सकती हैं। कुछ जैव-उर्वरकों के बारे में जानकारी नीचे दी गई हैः-

(अ) राइजोबियम कल्चरः राइजोबियम कल्चर का उपयोग मुख्यतः दलहनी

फसलों में किया जाता है। राइजोबियम कल्चर फसलों के अनुसार अलग-अलग होता है। बाजार में खरीदते समय राइजोबियम कल्चर के पैकेट पर फसल का नाम, बनाने व एक्सपायरी तारीख जरूर पढ लें। साधारणतः एक किलोग्राम बीज के लिये 5 ग्राम कल्चर की जरूरत पड़ती हैं।

अलग-अलग जैव उर्वरकों का उपयोग और उनके द्वारा उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा निम्नानुसार है

जैव उर्वरक तथा उनके द्वारा उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा		
जैव उर्वरक	फसल	पोषक तत्व (कि.ग्रा./हेक्टेयर)
राइजोबियम	दलहनी फसलें	30-180 नत्रजन
एजेटोबैक्टर	अदलहनी फसलें	20-35 नत्रजन
एजोस्पिरिलियम	अदलहनी फसलें	30-35 नत्रजन
एसेटोबैक्टर	गन्ना	70-150 नत्रजन
नील हरित काई	धान	25-30 नत्रजन
पी.एस.बी. कल्चर	सभी फसलें	20-30 नत्रजन
वैम ;टाडद्ध	सभी फसलें	30-50 नत्रजन

(ब) पी.सी.बी. (स्फूर घोलक जीवाणु) कल्चर

मृदाओं में रसायनिक उर्वरकों की मात्रा की दी गई प्रायः 5 से 25 प्रतिशत भाग ही पौधे उपयोग कर पाते हैं। स्फूर उर्वरकों की शेष मात्रा मृदा में अधुलनशील अवस्था में बदलकर पौधों के लिये अनुपयोगी हो जाती है। ऐसी अवस्था में असहजीवी स्फूर घोलक जीवाणु जो पी.एस.बी. (फास्फेट सोल्यूनिलाइजिंग बैक्टेरिया) जैविक उर्वरक के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। यह जीवाणु अघुलनशील स्फूर को घोलकर पौधे को उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। शोध परिणामों से यह देखा गया है कि स्फूर के विभिन्न स्तरों की मृदाओं में पी.एस.बी. के प्रयोग से 3 से 10 प्रतिशत तक फसल की उपज में वृद्धि प्राप्त की जा सकती है।

उपयुक्त है। यह असहजीवी जीवाणु मृदा में स्वतंत्र रूप से निवास करते है हुए वायुमंण्डलीय नत्रजन को इकठ्ठा कर पौधे को देता है। यह कल्चर उन फसलों के लिये विशेष रूप से उपयुक्त है जिन्हे जल भराव वाली या अधिक नमी युक्त भूमि में उगाया जाता है। धान रोपाई पहले एजोस्पाइरिलम और पी.एस.बी. के घोल से रोपा धान की जड़ को निवेशित करना मृदा निवेशन की अपेक्षा बहुत अधिक लाभप्रद है।

(द) नील हरित काई

नील हरित काई एक जैविक उर्वरक है। इस काई के तंतुओं में पाई जाने वाली विशेष आकृति कोशाएं वायुमण्ड़लीय नत्रजन को अपचयित करके लगभग 20-25 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से धान की फसल के लिये प्रकृति द्वारा दिया गया महत्वपूर्ण उपहार हैं। यह काई कल्चर लगभग 50 किलोग्राम यूरिया खाद की बचत करता है। धान की रोपाई अथवा ब्यासी और चलाई के 5-6 दिन बाद 5-8 से.मी. खंडे एवं स्थिर पानी में 10 किग्रा. प्रति हेक्टेयर के हिसाब से नील हरित काई कल्चर का छिड़काव करें। खेत का पानी बहकर बाहर न जाये इसका प्रबंधन कल्चर छिड़काव के पहले कर लें। स्फूर तथा सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता नील हरित काई की वृद्धि में बहुत अधिक सहायक होती है।

(स) एजोस्पाइरिलम

धान, कोदो, कुटकी एवं छोटे बीज वाली फसलों के लिये

संक्षिप्त समाचार

बैंक पर जुर्माना, एनबीएफसी का सर्टिफिकेट रद्द, एक्शन मोड में रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों के उल्लंघन के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर एक करोड़ रुपये और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर 49.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर जुर्माना ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए लगाया गया है। आरबीआई ने एक अन्य बयान में कहा कि एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर जुर्माना गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (रिजर्व बैंक) दिशानिर्देश, 2021 के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। दोनों ही मामलों में जुर्माना विनियामक अनुपालन में कमियों पर लगाया गया है। संबंधित ग्राहकों के साथ किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करने का इरादा नहीं है। इस बीच, आरबीआई ने चार गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) कुंडल्स मोटर फाइनेंस, नित्या फाइनेंस, भाटिया हायर परचेज और जीवनज्योति डिपॉजिट्स एंड एडवांसेज के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) को रद्द कर दिया है। इसके बाद ये कंपनियां अब एनबीएफसी का कारोबार नहीं कर सकती हैं। वहीं, पांच अन्य एनबीएफसी- ग्रोइंग अपॉर्चुनिटी फाइनेंस (इंडिया), इनवेल कमर्शियल, मोहन फाइनेंस, सरस्वती प्रॉपर्टीज और क्विकर मार्केटिंग ने अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र लौटा दिया है। बता दें कि शुक्रवार को आइडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर की कीमत 80.68 रुपये थी। शेयर एक दिन पहले के मुकाबले 1.48 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के शेयर की बात करें तो मामूली बढ़त के साथ 644.35 रुपये पर बंद हुआ।

वधावन से जुड़ी फर्म पर ईडी की कार्रवाई, 36 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

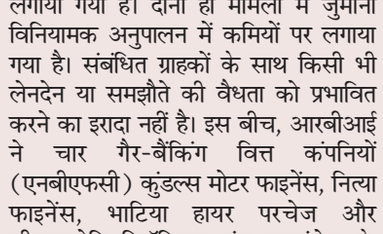

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय के मुंबई जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत एक कुर्की आदेश जारी किया। इस मामले में अब मेसर्स वीणा डेवलपर्स की 36.66 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। यह फर्म एचडीआईएल के प्रमोटर सारंग वधावन और उनके पिता राकेश वधावन से जुड़ी है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को एचडीआईएल के प्रमोटर सारंग वधावन और उनके पिता राकेश वधावन को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी। दोनों पर पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक में धोखाधड़ी का आरोप है। जस्टिस मोदक की पीठ ने ईडी और मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले में एचडीआईएल के प्रमोटरों को जमानत दी है। कोर्ट ने दोनों को पांच-पांच लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने का आदेश दिया था।

अब निकलेगी चीन की हेकड़ी... ड्रैगन को पटखनी देने के लिए भारत ने बनाया प्लान

अगले पांच साल तक सालाना 100 अरब डॉलर एफडीआई टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब दो दशक तक चीन ग्लोबल इकॉनमी का इंजन बना रहा। विदेशी कंपनियों ने वहां खूब निवेश किया। लेकिन आज स्थितियां बदल गई हैं। कोरोना काल में चीन में लगी सख्त पाबंदियों के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई। साथ ही अमेरिका के साथ चल रहे ट्रेड वॉर के कारण चीन ने विदेशी कंपनियों पर कई तरह की सख्ती करना शुरू कर दिया है। इन कारणों से अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अब चीन पर अपनी निर्भरता कम कर रही हैं। इन कंपनियों के लिए भारत पसंदीदा ठिकाना बनता जा रहा है। इस बीच भारत ने भी इस मौके का फायदा उठाने के लिए एक सॉलिड प्लान बनाया है। भारत का लक्ष्य सालाना कम से कम 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करना है

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक डीपीआईआईटी में सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले पांच साल में औसतन कम से कम 100 अरब डॉलर का निवेश हासिल करना है। देश में एफडीआई का ट्रेंड पॉजिटिव है और इसमें लगातार बढ़ोतरी हो

रही है। मार्च 2023 तक पांच वर्षों में देश में सालाना औसतर 70 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। सिंह ने कहा कि चालू वित्त वर्ष का आंकड़ा 100 बिलियन के लक्ष्य के करीब होगा। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी इकॉनमी है। उसका टारगेट उन कंपनियों को अपनी ओर आकर्षित करना है जो चाइना प्लस वन की नीति के तहत चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती हैं।

कौन उठा रहा इन्सेंटिव का फायदा

मोदी सरकार भारत में मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को इन्सेंटिव दे रही है। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल इंक और दक्षिण कोरिया को सैमसंग जैसी कंपनियां इसका फायदा उठाते हुए भारत में विनिर्माण को बढ़ावा रही हैं। इसके बावजूद मैन्यूफैक्चरिंग में एफडीआई में कोई खास इजाफा नहीं हुआ है। सिंह ने कहा कि विकसित देशों में ज्यादा महंगाई और ब्याज के साथ-साथ भू-राजनीतिक संघर्षों और उभरते बाजारों के बारे में जोखिम की धारणा इसकी मुख्य वजह है। उन्होंने कहा कि भारत के पास इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक सामानों या सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ग्रोथ की अपार संभावना है। उन्होंने वादा किया कि सरकार एफडीआई नियमों को आसान बनाने के लिए और कदम उठाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की इकॉनमी में विनिर्माण की हिस्सेदारी को बढ़ाने का वादा किया है। सिंह ने कहा कि सरकार के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन कार्यक्रम से विनिर्माण को बढ़ावा देने और दूरसंचार तथा ऑटो कंपोनेंट्स जैसे उत्पादों के आयात में भारत की निर्भरता को कम करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, हमारे पास कम से कम 39 नए चिकित्सा उपकरण भारत में बनाए जा रहे हैं जो पहले कभी नहीं बनाए गए थे। सिंह ने कहा कि सरकार के पास कई नए औद्योगिक गलियारों की योजना है जिन्हें नई सरकार के पहले 100 दिनों के भीतर मंजूरी मिलने की संभावना है। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रोत्साहन योजना ने इस्पात और कपड़ा उद्योगों में धीमी प्रगति की है, और इसके तहत शामिल वस्तुओं की सूची का विस्तार करने की योजना का हवाला दिया।

चीनी लोगों को वीजा

सिंह ने कहा कि सरकार चीन के विक्रेताओं और पेशेवरों को वीजा देने में देरी की समस्या को दूर करने के लिए भी काम कर रही है। देश में मशीनरी स्थापित करने के लिए इन लोगों की जरूरत है। कंपनियों ने सरकार के समक्ष यह मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा, चीनी तकनीशियनों को अल्पकालिक वीजा प्रदान किया जाना चाहिए, क्योंकि हम अपने स्वयं के विनिर्माण को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अन्य से 5,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने अपनी वृद्धि योजनाओं में तेजी लाने के लिए अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) सहित संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इसने अपना 5,000 करोड़ रुपए का पात्र संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त आय इसकी पूंजी संरचना को और मजबूत करेगी, वित्तीय मजबूती को बढ़ाएगी और कंपनी को अपनी महत्वाकांक्षी वृद्धि योजनाओं में तेजी लाने में सक्षम बनाएगी। कंपनी ने कहा, इस निर्गम में प्रमुख वैश्विक दीर्घकालिक निवेशकों, घरेलू म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों ने बहुत गहरी दिलचस्पी दिखाई। क्यूआईपी में 3.2 गुना से अधिक अभिदान देखा गया। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा, साल 2010 में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी ने पहली बार शेयर बिक्री से धन जुटाया है।

ईवी के लिए बढ़ेगी बैटरी की मांग, 2035 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्तर प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बाजार में अग्रणी है। इससे वह बैटरी की सबसे बड़ी उपभोक्ता बन गई है। हालांकि मारुति सुजूकी इंडिया उसके साथ होड़ में है। अनुमान है कि साल 2035 तक वह बैटरी सेल के मामले में टाटा की मांग बराबरी कर लेगी और इस साल बाद में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की शुरुआत से उसे बढ़ावा मिलेगा।

हल्के वाहनों के लिए भारतीय ईवी बैटरी बाजार के संबंध में एसऐंडपी मोबिलिटी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हालांकि वर्तमान में ईवी बाजार में मारुति की हिस्सेदारी कम है लेकिन बैटरी सेल की इसकी मांग साल 2035 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जो टाटा की 22 प्रतिशत हिस्सेदारी से कुछ ही कम होगी।

उम्मीद है कि तीसरी प्रमुख कंपनी ह्युंडै ईवी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करेगी, विशेष रूप से हल्के वाहनों में, जिसमें

यात्री वाहन और टाटा ऐस जैसे 6 टन से कम वाले वाणिज्यिक वाहन शामिल हैं। हल्के वाहनों के लिए आयातित सेल पर भारत की निर्भरता जारी रहने के आसार हैं। एसऐंडपी ग्लोबल के अनुसार साल 2030 तक हल्के वाहनों को चलाने के लिए आवश्यक कुल बैटरी सेल का केवल 13 प्रतिशत ही घरेलू स्तर पर उत्पादित हो सकेगा। शेष हिस्से के लिए बाहर से आपूर्ति होगी।

एसऐंडपी का यह भी अनुमान है कि साल 2030 तक 23 प्रतिशत बैटरी मॉड्यूल भारत में निर्मित किए जाएंगे, जो मौजूदा नगण्य मात्रा की तुलना में अधिक है। हालांकि बैटरी पैक के मामले में, जिनमें से 50 प्रतिशत का उत्पादन पहले ही भारत में होता है, साल 2030 तक यह आंकड़ा कुछ कम होकर 48 प्रतिशत रह सकता है। एसऐंडपी ने आगाह किया है कि स्थानीयकरण पर जोर देने से ज्यादा विनिर्माता बाहर से आपूर्ति करने के बजाय भारत में ही बैटरी पैक का उत्पादन कर सकते हैं। रिपोर्ट में हल्के वाहनों के लिए भारत की वैश्विक खरीद में बदलाव के बारे में भी बताया गया है। वर्तमान में इस बाजार पर चीन के सेल विनिर्माताओं का वर्चस्व है। उम्मीद है कि जापान और दक्षिण कोरिया के सेल विनिर्माता साल 2027 तक इस बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा लेंगे। खास तौर पर इसलिए कि मारुति और ह्युंडै अपने ई वाहनों को उतारने के लिए अपने देशों से सेल लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

जी के 15 फीसद कर्मचारियों की जा सकती है नौकरी, पुनीत गोयनका ने वर्कफोर्स में रखा कटौती का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट एंड एंटरप्राइजेज लिमिटेड के 15 प्रतिशत कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार लटक रही है। कंपनी ने 5 अप्रैल यानी आज कहा है कि उसके प्रबंध निदेशक और सीईओ पुनीत गोयनका ने कंपनी के लिए टार्गेटेड गोल्स को प्राप्त करने की दिशा में केंद्रित उनकी रणनीतिक योजना के अनुरूप, बोर्ड को एक सुव्यवस्थित और स्ट्रीमलाइन मैनेजमेंट स्ट्रक्चर इंप्लीमेंट करने का प्रस्ताव दिया है।

मीडिया कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि गोयनका के स्ट्रेटजिक अप्रोच के अनुरूप उन्होंने वर्क फोर्स को 15 प्रतिशत तक तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया शुरू की है, जो एक सुव्यवस्थित टीम तक पहुंचने के लिए कंपनी भर में कर्मचारियों की संख्या को कम कर देगी। भविष्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया गया है। गोयनका ने 2 अप्रैल को घोषणा की

थी कि वह कंपनी की विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के आधार पर अपनी सैलरी में 20 प्रतिशत की कटौती कर रहे हैं। जी ने कहा, नई परिचालन संरचना की डिटेल कंपोजिशन की घोषणा बोर्ड से आवश्यक अनुमोदन और मार्गदर्शन प्राप्त करने के बाद की जाएगी।

संगठनात्मक परिवर्तनों पर जी ने कहा कि लेटरल स्ट्रक्चर में एमडी और सीईओ ने बिजनेस में कुछ टीम के सदस्यों को उच्च स्तर की ज़िम्मेदारियां देने के लिए प्रमोशन का भी प्रस्ताव दिया है। प्रस्तावित स्ट्रक्चर की मुख्य बिजनेस यूनिटों में प्रसारण, डिजिटल, फिल्में और संगीत शामिल होंगे।

संगठनात्मक परिवर्तनों पर टिप्पणी करते हुए गोयनका ने कहा, जी की सुव्यवस्थित टीम आगे चलकर हमारे सभी हितधारकों के लिए मूल्य उत्पन्न करने के लिए विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्पादकता के उच्च स्तर को लक्षित करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। इस पर बोर्ड के मार्गदर्शन की प्रतीक्षा है।

इसके अलावा चेयरमैन आर गोपालन ने कहा, बोर्ड ने संगठन और प्रस्तावित कमजोर ढांचे को सुव्यवस्थित करने के लिए एमडी और सीईओ द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर गौर किया है। बोर्ड इस पर चर्चा करने की प्रक्रिया में है। प्रबंधन को प्रदान किए गए रणनीतिक मार्गदर्शन के अनुरूप प्रस्तावित संरचना निश्चित रूप से काम कर रही है।

मालदीव ने आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने के लिए भारत का आभार जताया

माले एजेंसी। भारत के मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने शनिवार को आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला दीर्घकालिक द्विपक्षीय मित्रता और व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया था। भारतीय उच्चायुक्त ने

शुक्रवार को कहा कि मालदीव सरकार के आग्रह पर भारत ने 2024-25 के लिए जरूरी वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा में निर्यात की अनुमति दी है। भारतीय दूतावास ने एक अधिसूचना में कहा कि साल 1981 में इस व्यवस्था के लागू होने के बाद से निर्यात के लिए स्वीकृत मात्रा सबसे अधिक हैं। जमीर ने इस कदम के लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर भारत को धन्यवाद किया। मालदीव के विदेश मंत्री ने लिखा, मैं वर्ष 2024 और 2025 के दौरान मालदीव को भारत से आवश्यक वस्तुओं का आयात करने में सक्षम बनाने के लिए कोटा के नवीनीकरण के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारत सरकार को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने लिखा, यह वास्तव में एक संकेत है, जो हमारे दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्य को और अधिक बढ़ाने की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत अपने पड़ोसियों को सर्वाधिक महत्व देने लिए प्रतिबद्ध है।

महामंदी में फंसा चीन ! लोगों ने खर्च करना किया बंद, अब बचा रहे हैं पाई-पाई

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था की हालत खराब है। चीन में प्रॉपर्टी संकट गहरा गया है। बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। वहीं अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होती जा रही है। चीन की अर्थव्यवस्था में संकट के कई कारण है। चीन में धीमी होती विकास दर, कम विदेशी निवेश, प्रॉपर्टी सेक्टर का संकट, कमजोर निर्यात, कमजोर मुद्रा, युवाओं की लगातार बढ़ रही बेरोजगारी से संकट बढ़ता जा रहा है। चीन की जनता ने अपने कुल निवेश का लगभग 70 फीसदी रियल एस्टेट में कर रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 के आखिर तक यहां के लगभग 78 करोड़ चीनी नागरिक कर्ज में डूब चुके थे और उन पर सारा कर्ज रियल एस्टेट का था। साल 2021 में चीन की सरकार ने बिल्डरों के कर्ज लेने की लिमिट को सीमित कर दिया। इसके बाद कई बिल्डर डिफॉल्टर

हो गए हैं। सैकड़ों प्रोजेक्ट पूरे नहीं हो पा रहे हैं। लोगों ने भी अब किस्ते चुकाना बंद कर दिया है। अब चीन में लोगों ने पैसों को खर्च करना बंद कर दिया है। लोग अब पैसे बचा रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था और सुस्त पड़ गई है। सख्त ज़ीरो कोविड नीति लागू रखने की वजह से चीन की अर्थव्यवस्था बहुत कम वक़्त के लिए संभल सकी थी। अब चीन में प्रॉपर्टी बाज़ार का संकट गहरा होता जा रहा है। चीन में महंगाई दर और विदेशी निवेश घटते जा रहे हैं और स्थानीय सरकारों पर क़र्ज़ का बोझ बढ़ता जा रहा है। हाल के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक़, पिछले तीन महीनों से चीन में बेरोज़गारी की दर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। अब चीन में लोगों ने खर्चा करना बेहद कम कर दिया है। अब चीन में लोग बचत भी कर रहे हैं। चीन के आम लोगों के बीच बचत में इज़ाफ़ा करने की बढ़ती ख्वाहिश से चीन के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से संतुलित कर पाना ज़्यादा मुश्किल होगा।

कर रहे बचत

चीन में अब लोग जमकर बचत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले लोग सुपर मार्केट में खूब खर्च करते थे। अब लोग बचत करने के लिए एक लिस्ट बनाकर जाते हैं और जरूरत के मुताबिक खर्च कर रहे हैं। लोगों ने अब ग़ैर ज़रूरी ख़र्च भी बंद कर दिए हैं। चीन में लोग अब बचत करने के लिए पुराने तरीके अपना रहे हैं। चीन में अब ज्यादातर लेनदेन कैश में होता है। लेकिन अब लोग घर पर कैश जमा कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि इससे उनका खर्च कम होता है। इसका असर भी चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

टेस्ला का प्लांट लगाने के लिए राज्य सरकारों में लगी होड़, तमिलनाडु तथा तेलंगाना भी ज्यादा पीछे नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। इधर दुनिया भर में मशहूर वाहन कंपनी टेस्ला भारत आने की तैयारी कर रही है उधर तमाम राज्य सरकारें उसे अपने यहां कारखाना लगाने के लिए लुभाने में जुट गई हैं। सूत्रों के अनुसार इस होड़ में गुजरात सबसे आगे है और तमिलनाडु तथा तेलंगाना भी ज्यादा पीछे नहीं हैं। महाराष्ट्र ने भी पुणे के औद्योगिक क्षेत्र में कारखाना लगाने के लिए टेस्ला से संपर्क किया है।

यह हलचल उस खबर के बाद हुई है, जिसके मुताबिक अमेरिका से टेस्ला की एक टीम भारत आएगी और 200 से 300 करोड़ डॉलर की लागत से इलेक्ट्रिक वाहन कारखाना लगाने के लिए जमीन का मुआयना करेगी। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, 'टेस्ला को लुभाने में अभी गुजरात सबसे आगे है। वाहन बनाने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे वाले तमिलनाडु और तेलंगाना भी

परियोजना हासिल करने की संभावना तलाश रहे हैं। महाराष्ट्र भी पुणे में संयंत्र के लिए टेस्ला को लुभाने में लगा है।'

टेस्ला से जुड़ी सरगर्मी तीन साल के अंदर कम से कम 50 करोड़ डॉलर का निवेश करने और कारखाना लगाने वाली कंपनियों के लिए ईवी पर आयात कर घटाने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद बढ़ी है। टेस्ला के लिए भारत में आना इसलिए भी अहम है क्योंकि दुनिया भर में उसकी बिक्री घटी है। एलन मस्क की टेस्ला की वैश्विक बिक्री इस साल की पहली तिमाही में 8.5 फीसदी घटकर 3,86,810 वाहन ही रही। चीन में स्थानीय ईवी विनिर्माताओं से मिल रही कड़ी टक्कर के कारण टेस्ला की बिक्री पर असर पड़ा है।

तेलंगाना के उद्योग और आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू पहले ही कह चुके हैं कि राज्य सरकार टेस्ला को लाने का पूरा प्रयास कर रही है और इस बारे में बात भी हो चुकी है। तेलंगाना पिछले साल दिसंबर से ही टेस्ला की निवेश योजना पर काम कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि तेलंगाना टेस्ला से निवेश हासिल करने के लिए शर्तों में रियायत देने के लिए भी तैयार है।

तमिलनाडु सरकार अपने यहां वाहन के ढांचे की मौजूदगी देखते हुए टेस्ला को लाना चाह रही है। घटनाक्रम के जानकार एक सूत्र ने कहा, 'जो भी कंपनी निवेश करना चाहती है, उसकी पहली पसंद तमिलनाडु होती है।' पिछले तीन महीनों में राज्य में वाहन क्षेत्र में दो बड़ा निवेश हुए हैं और उसके बाद टेस्ला से बात की जा रही है। पहला निवेश वियतनाम की ईवी कंपनी विनफास्ट ने किया है, जो वैश्विक बाजार में टेस्ला की प्रतिस्पर्धी है। उसने तूत्तुकुडि में 16,000 करोड़ रुपए के निवेश से ईवी बनाने के कारखाने पर काम शुरू कर दिया है। टाटा मोटर्स और तमिलनाडु सरकार ने भी रानीपेट में 9,000 करोड़ रुपए के निवेश से कारखाना लगाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया के लिए हीरो, RCB में ज़ीरो!

मैक्सवेल की खराब फॉर्म जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्लेन मैक्सवेल अब तक आईपीएल 2024 में पूरी तरह फ्लॉप दिखे हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बैटिंग ऑलराउंडर टीम के लिए बल्ले से फिलहाल कोई कमाल नहीं कर सके हैं. राजस्थान के खिलाफ खेले गए पांचवें मैच में मैक्सवेल सिर्फ 01 रन बनाकर

पवेलियन लौट गए थे. अपनी पाचों में पारियों में मैक्सवेल ने एक बार भी 30 रनों का आंकड़ा पार नहीं किया है. लेकिन 2023 में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में मैक्सवेल ने बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया था.

ऑस्ट्रेलियाई बैटर ने भारत की सरज़मीं पर खेले गए वनडे वर्ल्ड कप 2023 में ताबड़तोड़ बैटिंग का मुज़ाहिरा पेश किया था. लेकिन उन्हीं भारतीय पिचों पर मैक्सवेल आईपीएल में लगातार फ्लॉप हो रहे हैं. विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में मैक्सेवल ने लक्ष्य का पीछा करते हुए दोहरा शतक जड़ ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी और उस मैच में उन्हें पैर में बहुत ज़ोर का क्रैम्प भी हुआ था, जिससे वह ठीक से दोनों पैरों पर खड़े भी नहीं हो पा रहे थे. लेकिन आईपीएल में बिल्कुल फिट होने के बावजूद भी मैक्सवेल कुछ नहीं कर पा रहे हैं. पांच पारियों में बैटिंग करते हुए मैक्सवेल चार बार सिंगल डिजिट के स्कोर पर पवेलियन लौटे हैं, जिसमें दो ज़ीरो भी शामिल हैं. उनका हाई स्कोर 28 रनों का रहा है. पांचों पारियों में मैक्सवेल ने क्रमशः 00, 03, 28, 00 और 01 रन बनाया. अपनी खराब फॉर्म के साथ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आरसीबी के लिए बोझ बनता हुआ दिख रहा है.

गेंदबाज़ी में दिखा रहे सही लय - मैक्सवेल अक्सर पार्ट टाइमर के रूप में बॉलिंग करते हैं. लेकिन इस सीज़न वह आरसीबी के लिए मेन गेंदबाज़ से भी अच्छे दिख रहे हैं. जहां एक तरफ आरसीबी के शुरुआती तीन मैच खेल चुके अल्जारी जोसेफ ने एक भी विकेट नहीं चटकाया है, मैक्सवेल 5 मैचों में 4 बल्लेबाज़ों को अपना शिकार बना चुके हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले मैचों में मैक्सवेल का प्रदर्शन कैसा रहता है.

आरसीबी के खिलाफ मारो तो शतक नहीं तो कोई रन नहीं

जॉस बटलर का यही है अंदाज, 100वें आईपीएल मैच में बनाए 5 बड़े रिकॉर्ड

जयपुर, एजेंसी। 6 अप्रैल की शाम मैदान जयपुर का था और शोर दो टीमों की टक्कर में दो विरोधी खिलाड़ियों का. अब ऐसे में किसी एक के नाम का शोर तो ज्यादा होना ही था. और, जिसका हुआ उसकी टीम मैदान फतेह कर गई. आईपीएल 2024 में शतक के जिस खेल को विराट कोहली ने अपने बल्ले के जोर

से शुरू किया था, उसे खत्म जॉस बटलर ने किया. उन्होंने मैच की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर ना सिर्फ अपना शतक पूरा किया बल्कि जीत का चौका लगाते हुए राजस्थान रॉयल्स के अजेय अभियान को भी बरकरार रखा. लेकिन जब खामोशी टूटी तो ना सिर्फ क्रिकेट फैंस को ये देखने को मिला कि वो क्या कर सकते हैं बल्कि आरसीबी के खिलाफ उनके खेलने का अंदाज भी समझ आया. जॉस बटलर का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलने का तरीका एकदम क्लियर है- मारो तो शतक नहीं तो कोई रन नहीं. कम से कम आरसीबी के खिलाफ खेली उनकी पिछली 4 आईपीएल पारियों में तो यही नजर आया है.

आरसीबी के खिलाफ या तो शतक या कोई रन नहीं!- जॉस बटलर ने आईपीएल 2022 से अब तक खेली 4 पारियों में 2 शतक लगाए हैं जबकि बाकी 2 में खाता भी नहीं खोल सके हैं. उन्होंने आईपीएल 2022 में 60 गेंदों का सामना करते हुए आरसीबी के खिलाफ नाबाद 106 रन बनाए, वहीं आईपीएल 2023 में खेली दोनों पारियों में 2-2 गेंदें खेलकर खाता भी नहीं खोल सके. और, अब आईपीएल 2024 में सामना होते ही फिर से शतक जड़ दिया. उन्होंने 58 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए.

100वें मैच में शतक लगाकर 5 बड़े रिकॉर्डों से जोड़ा नाता- जॉस बटलर का जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम पर आरसीबी के खिलाफ लगाया शतक खास है क्योंकि ये उनके 100वें आईपीएल मैच में आया है. ये शतक खास है क्योंकि इसके जरिए उनका नाम 5 रिकॉर्डों की लिस्ट में दर्ज हो गया है.

जोस बटलर्स के शतक ने विराट कोहली को पछाड़

राजस्थान ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया

58 गेंदों 100 रन

72 गेंदों 113 रन

जयपुर, एजेंसी। यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 मैच में सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने अपने 100वें आईपीएल मैच में 58 गेंदों में शानदार शतक के साथ फॉर्म में वापसी की। उन्होंने विराट कोहली के शतक को पीछे छोड़ दिया, जिससे राजस्थान रॉयल्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराने में मदद मिली। इसके साथ राजस्थान रॉयल्स ने चार मैचों में से चार में जीत हासिल करने का रिकार्ड बनाया। कोहली ने अपना आठवां आईपीएल शतक और टी20 क्रिकेट में कुल मिलाकर नौवां शतक जड़ने के बाद 72 गेंदों में नाबाद 113 रन बनाकर आरसीबी को 183/3 के स्कोर तक पहुंचाया, इसके बाद बटलर ने शुरुआती तूफान का सामना किया और फिर आक्रामक खेल को पूर्णता तक पहुंचाया। उन्होंने 58 गेंदों पर नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 100 रन बनाए।

अपनी शानदार पारी के जरिए बटलर के.एल.राहुल के बाद अपने 100वें आईपीएल मैच में 100 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए हैं। ऐसी पिच पर, जहां खेल आगे बढ़ने के साथ स्ट्रोक खेलना बेहतर होता गया, बटलर को कप्तान संजू सैमसन का भी अच्छा समर्थन मिला। उन्होंने 42 गेंदों में 69 रन बनाए। आरआर ने पांच गेंद बाकी रहते लक्ष्य का पीछा पूरा किया और अब अंक तालिका में शीर्ष पर है।आरसीबी के लिए यह वही पुरानी कहानी थी, जिसमें गेंद के साथ पैठ की कमी थी और रीस टॉपले को छोड़कर अन्य खिलाड़ी दर्शकों के लिए उल्लेखनीय प्रदर्शन करने में विफल रहे। 184 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आरआर की शुरुआत आदर्श नहीं रही, क्योंकि यशस्वी जयसवाल ने रीस टॉपले की एक गेंद को मिड-ऑफ पर खींच लिया और शून्य पर आउट हो गए।सैमसन ने तीन चौके लगाए। इससे पहले बटलर ने दिनेश कार्तिक की गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद मोहम्मद सिराज की चौथे ओवर की गेंदबाजी में रन आउट हो-होते बच गए। बटलर ने इसके बाद यश दयाल की गेंद पर दो ऑफ-साइड चौके लगाए और बाएं हाथ के स्पिनर मयंक डागर को 18 रन के ओवर में तीन चौके और एक छक्का लगाया। आरआर ने पावर प्ले के अंत में छह ओवर में 54/1 रन बनाए।बटलर ने 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करने से पहले कैमरून ग्रीन की गेंद पर एक रन बनाया। सैमसन ने सिराज की गेंद पर अपर कट छक्का जड़कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद डागर की गेंद पर दो चौके और एक छक्का लगाकर 33 गेंदों में सीजन का अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया।148 रन की साझेदारी तब समाप्त हुई, जब सैमसन सिराज की गेंद पर सही समय पर पुल नहीं कर सके और डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर कैच दे बैठे। हालांकि रियान पराग और ध्रुव जुरेल जल्दी-जल्दी आउट हो गए, लेकिन बटलर और शिम्रोन हेटमायर ने बचे हुए रन बनाए। बटलर ने डीप स्क्वायर लेग के बाईं ओर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया और आरआर को उसके घर में रोमांचक जीत दिलाई।संक्षिप्त स्कोर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 20 ओवर में 183/3 (विराट कोहली 113 नाबाद, फाफ डु प्लेसिस 44; युजवेंद्र चहल 2-34, नांद्रे बर्गर 1-33) राजस्थान रॉयल्स से 19.1 ओवर में 189/4 (जोस बटलर 100 नाबाद) से संजू सैमसन 69; रीस टॉपले 2-27, मोहम्मद सिराज 1-35) छह विकेट से हार गए।

आखिरी पांच ओवर में मुंबई ने एक विकेट गंवाकर 96 रन बनाए

पांच विकेट गंवाकर 234 रन बनाए, शेफर्ड ने नॉर्त्जे के 20वें ओवर में 32 रन बनाए

मुंबई। दिल्ली के सामने 235 रन का लक्ष्य दिया है। एमआई की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 234 रन बनाए हैं। रोमारियो शेफर्ड ने 20वें ओवर में 32 रन बटोरे। उन्होंने एनरिक नॉर्त्जे के इस ओवर में चार छक्के और दो चौके लगाए। एक छक्के में तो गेंद स्टेडियम के छत पर जा गिरी। शेफर्ड 10 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, टिम डेविड ने 21 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से 45 रन की पारी खेली। वहीं, शेफर्ड ने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए। दोनों ने 13 गेंद में 53 रन की साझेदारी निभाई। आखिरी पांच ओवर में मुंबई ने एक विकेट गंवाकर

96 रन बनाए। यह वानखेड़े में मुंबई का हाईएस्ट टोटल भी है।

मुंबई इंडियंस को 18वें ओवर में 181 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। कप्तान हार्दिक पांड्या को एनरिक नॉर्त्जे ने फेजर मैकगर्क के हाथों कैच कराया। वह 33 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बना सके। 18 ओवर के बाद मुंबई का स्कोर पांच विकेट पर 183 रन है। फिलहाल टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड क्रीज पर हैं।

16 ओवर के बाद मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 150 रन है। फिलहाल टिम डेविड 13 रन और हार्दिक पांड्या 32 रन बनाकर क्रीज पर हैं। रोहित और ईशन के आउट होने के बाद से मुंबई का पारी धीमी पड़ गई है। कभी 10 के ऊपर से रन बना रहे मुंबई का मौजूदा रन रेट नौ के आसपास है।

फीफा और सदस्य संघों को मिलकर मैच फिक्सिंग से लड़ना चाहिए: जियानी इन्फेंटिनो

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पहले फीफा इंटेग्रिटी समिट में कहा है कि मैच में हेरफेर का खतरा दूर नहीं हुआ है और इससे केवल तभी निपटा जा सकता है जब विश्व शासी निकाय और उसके सदस्य संघ (एमए) एकजुट होकर इससे लड़ेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम, जो एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) और फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर (एफएएस) के सहयोग से सिंगापुर में हो रहा है, का उद्देश्य 211 एमए और छह संघों के अखंडता अधिकारियों के लिए है। इसका मुख्य फोकस उन्हें वैश्विक अखंडता रुझानों पर अद्यतन करना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, नई फीफा इंटेग्रिटी हैंडबुक और शिक्षा रोडमैप प्रस्तुत करना और मैच हेरफेर के संबंध में फीफा और कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) से प्रासंगिक निर्णयों का पता लगाना है। शिखर

सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान चलाए गए एक वीडियो संबोधन में, इन्फेंटिनो ने कहा कि, बहु-अरब डॉलर के उद्योग के रूप में, फुटबॉल हमेशा आपराधिक गतिविधि के लिए एक आकर्षक लक्ष्य रहेगा। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खेल का मैदान समतल बना रहे और खेल बाहरी प्रभावों से मुक्त रहे, क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हमारे प्रिय खेल का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। हमें सतर्क रहना होगा। इन्फेंटिनो ने आगे कहा कि फीफा ने 2020 में ऑस्ट्रिया के वियना में ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे और इसे पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क में नवीनीकृत किया गया था। इस सहयोग से ग्लोबल इंटेग्रिटी प्रोग्राम शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य एमए को मैच फिक्सिंग को रोकने और उससे निपटने के लिए ज्ञान और उपकरण प्रदान करना है। इस प्रतिबद्धता के एक प्रमुख हिस्से में खिलाड़ियों, रेफरी और अखंडता अधिकारियों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है।

स्पॉट फिक्सिंग के पुख्ता सबूत होने के बावजूद बच गए श्रीसंत : दिल्ली के पूर्व पुलिस उपायुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज कुमार ने कहा है कि हितधारकों ने भारतीय खेलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लाने में गंभीरता की स्पष्ट कमी दिखाई है और यही कारण है कि दागी पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत जैसा व्यक्ति आईपीएल 2013 में उनके खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के पुख्ता सबूत होने के बावजूद बच गया।

37 वर्षों तक देश की सेवा करने वाले आईपीएस अधिकारी नीरज दिल्ली पुलिस के प्रभारी थे जब उनके मार्गदर्शन में स्पेशल सेल ने श्रीसंत और राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी क्रिकेटरों अजीत चंदीला और अंकित चव्हाण को स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि 2019 में यह फैसला देने के बावजूद कि भारत के पूर्व खिलाड़ी के खिलाफ सबूत थे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उन पर आजीवन प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने के लिए कहा। अंततः सजा को घटाकर सात साल का निलंबन कर दिया गया जो सितंबर 2020 में समाप्त हो गया। नीरज ने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि मामला कहीं नहीं बढ़ा...दुर्भाग्य से, क्रिकेट में भ्रष्टाचार या सामान्य रूप से खेलों में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए (भारत में) कोई कानून नहीं है। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि जिंबाब्वे जैसे देश में भी विशिष्ट कानून है। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में यह कानून है...यूरोप में, कानून है क्योंकि भ्रष्टाचार सिर्फ क्रिकेट में नहीं बल्कि फुटबॉल, टेनिस, गोल्फ में भी है। नीरज 2000 में सीबीआई की जांच टीम के हिस्से के रूप में हैंसी क्रोन्ये मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी जुड़े

थे। उन्होंने कहा कि खेलों में भ्रष्टाचार पर मुकदमा चलाने में सबसे बड़ी बाधा कानून का अभाव है। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए हम जो बहुत सी चीजें करते हैं, वे न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। अगर हम कहते हैं कि मैच फिक्सिंग के दौरान लोगों को धोखा दिया गया था, तो अब अदालत पूछेगी, मुझे एक व्यक्ति दिखाओ, जिसे धोखा दिया गया हो, उस व्यक्ति को अदालत में पेश करो। नीरज ने कहा, 'अदालत में कौन आएगा और कहेगा कि मैं निष्पक्ष खेल और हर किसी के अपनी क्षमता के अनुसार खेलने की उम्मीद से क्रिकेट मैच देखने गया था? इसलिए पीड़ित की अनुपस्थिति में, मामले को साबित करना बहुत मुश्किल हो जाता है। भारत में इस पर अंकुश लगाने के लिए एक कानून पर 2013 से काम चल रहा है। खेल भ्रष्टाचार निवारण विधेयक (2013) को 2018 में लोकसभा में पेश किया गया था और इसमें फिक्सिंग सहित खेल धोखाधड़ी के दोषी पाए जाने वालों को पांच साल की कैद और 10 लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान था। इस विधेयक का मसौदा न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुकुल मुद्गल ने तैयार किया था और इसे मैच फिक्सिंग पर अंकुश लगाने के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। इसे 'सार्वजनिक जुआ अधिनियम 1867 की जगह लेनी थी जिसके तहत सट्टेबाजी में शामिल किसी भी व्यक्ति पर केवल 200 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता था या तीन महीने की जेल हो सकती थी। श्रीसंत मुख्यधारा में वापस आ गए हैं और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले उन्होंने केरल के लिए रणजी ट्रॉफी भी खेली। वह अब विभिन्न लीजेंड्स लीग में देखे जाते हैं और विभिन्न प्रसारण मंचों पर विशेषज्ञ के रूप में राय भी देते हैं। खेल में भ्रष्टाचार से निपटने के अपने अनुभवों के बारे में 'ए कॉप इन क्रिकेट किताब लिखने वाले नीरज को उम्मीद है कि दिल्ली उच्च न्यायालय में फिर से खोला गया यह मामला अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा, 'हमने उस आदेश को चुनौती दी है और यह अब दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है। शुरुआत में यह कोविड के कारण ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाया, लेकिन अब कुछ सुनवाई हुई हैं और आपको आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर आदेश पलट दिया जाए क्योंकि हमारे पास बहुत सारे अन्य सबूत हैं। नीरज ने कहा, 'श्रीसंत को केरल उच्च न्यायालय से राहत मिल गई है लेकिन उसने यह नहीं कहा है कि वह निर्दोष है। नीरज को यह भी लगता है कि 2000 के घोटाले में फंसे पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन के खिलाफ मामले को 'पूरा नहीं होने दिया गया। उन्होंने कहा, 'यदि अजहरूद्दीन मामले को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचने दिया गया होता तो कुछ बहुत बड़े नाम उजागर हो गए होते लेकिन उसकी भी अनुमति नहीं दी गई। नीरज ने न्यायमूर्ति मुद्गल समिति द्वारा शीर्ष अदालत को सौंपे नामों का जिक्र करते हुए कहा, 'खेल, खासकर क्रिकेट में भ्रष्टाचार से निपटने में कहीं ना कहीं गंभीरता की कमी है।

रणवीर या रणबीर?

दीपिका किसे मानती हैं बेहतर अभिनेता

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड के बेहतरीन कपल में से एक हैं। दोनों की ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन केमेस्ट्री लाजवाब है। यह सभी को पता है कि रणबीर कपूर अभिनेत्री दीपिका के एक्स बॉयफ्रेंड रह चुके हैं। सोचिए जरा जब यह तीनों एक इंटरव्यू का हिस्सा रहे हों तो क्या हुआ होगा। एक इंटरव्यू के दौरान जब दीपिका से रणवीर और रणबीर के बीच चुनाव करने के लिए कहा गया तो उस समय अभिनेत्री बहुत बड़ी दुविधा में फंस गई थीं।

क्या दिया था दीपिका ने जवाब?

एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर नजर आ रहे हैं। इस दौरान जब दीपिका से सवाल किया गया कि उनके हिसाब से रणवीर सिंह और रणबीर कपूर में कौन सा अभिनेता ज्यादा बेहतर है?

तो इस सवाल के जवाब में दीपिका ने कहा, यह ऐसा सवाल लग रहा है जैसे कि किसी ने मुझसे माता और पिता के बीच में किसी एक का चुनाव करने के लिए कह दिया हो। दीपिका के इस जवाब पर रणबीर ने तुरंत कहा कि वह पिता का किरदार निभाने के लिए सोच सकते हैं। रणबीर के इस जवाब के बाद वहां पर मौजूद सभी लोग हंसने लगे और माहौल शांत हो गया।

दीपिका को किया गया था ट्रोल

दीपिका को उनके इस जवाब के लिए काफी ट्रोल किया गया। यह तो सभी को पता है कि रणबीर कपूर, दीपिका के एक्स रह चुके हैं। लेकिन अब दोनों ही स्टार्स अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और दोनों ने ही शादी कर ली है।

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण अपनी शादीशुदा जिंदगी में बहुत खुश हैं। दोनों ने 14 नवम्बर 2018 को इटली में शादी की थी। दोनों जल्द ही माता-पिता भी बनने वाले हैं। मां बनने की खुशी को दीपिका ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया था। वहीं रणबीर कपूर और आलिया भट्ट 14 अप्रैल साल 2022 को शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के बाद दोनों ने बिटिया राहा का स्वागत किया।

इन फिल्मों में नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका जल्द ही फिल्म सिंघम अगेन और कल्कि 2898 एडी में नजर आएंगी। वहीं रणवीर सिंह सिंघम अगेन और डॉन 3 की शूटिंग में बीजी है।

दोनों ही स्टार्स अपने बच्चे के जन्म से पहले फिल्म की शूटिंग को खत्म कर देना चाहते है। वहीं, इन दिनों रणबीर कपूर अपनी फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं।

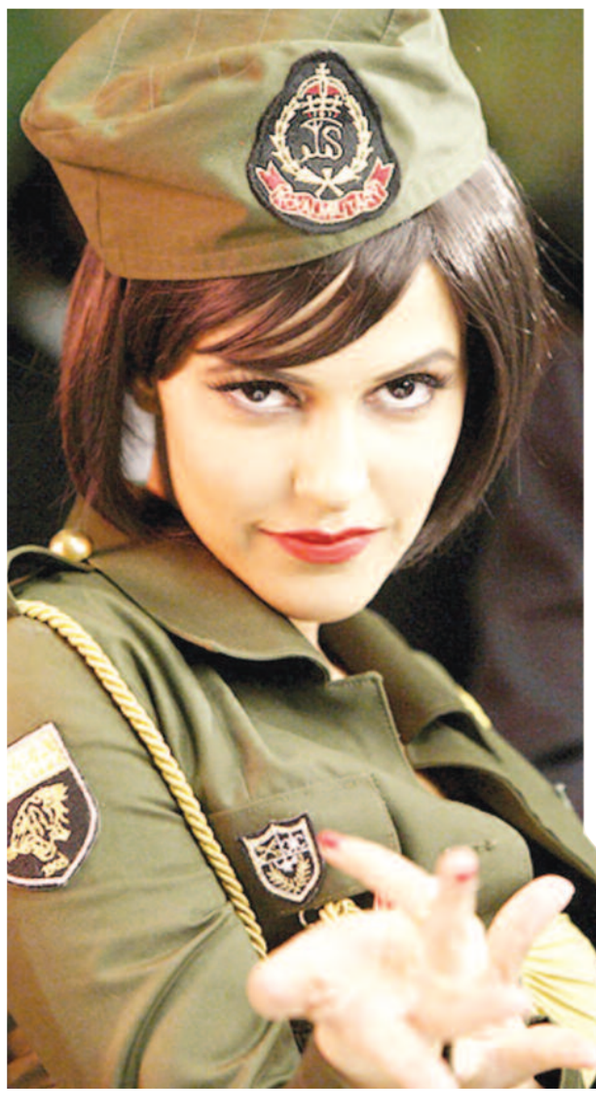

नेहा धूपिया ने अपने

22 साल के करियर के बारे में कही ये बात

एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने इंडस्ट्री में दो दशकों से ज्यादा का सफर तय किया है। नेहा का कहना है कि 2002 में एक ब्यूटी प्रतियोगिता जीतने से लेकर आज विभिन्न ओटीटी शो में काम करने तक, सब कुछ उनके लिए गेम चेंजर रहा है। गेम चेंजर प्रोजेक्ट क्या रहा, इसके बार में आईएएनएस से बात करते हुए नेहा ने कहा, जब आप 22 सालों से बिजनेस में हैं, तो केवल एक गेम चेंजर प्रोजेक्ट से काम नहीं चलेगा।

इसलिए, मैं सोचती हूं कि मिस इंडिया जीतने से लेकर अपना डेब्यू करने तक, जिस तरह की फिल्में मैं करना चाहती थी, उससे हटकर फिर वास्तविक दुनिया में लौटना, मां बनना, अपना खुद का कंटेंट तैयार करना और विभिन्न ओटीटी शो का हिस्सा बनना.. सभी छोटे स्टेप्स हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें अपनी टाइम फ्रेम, निरंतरता, जद्दोजहद और प्रासंगिकता पर गर्व है।

एक्ट्रेस ने कहा कि हर चीज गेम चेंजर है। अगर आप सोचते हैं कि आपकी लाइफ में एक प्वाइंट ऐसा है जो इसे हमेशा के लिए बदल देगा, तो मुझे नहीं लगता कि आपका करियर दो दशकों तक चलेगा। यह निर्धारित समय-सीमा, निरंतरता है जिस पर मुझे सबसे अधिक गर्व है और इसकी प्रासंगिकता भी है। एक्ट्रेस नेहा का अगला ओटीटी शो थैरेपी शेरेपी है। उनके पास विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ बैड न्यूज़ और ब्लू 52 नामक एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म भी है।

आंखों की गुस्ताखियां से जुड़े विक्रांत मैसी

निभाएंगे दृष्टिहीन संगीतकार की भूमिका!

विक्रांत मैसी ने हाल ही में विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल में अपनी भूमिका के लिए व्यापक प्रशंसा हासिल की। अब अभिनेता एक फिर दर्शकों को लुभाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। बताया गया है कि मैसी अपनी आने वाली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में एक दृष्टिहीन संगीतकार का किरदार निभाएंगे।

फिल्म का शीर्षक संजय लीला भंसाली की रोमांटिक मूवी, हम दिल दे चुके सनम (1999) के सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन के गाने आंखों की गुस्ताखियां से प्रेरणा लेता है। इस परियोजना का नेतृत्व लेखक निरंजन अयंगर कर रहे हैं, जो अपने लेखन के तहत कई हिंदी फिल्मों की पटकथा लिखने के दो दशक बाद निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। मिनी फिल्म्स बैनर की मानसी बागला और वरुण बागला फिल्म के निर्माण के लिए भूषण कुमार की टी-सीरीज के साथ हाथ मिला रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आंखों की गुस्ताखियां शीर्षक की जड़ें प्रशंसित लेखक रस्किन बॉन्ड की लघु कहानी द आइज हैव इट से मिलती हैं। अयंगर ने स्वयं इस मनोरंजक कहानी का स्क्रीन रूपांतरण लिखा है, जो एक दृष्टिहीन संगीतकार और एक थिएटर अभिनेत्री द्वारा की गई प्रेम और आत्म-खोज की यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कहानी करुणा, इच्छाशक्ति, स्वतंत्रता, धारणा, स्मृति और आत्मविश्वास के विषयों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म मानवीय अनुभव की एक दिलचस्प खोज पेश करने का वादा करती है, जबकि फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री का चयन अभी तक नहीं हुआ है। वहीं मैसी एक ऐसे किरदार को चित्रित करने के लिए तैयार हैं जिसे एक रोमांटिक और आत्मनिरीक्षण करने वाली आत्मा बताया गया है।

फिल्म का प्रोडक्शन अगस्त 2024 में शुरू होने वाला है, जिसमें शूटिंग स्थान उत्तराखंड और जॉर्जिया में फैले हुए हैं। काम के मोर्चे पर, विक्रांत मैसी की इस परियोजना के प्रति प्रतिबद्धता राजकुमार हिरानी की पहली वेब सीरीज में उनकी भागीदारी के बाद है, जिसमें वह एक साइबर अपराध विशेषज्ञ की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

सीरीज, जो वर्तमान में निर्माणाधीन है, का प्रीमियर अगले साल डिज्नी+हॉटस्टार पर होने वाला है। इसके अतिरिक्त, उनके पास तापसी पन्नू के साथ फिर आई हसीन दिलरुबा, आदित्य निंबालकर की सेक्टर 36 और राशि खन्ना के साथ एक अनाम प्रोजेक्ट है। उनकी अगली फिल्म द साबरमती रिपोर्ट 3 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृति सेनन ने किया खुलासा

बॉलीवुड में नहीं है कोई एकता

कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म क्रू की सफलता को एंजॉय कर रही हैं। इस फिल्म में कृति ने करीना कपूर और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा की है। हाल ही में उन्होंने कहा कि अगर सभी एक-दूसरे का समर्थन करें तो बॉलीवुड एक अलग जगह होगा। अभिनेत्री ने कहा कि बॉलीवुड में उन्हें उतनी एकता नजर नहीं आती है। उन्होंने कहा मैं नहीं जानती कि जब कोई फिल्म अच्छा प्रदर्शन करती है तो कितने लोग वास्तव में खुश होते हैं। कृति सेनन ने कहा, मुझे लगता है कि इसमें थोड़ा बदलाव आ रहा है, कम से कम मुझे उम्मीद है।

भंसाली की सीरीज हीरामंडी में दिखाई देंगे फरदीन खान

एक्टर फरदीन खान 14 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी से वापसी कर रहे हैं। मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर इस बात की जानकारी दी है।

इस पीरियड ड्रामा सीरीज में वे अली मोहम्मद का किरदार निभाएंगे। फरदीन को आखिरी बार 2010 की फिल्म दूल्हा मिल गया में देखा गया था। इसके बाद से ही फरदीन फिल्मी पर्दे से गायब थे। फरदीन ने 2001 में बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को उनके पिता फिरोज खान ने ही डायरेक्ट किया था। यह वह दौर था जब उनकी इमेज चॉकलेटी बॉय के तौर पर मशहूर थी। फरदीन अपने करियर में 'नो एंट्री' और 'हे बेबी' जैसी मल्टीस्टारर फिल्मों का हिस्सा रहे लेकिन उनके हिस्से कभी कोई सोलो हिट नहीं आई। 2010 में रिलीज हुई 'दूल्हा मिल गया' उनकी आखिरी फिल्म थी।

1 मई को स्ट्रीम होगी सीरीज

लंबे वक्त से संजय लीला भंसाली की अपकमिंग सीरीज हीरामंडी सुर्खियों में है। इस सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सेहगल, फरीदा जलाल जैसी एक्ट्रेसेस नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हीरामंडी का इतिहास 450 साल पुराना है। ये पाकिस्तान के लाहौर शहर का एक इलाका है। इसे शाही मोहल्ला के नाम से भी जाना जाता रहा है। हीरामंडी में उज्बेकिस्तान और अफगानिस्तान से महिलाएं आया करती थीं। यहां आकर वे क्लासिकल डांस और गाना गाया करती थीं। अकबर के शासन के दौर में हीरामंडी को शाही मोहल्ला कहा जाता था। यहां पर स्थित कई कोठे मुगल शासन के दौर के हैं।

माफियागिरी चल रही है, ये रिश्ता क्या कहलाता है से कलाकारों को निकालने पर भड़कीं शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री और बिग बॉस 11 की विजेता शिल्पा शिंदे ने टेलीविजन कलाकारों के समर्थन में सामने नहीं आने के लिए सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन पर जमकर निशाना साधा। उनकी यह प्रतिक्रिया निर्माता राजन शाही द्वारा शहजादा धामी और प्रतीक्षा होनमुखे को शो ये रिश्ता क्या कहलाता है से रातों रात निकालने के कुछ दिनों बाद आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर्स को उनके अनप्रोफेशनल व्यवहार के चलते शो से बाहर कर दिया गया था। अब एक इंटरव्यू में शिल्पा ने कहा कि शहजादा और प्रतीक्षा को हटाने का फैसला अनुचित और बकवास था। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया, आप ष्टढ्डह्ल्ल सदस्य इसलिए बनते हैं ताकि आप दूसरों को नियंत्रित कर सकें। कलाकार संघ केवल अन्य कलाकारों पर प्रतिबंध लगाता है। क्या आपने कभी किसी निर्माता पर प्रतिबंध लगाए जाने के बारे में सुना है? अभिनेत्री ने आगे कहा कि जो कलाकार परेशानियां पैदा करते हैं वे अभी भी काम कर रहे हैं और जो लोग दूसरों की बात सुनते हैं और उनका सम्मान करते हैं उन्हें लोग डरने की गलतफहमी में रखते हैं। कोई भी इस इंडस्ट्री में सच्चा नहीं है। ये रिश्ता क्या कहलाता है के कॉन्ट्रैक्ट में नो-अफेयर क्लॉज जोड़ने के निर्माताओं के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिल्पा ने कहा, पहले कभी सेट पर एक्टर्स के अफेयर नहीं हुए हैं क्या। मैंने तो सुना है प्रोड्यूसर्स, एक्टर्स के अफेयर की वजह से बहुत खुश होते हैं क्योंकि उस वजह से उनका शो काफी खबरों में रहता है और ऐसे शोज की टीआरपी रेटिंग भी काफी अच्छी होती है।

पति मनोज बाजपेयी के साथ होगी शबाना रजा की वापसी

निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा ने साल 1998 में रिलीज अपनी फिल्म 'करीब' में अभिनेता बॉबी देओल के साथ एक नई हीरोइन को बड़े परदे पर लॉन्च किया था। उस समय नेहा नाम से फिल्म दर्शकों के सामने आई इन अभिनेत्री का असली नाम दर्शकों को बाद में तब पता चला, जब अभिनेता मनोज बाजपेयी से उन्होंने शादी कर ली।

अब शादी के कोई 18 साल बाद शबाना फिर से बड़े परदे पर वापसी की तैयारी में हैं। अपने असली नाम शबाना रजा की बजाय नेहा नाम से तमिल और कन्नड़ समेत करीब एक दर्जन फिल्मों में काम कर चुकीं मनोज बाजपेयी की पत्नी अब अपनी दूसरी पारी खेलने की पूरी तैयारी कर चुकी हैं। वह इन दिनों अपनी वापसी के लिए सबसे मुफीद फिल्म को फाइनल करने में व्यस्त हैं। नेहा के नाम से शबाना रजा ने आखिरी फिल्म 'एसिड फैक्ट्री' शादी के तीन साल बाद साल 2009 में की थी। और इस फिल्म के निर्देशक सुपर्ण वर्मा की फिल्म से ही उनकी वापसी भी होती बताई जा रही है। सुपर्ण वर्मा और मनोज बाजपेयी की दोस्ती तब से जब सुपर्ण वर्मा फिल्म पत्रकार हुआ करते थे। बताते हैं कि मनोज के शुरुआती दिनों में सुपर्ण ने उनकी मदद भी खूब की।

मनोज की बीते साल की सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के अलावा उनकी अगले महीने रिलीज होने वाली फिल्म 'भैयाजी' से भी सुपर्ण वर्मा जुड़े हुए हैं। सुपर्ण वर्मा के जरिये कुछ कहानियां शबाना रजा तक पहुंची है और अब विकल्प ये देखा जा रहा है कि उनकी वापसी सोलो हीरोइन के तौर पर हो या फिर मनोज बाजपेयी की हीरोइन के तौर पर। मनोज बाजपेयी इन दिनों ओटीटी के सबसे सफल अभिनेताओं में शुमार हैं और वह खुद भी अपनी पत्नी की इस दूसरी पारी के लिए खासे उत्साहित दिखते हैं।

अपनी नई फिल्म 'साइलेंस 2' के प्रचार में व्यस्त मनोज कहते हैं, वह एक बहुत ही खुद्दार महिला हैं और अगर मैं खुद उनके लिए कोई फिल्म बनाना चाहूं तो शायद वह इसके लिए तैयार नहीं होंगी। हां, हम दोनों को एक साथ किसी फिल्म में काम करने में बहुत खुशी होगी। लेकिन, इसके लिए शर्त यही है कि इसका निर्माता मैं नहीं बन सकता। हमारी इस बारे में बातें भी हो चुकी हैं और मुझे बहुत खुशी होगी अगर वह बतौर अभिनेत्री कैमरे के सामने अपनी दूसरी पारी शुरू करती हैं।

17 साल बाद फिर साथ आए सिद्धार्थ आनंद और सैफ अली खान

डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद हालही में कई सालों बाद एक्टर सैफ अली खान के साथ फिर से मिले और उन्हें मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बाहर पैपराज़ी ने स्पॉट किया। डायरेक्टर-एक्टर की जोड़ी ने सलाम नमस्ते (2005) और ता रा रम पम (2007) में एक साथ काम किया था। अपने आखिरी प्रोजेक्ट के 17 साल बाद फिर से साथ आने के बाद, उनके एक प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की अटकलें लगाई जा रही हैं, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धार्थ आनंद सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता अभिनीत ज्वेल थीफ का निर्माण कर रहे हैं। इन खबरों के बीच, फिल्ममेकर को प्रड्यूसर ममता आनंद के साथ मार्फ्लिक्स पिक्चर्स ऑफिस में एक्टर कुणाल कपूर के साथ सैफ अली खान से मिलते देखा गया। रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल प्रोडक्शन स्टेज पर है और मई में इसकी शूटिंग इंटरनेशनल लोकेशन्स में होनी है। सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद द्वारा अपने बैनर मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत निर्मित यह प्रोजेक्ट एक लीडिंग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने वाला है।

सुशांत सिंह राजपूत के फ्लैट खरीदने पर बोलीं अदा शर्मा

अदा शर्मा अक्सर दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के मुंबई वाले फ्लैट के खरीदने को लेकर चर्चा में रहती हैं। बीते साल ऐसी अफवाहें थी कि अदा शर्मा ने सुशांत सिंह राजपूत का फ्लैट खरीदा है जिसमें वे रहते थे। हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में अदा शर्मा ने कहा कि प्रॉपर्टी वाले विषय पर सही समय आने पर ही बात करेंगी। अपार्टमेंट के बाहर देखे जाने के बाद बार-बार अदा शर्मा से पूछा जाता है कि क्या उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत का फ्लैट खरीदा है? अदा शर्मा कहती हैं, अभी मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि मैं सभी के दिलों में रहती हूं। बोलने का एक सही समय होता है। जब मैं वह अपार्टमेंट देखने लगी थी तो मीडिया का ध्यान देखकर थोड़ा अभिभूत हो गई थी। अदा शर्मा ने कहा - मैं एक प्राइवेट पर्सन हूं। मुझे अपनी फिल्मों के लिए लोगों की नजरों में रहना पसंद है। लेकिन मैं हमेशा प्राइवेट ही रहना पसंद करती हूं। मैं अपनी प्राइवेसी को प्रोटेक्ट करती हूं। बात करने का सही वक्त होता है। जब मैं वो जगह देखने गई थी तो मीडिया के अटेंशन से परेशान हो गई थी। सुशांत सिंह राजपूत के अपार्टमेंट के ऑनलाइन बेचे जाने की खबर आने पर अदा शर्मा उनके बारे में की गई कुछ टिप्पणियों से दुखी हो गई थीं।

- साभार एजेंसी